THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 116 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.12 2080 शुक्रवार, 14 जुलाई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

फ्रांस पहुंचे पीएम मोदी

पेरिस, 13 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 दिन के दौरे पर फ्रांस पहुंच गए हैं। यहां पेरिस के जिस होटल वो ठहरेंगे, उसके बाहर भारतीय मूल के लोगों ने भारत माता की जय के नारों के साथ पीएम मोदी का स्वागत किया। इससे पहले शाम करीब 4 बजे प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न ने मोदी को एयरपोर्ट पर रिसीव किया। यहां रेड कार्पेट बिछाकर उनका स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

रेड कार्पेट, गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत

पीएम मोदी को फ्रांस के नेशनल डे यानी बैस्टिल डे पर बतौर चीफ गेस्ट इनवाइट किया गया है। दूसरी तरफ, डिफेंस काउंसिल ने भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल-एम लड़ाकू विमान खरीदने के प्रपोजल को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा नेवी 3 स्कॉर्पीन क्लास सबमरीन भी खरीदेगी।पीएम मोदी का ये दौरा ऐसे वक्त पर हो रहा है, जब भारत-फ्रांस की स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप को 25 साल पूरे हो गए हैं। मोदी से पहले 2009 में मनमोहन सिंह भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने थे, जिन्हें बैस्टिल डे में चीफ गेस्ट के तौर पर न्योता मिला था।

राष्ट्रपति मैक्रों होस्ट करेंगे प्राइवेट डिनर :

फ्रांस पहुंचे पीएम मोदी वहां की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बॉर्न से मुलाकात करेंगे। वो पेरिस के ला सीएन म्यूजिकले में प्रवासी भारतीयों को भी संबोधित करेंगे। ला सीएन म्यूजिकाले में फिलहाल इंडियन एम्बेसी और मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर फेस्टिवल ऑफ इंडिया, 'नमस्ते फ्रांस' को होस्ट कर रहा है। इसके बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मोदी के लिए अपने ऑफिशियल हाउस एलसी पैलेस में प्राइवेट डिनर होस्ट करेंगे।

अपनों को जज बनाने के लिए हाईकोर्ट ने बदल डाला सिलेक्शन प्रोसेस

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। अपने पसंदीदा वकीलों को जज बनाने के लिए केरल हाईकोर्ट ने सिलेक्शन प्रोसेस को ही बदल डाला। मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। हालांकि सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने हाईकोर्ट के फैसले को गलत करार दिया लेकिन उन जजों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया जो इस प्रक्रिया के तहत ही चुने गए थे।

संवैधानिक बेंच का कहना था कि अगर हम इन जजों को हटाते हैं तो उसके कई गलत परिणाम होंगे। इनमें सबसे अहम ये है कि न्यायपालिका को अनुभवी जजों से वंचित होना पड़ेगा। लिहाजा उन जजों को हटाकर दूसरों को नियुक्त करना गलत होगा।

बाहुबली रॉकेट से आज दोपहर 2:35 बजे चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग

इसरो वैज्ञानिकों ने मॉडल लेकर तिरुपति में पूजा की

श्रीहरिकोटा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्टेशन में चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग के लिए अपग्रेडेड बाहुबली रॉकेट यानी लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (एमवी-3) तैयार है। एमवी-3 का लॉन्चिंग सक्सेस रेट 100 प्रतिशत है। मिशन चंद्रयान-3 का काउंटडाउन आज दोपहर से शुरू होगा और लॉन्चिंग आज शुक्रवार दोपहर 2:35 बजे सतीश धवन स्पेस सेंटर से होगी।

मिशन की सफलता के लिए इसरो के वैज्ञानिक तिरुपति वेंकटचलापति मंदिर पहुंचे। पूजा के लिए वैज्ञानिक चंद्रयान-3 का मिनिएचर मॉडल भी अपने साथ ले गए। चंद्रयान 24-25 अगस्त को चांद पर उतरेगा। अगले 14 दिन रोवर लैंडर के चारों ओर 360 डिग्री में घूमेगा और कई परीक्षण करेगा। रोवर के चलने से पहिए के जो निशान चंद्रमा की सतह पर बनेंगे, उनकी तस्वीर भी लैंडर भेजेगा। भारत चंद्रमा पर राष्ट्रध्वज पहुंचाने वाला चौथा देश बनेगा ही, चांद के दक्षिणी ध्रुव के करीब पहुंचने वाला पहला देश भी होगा। यह वही इलाका है जहां चंद्रयान-1 के दौरान मून इंपैक्ट प्रोब छोड़ा था और इसरो ने पानी होने का पता लगाया था। यहीं चंद्रयान-2 की क्रैश लैंडिंग हुई थी।

इतना अहम है चांद :

चांद के गुरुत्व बल से पृथ्वी धीमी गति से घूमती है। चांद न हो तो पृथ्वी तेजी से घूमेगी, दिन जल्दी बीतेगा। दिन महज छह घंटे का होगा। चांद न हो तो हम न चंद्र ग्रहण देख पाएंगे, न ही सूर्य ग्रहण। जब पृथ्वी पर चंद्र ग्रहण होता है, तब चांद पर सूर्य ग्रहण होता है।

चीन ने लद्दाख के न्यूट्रल इलाके में 4 टेंट लगाए, भारतीय सेना के विरोध के बाद हटाए

श्रीनगर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-चीन के बीच सीमा विवाद के बीच बॉर्डर से नया डेवलपमेंट सामने आया है। पूर्वी लद्दाख के चुशुल से पार्षद कोंचोक स्टेन्जिन ने बताया कि चीन की सेना ने चुशुल के बफर जोन यानी न्यूट्रल इलाके में चार टेंट लगाए हैं। यह घटना पूर्वी लद्दाख के गुरुंग हिल्स में टेबल टॉप इलाके की है।

काउंसिलर स्टेन्जिन ने बताया कि उन्हें गांववालों ने जानकारी दी थी कि तीन टेंटों को भारतीय सेना के विरोध के बाद हटा दिया गया, जबकि चौथा टेंट हटाए जाने की प्रक्रिया में था। उन्होंने कहा कि चीनी सेना ने दो दिन पहले ही चुशुल के बफर जोन में चार टेंट लगाए। ये डिसएंगेजमेंट एग्रीमेंट का उल्लंघन है। क्या से चिंता की बात नहीं है?

2020 के अप्रैल-मई में चीन ने ईस्टर्न लद्दाख के सीमावर्ती इलाकों में एक्सरसाइज के बहाने सैनिकों को जमा किया था। इसके बाद कई जगह पर घुसपैठ की घटनाएं हुई थीं। भारत सरकार ने भी इस इलाके में चीन के बराबर संख्या में सैनिक तैनात कर दिए थे। हालात इतने खराब हो गए कि 4 दशक से ज्यादा वक्त बाद एजएसी पर गोलियां चलीं। इसी दौरान 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सेना के साथ हुई झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। गलवान घाटी की झड़प के बाद दोनों सेनाओं के बीच कई बार बातचीत हुई।

'डायनामाइट से मेटावर्स' और 'हवाला से क्रिप्टो करेंसी' तक सुरक्षा चुनौतियां : अमित शाह

गुरुग्राम, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दुनिया भर के देशों के लिए डायनामाइट-से-मेटावर्स और हवाला से क्रिप्टो-करेंसी तक की चुनौतियों की ओर इशारा करते हुए इससे निपटने के लिए एक रणनीति तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

शाह गुरुग्राम में 'एनएफटी, एआई और मेटावर्स के युग में अपराध और सुरक्षा पर जी-20 सम्मेलन' के उद्घाटन सत्र में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि इंटरपोल की साल 2022 की ग्लोबल ट्रेंड समरी रिपोर्ट के मुताबिक रेनसमवेयर, फिशिंग, ऑफलाइन टेलीकॉम, ऑफलाइन बाल यौन-शोषण और हैकिंग जैसे साइबर क्राइम विश्वभर में गंभीर खतरे की स्थिति पैदा कर रहे हैं। ऐसी संभावना है कि भविष्य में ये साइबर अपराध कई गुना बढ़ जाएंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि साइबर अपराधी मेटावर्स, डार्कनेट, टूलकिट आधारित भ्रामक सूचना अभियान की मदद लेते हैं। ऐसी गतिविधियां राष्ट्रीय चिंता का विषय हैं क्योंकि इनका सीधा असर राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसे अपराधों और अपराधियों को रोकना है तो हमें पारंपरिक भौगोलिक सीमाओं से ऊपर उठकर सोचना और कार्य करना होगा।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि जी-20 ने आर्थिक दृष्टिकोण के लिए डिजिटल बदलाव पर ध्यान केंद्रित किया, लेकिन अब अपराध तथा सुरक्षा पहलुओं को समझना अधिक महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन में जी-20 सदस्यों के अलावा नौ अतिथि देश और दो प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगठन इंटरपोल और यूएनओडीसी के साथ-साथ विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय वक्ता भी भाग ले रहे हैं।

सीमा हैदर को पाकिस्तान भेजो, वरना 26/11 जैसे हमले होंगे

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई पुलिस को बुधवार को 26/11 जैसा आतंकी हमला करने की धमकी दी गई है। कंट्रोल रूम में फोन करके एक व्यक्ति ने कहा कि अगर सीमा हैदर वापस नहीं आईं तो भारत बर्बाद हो जाएगा। 26/11 जैसा हमला दोबारा होगा। जांच एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं। इससे पहले 11 जुलाई को बलूचिस्तान से आतंकी संगठन ने एक वीडियो जारी करके भारत को धमकी दी थी। एक हथियारबंद आतंकी सीमा हैदर को पाकिस्तान वापस भेजने की बात कह रहा था।

मानहानि केस : बाढ़ के चलते नहीं आ सके केजरीवाल-संजय

अहमदाबाद, 13 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री से जुड़े एक मामले में आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और सांसद संजय सिंह अहमदाबाद की मेट्रोपोलिटन कोर्ट में पेश होना था। लेकिन, दिल्ली में बाढ़ के हालात के चलते दोनों कोर्ट में पेश नहीं हो सके। दोनों की ओर सुनवाई की तारीख आगे बढ़ाने का निवेदन किया गया था, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया और अगली तारीख 26 जुलाई तय कर दी है।

गौरतलब है कि अहमदाबाद में स्थित गुजरात यूनिवर्सिटी ने दोनों नेताओं के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज करवाया है। पीएम मोदी की डिग्री से जुड़े इस मामले में केजरीवाल और संजय सिंह पर यूनिवर्सिटी की छवि खराब करने का आरोप है।

गुजरात यूनिवर्सिटी ने दायर याचिका में कहा है कि केजरीवाल और संजय सिंह लगातार संस्थान की प्रतिष्ठा पर सवाल उठा रहे हैं। उनको पता है कि पीएम की डिग्री पहले ही वेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी है। इसके बावजूद दोनों नेता कह रहे हैं कि डिग्री न दिखाकर यूनिवर्सिटी सच छिपा रही है, जबकि ऐसा कुछ भी नहीं है। कोर्ट ने 15 अप्रैल को हुई सुनवाई में आप के दोनों नेताओं को 23 मई को पेश होने का आदेश दिया था। जज ने कहा था कि प्रथमदृष्टया इनके खिलाफ आईपीसी की धारा 500 (मानहानि) के तहत ही मामला प्रतीत होता है।

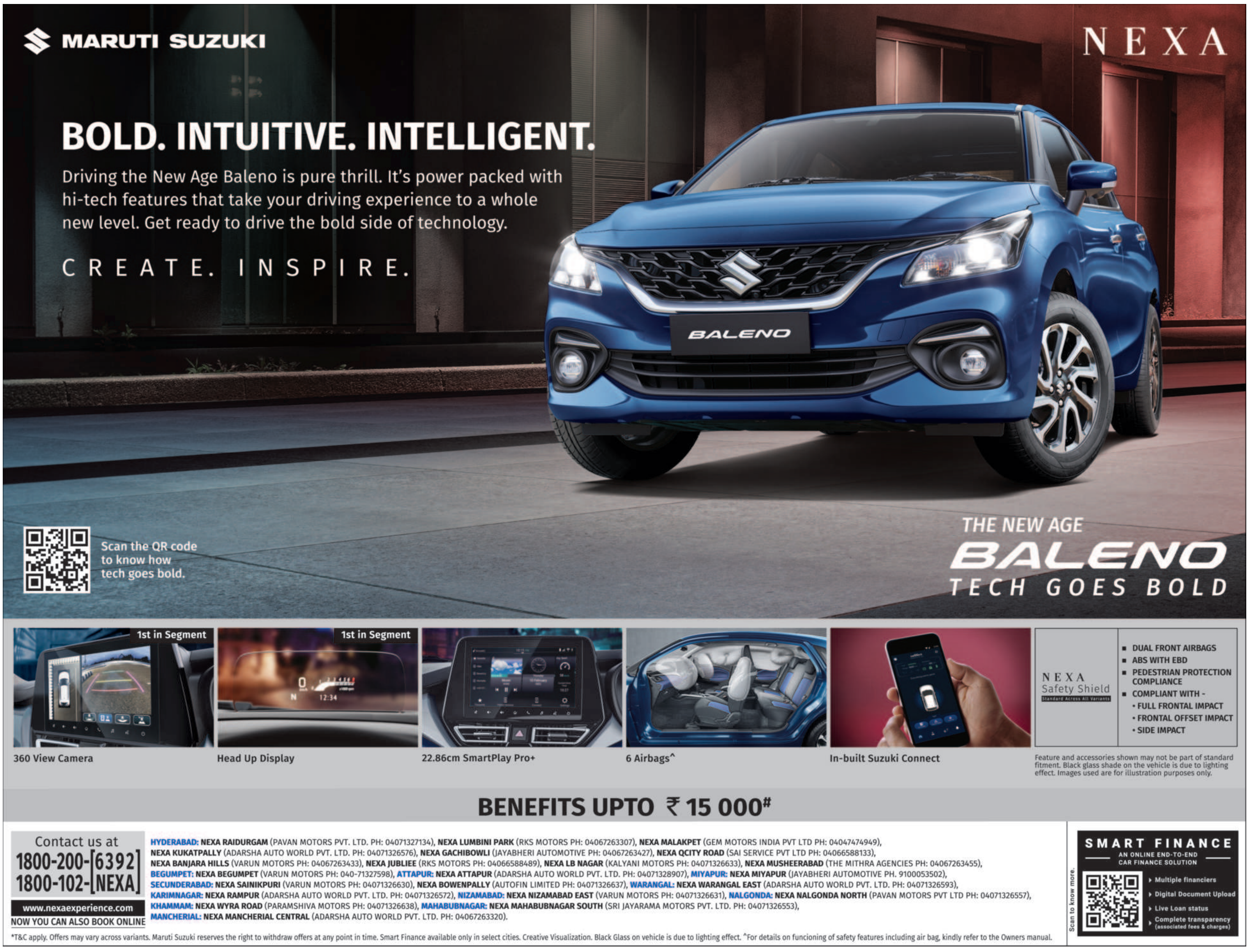

'मुख्यमंत्री' चंद्रू आप पार्टी कर्नाटक का अध्यक्ष', पृथ्वी रेड्डी को मिला राष्ट्रीय संयुक्त सचिव का पद

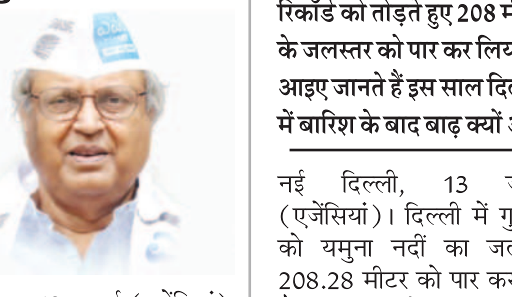

बेंगलुरु, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने 'मुख्यमंत्री' चंद्रू के नाम से मशहूर एच एन चंद्रशेखर को अपनी कर्नाटक इकाई का अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की है। पार्टी ने एक बयान में कहा कि अब तक इस पद पर रहे पृथ्वी रेड्डी को राष्ट्रीय संयुक्त सचिव बनाया गया है। इसमें कहा गया, कर्नाटक के प्रसिद्ध थिएटर-फिल्म कलाकार, पूर्व विधायक और वरिष्ठ राजनेता 'मुख्यमंत्री' चंद्रू को आम आदमी पार्टी की कर्नाटक राज्य इकाई का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बयान में कहा गया कि पार्टी संगठन के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने दिल्ली में इसकी घोषणा की। बी टी नागन्ना और अर्जुन परप्पा हलागिगौदर को राज्य आयोजन सचिव नियुक्त किया गया है। 'मुख्यमंत्री' (मुख्यमंत्री) नामक नाटक में मुख्य भूमिका निभाने के बाद चंद्रशेखर को 'मुख्यमंत्री' चंद्रू के रूप में लोकप्रियता मिली।

लिफ्ट दुर्घटना मामले में 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई मानखुर्द इलाके में लिफ्ट दुर्घटना में 10 साल के लड़के की मौत के मामले में सोसाइटी के 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले की छानबीन जारी है। इस मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि 7 जून को मानखुर्द इलाके के लल्लूभाई कंपाउंड में स्थित सुप्रभात सोसाइटी में लिफ्ट दुर्घटना में रुद्र बरहाटे (10) की मौत हो गई थी। इस मामले की शिकायत रुद्र की मां प्रियंका ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष की थी। मामले की छानबीन कर सुप्रभात हाउसिंग सोसायटी के सचिव, कमेटी मेंबर, कोषाध्यक्ष समेत लिफ्ट ठेकेदार और टेक्नीशियन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अधिकारी ने नाम का उल्लेख न करने की शर्त पर बताया कि 'हमें एफआईआर दर्ज करने में एक महीना लग गया क्योंकि हम इस बात का सबूत पाने के लिए जांच कर रहे थे कि बच्चे की मौत आरोपितों की लापरवाही के कारण हुई।'

दिल्ली में मंगलवार को हुई तेज बारिश ने लोगों के लिए आफत खड़ी कर दी, जगह-जगह सड़कें जलमग्न

दिल्ली के वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट में घुसा बाढ़ का पानी, सोमनाथ बोले- हम कर रहे काम

यमुना नदी ने 45 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 208 मीटर के जलस्तर को पार कर लिया है। आइए जानते हैं इस साल दिल्ली में बारिश के बाद बाढ़ क्यों आई।

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में गुरुवार को यमुना नदीं का जलस्तर 208.28 मीटर को पार कर गया है। रात 10 बजे तक यमुना का जलस्तर 208.07 पर बना हुआ था। यमुना के जलस्तर के बढ़ने के कारण वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में बाढ़ का पानी घुस गया। इस बाबत जल बोर्ड के अधिकारी मोटर को सुरक्षित रखने के प्रयास में लगे हुए हैं जिससे दिल्ली में पीने के पानी की समस्या न हो।

बता दें कि बाढ़ का पानी वजीराबाद और चंद्रावल तक पहुंच गया है। इस बाबत ट्वीट करते हुए दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती ने जानकारी दी।

दिल्ली में बढ़ा यमुना का जलस्तर

सोमनाथ भारती ने ट्वीट कर कहा कि यमुना में पानी का स्तर लगातार बढ़ने के कारण ओखला स्थित पंप हाउस में बाढ़ का पानी घुस गया। दिल्ली में पीने के पानी की समस्या से न जूझना पड़े इसके लिए पंप हाउस के मोटर का बचाव करने में दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारी जुटे हुए हैं। दिल्ली जल बोर्ड के पास 10 ट्रीटमेंट प्लांट्स हैं। जिसमें से वजीराबाद वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट यमुना जी के पास है। यह प्रतिदिन 134 एमजीडी पीने का पानी उपलब्ध कराता है। शाम 6 बजे मैं वजीराबाद के ट्रीटमेंट प्लांट के दौरे पर गया था। यमुना का जलस्तर दो फीट तक बढ़ने के कारण वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के अंदर तक पानी घुस गया।

बाढ़ से प्रभावित इलाके

उन्होंने कहा कि किसी को चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि प्लांट के मोटर को बाढ़ के पानी से कोई नुकसान न पहुंचे। सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में प्लांट की सख्ती से निगरानी की जा रही है। बाढ़ के खतरे को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने निचले इलाकों को खाली करने को लेकर चेतावनी जारी की है। जिन इलाकों में ज्यादा खतरा है उनमें बोट क्लब, मोनेस्ट्री मार्केट, पुराने रेलवे ब्रिज के पास नीली छत्री मंदिर, यमुना बाजार, गीता घाट, नीम करोली गौशाला, विश्वकर्मा और खड्डा कॉलोनी, गढ़ी मांडू, मजनू का टीला से वजीराबाद तक का क्षेत्र शामिल है। बता दें कि बाढ़ का पानी मयूर विहार और अक्षरधाम के आसपास के इलाकों तक में फैला है।

ग्रेटर नोएडा के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में लगी आग, लोगों ने खिड़की से कूदकर बचाई जान

ग्रेटर नोएडा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा की एक इमारत में गुरुवार दोपहर भीषण आ लग गई। आग एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की तीसरी मंजिल पर लगी। जिस समय यह हादसा हुआ, उस समय कई लोग मौजूद थे। कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए खिड़की से छलांग लगाई। इसका वीडियो सामने आया है। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने की कोशिश की। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख थाना क्षेत्र के गौर सिटी 1 के गैलेक्सी प्लाजा में आग लग गई।

एनसीपी नेता नवाब मलिक को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका

जमानत याचिका खारिज

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने एनसीपी नेता नवाब मलिक की जमानत याचिका खारिज कर दी है। मलिक ने अपनी याचिका में मेडिकल कारणों का जिक्र करते हुए बेल के लिए अनुरोध किया था। गुरुवार (13 जुलाई) को कोर्ट ने मेडिकल कारणों के आधार पर नवाब को जमानत देने से इनकार कर दिया। एनसीपी नेता न्यायिक हिरासत में हैं और यहां एक प्राइवेट हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने मेडिकल कारणों का हवाला देते हुए कोर्ट में याचिका दाखिल कर जमानत दिए जाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि वह गुर्दे के रोग से पीड़ित हैं साथ ही उन्हें कई अन्य बीमारियां भी हैं।

गुर्दे की बीमारी के स्टेज 2 और 3 पर हैं मलिक

जस्टिस अनुजा प्रभुदेसाई की एकल पीठ ने चिकित्सकीय आधार पर जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि वह उनकी जमानत संबंधी अपील पर गुणवत्ता के आधार पर दो हफ्ते के बाद सुनवाई करेगी। मलिक के वकील अमित देसाई ने कहा कि पिछले आठ महीनों से मलिक की हालत बिगड़ती जा रही है और वह गुर्दे की बीमारी के स्टेज 2 से स्टेज 3 के बीच हैं।

वकील ने कहा, मलिक का ऐसी परिस्थितयों में रहना ठीक नहीं

उन्होंने अदालत से जमानत का अनुरोध करते हुए कहा कि मलिक की सेहत को ध्यान में रखा जाए और अगर उन्हें इन्हीं परिस्थितियों में रहने दिया गया तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। कोर्ट में ईडी की ओर से सॉलीसिटर जनरल अनिल सिंह ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि मलिक अपनी पसंद के अस्पताल में हैं और अपना ट्रीटमेंट करवा रहे हैं।

ईडी कर रही मामले की जांच

मनी लॉन्ड्रिंग के इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। ईडी ने मलिक को भगौड़े गैंगस्टर दाउद इब्राहिम और उसके सहयोगियों की गतिविधियों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फरवरी 2022 में गिरफ्तार किया था। मलिक के खिलाफ ईडी का मामला 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के मुख्य आरोपी दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों के खिलाफ नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की ओर से गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है।

कपूरथला की मॉडर्न जेल में आपस में भिड़े 40 कैदी, एक की मौत, तीन अस्पताल में भर्ती'

कपूरथला (पंजाब), 13 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब के कपूरथला की मॉडर्न जेल में गुरुवार को कैदी आपस में भिड़ गए। इसमें घायल एक कैदी की अमृतसर अस्पताल में मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार, सुबह आठ बजे किसी बात को लेकर करीब 40 कैदी आपस में भिड़ गए। सभी ने एक दूसरे पर लोहे की रॉड से हमला किया। मारपीट में कैदी सिमरनजीत सिंह, अमनप्रीत सिंह, वरिंदर सिंह और सुरिंदर सिंह को चोट आई। सभी को कपूरथला सिविल अस्पताल लाया गया जहां से सिमरनजीत को गंभीर हालत में अमृतसर रेफर कर दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार वहां सिमरनजीत की मौत हो गई। वहीं बाकी तीनों कैदी सिविल अस्पताल में ही भर्ती हैं। अस्पताल के ड्यूटी डॉक्टर विवेक ने बताया कि तीनों कैदियों की हालत स्थिर है।

दिल्ली में जाकर मुजरा करते है शिंदे और अजित

संजय राउत ने छोड़ा बड़ा जुबानी तीर

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राऊत ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार पर बड़ा जुबानी तीर छोड़ा है। संजय राउत ने कहा कि कैबिनेट एक्सपेंशन होना मुझे मुश्किल लग रहा है। राज्य के डिप्टी सीएम अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल दिल्ली में कल से बैठे हैं लेकिन कैबिनेट का विस्तार नहीं हो रहा है। राउत ने कहा कि अब शिंदे हों या अजित, अब वे दिल्ली में जाकर मुजरा करते हैं।

अब दिल्ली में मुजरा करना पड़ता है

संजय राउत ने आगे कहा कि एनसीपी के जिन 9 मंत्रियों ने शपथ ली है, उन्हें अपने मनपसंद विभाग नहीं मिल रहे हैं। अब उनका हाईकमांड दिल्ली में है, पहले हाईकमांड महाराष्ट्र में था। अब बार-बार उनको दिल्ली में जाकर मुजरा करना पड़ता है। चाहे शिंदे हो, चाहे आजित दादा हों, सबको दिल्ली में जाकर मुजरा करना पड़ता है। लेकिन यह उनकी मजबूरी है।

पार्टी और उनके गुट में बहुत बड़ा असंतोष

संजय राउत ने कहा कि अब महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार करना यानी नए सिरे से सिर दर्द को बुलाने जैसा है। क्योंकि जब एक्सपेंशन होगा तो दोनों गुटों में बहुत बड़ा असंतोष होगा। राउत ने कहा कि इस सरकार में अब तक विभाग का बंटवारा नहीं हुआ, उसका मतलब आप समझ लीजिए कि पार्टी में और उनके ग्रुप में कितना असंतोष है और यह हमेशा रहेगा।

पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक मुनिरत्ना पर लगे उत्खनन के लिए विस्फोटकों का उपयोग करने के आरोप, एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक मुनिरत्ना पर हुनसमरनहल्ली में एक खदान में पत्थर निकालने के लिए विस्फोट करने के आरोप में तीन अन्य लोगों के साथ विस्फोटक अधिनियम और कर्नाटक भूमि राजस्व अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। येलहंका के तहसीलदार अनिल अरोलिकर की शिकायत के आधार पर, चिक्कजला पुलिस ने मुनिरत्न, आनंदन, गणेश वी और राधम्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया। एफआईआर में कहा गया है कि जय भीम सेना ने तहसीलदार से 'अवैध' खनन गतिविधियों को रोकने का अनुरोध किया था। ग्रामीणों ने भी उत्खनन में विस्फोटकों के इस्तेमाल के खिलाफ प्रदर्शन किया था। शिकायत के बाद, एक क्षेत्रीय सर्वेक्षण किया गया, जहां यह पाया गया कि विस्फोटकों का इस्तेमाल उत्खनन के लिए किया गया था। एफआईआर के मुताबिक, ये गतिविधियां उस क्षेत्र में धरती को नुकसान पहुंचा रही थीं। पत्थरों की बिक्री से राज्य सरकार को भी नुकसान हो रहा था। एफआईआर में कहा गया है कि जांच में यह भी पता चला कि खदान में खनन करने वालों के पास सक्षम प्राधिकारी से कोई अनुमति नहीं थी।

बीएसएफ ने बांग्लादेशी मुद्रा के साथ बांग्लादेशी को पकड़ा

दक्षिण दिनाजपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जिले में उत्तर बंगाल फ्रंटियर के रायगंज सेक्टर के अंतर्गत बॉर्डर आउट पोस्ट हिली के 151वीं बटालियन बीएसएफ के आईसीपी हिली के सीमा जवानों ने एक बांग्लादेशी नागरिक को बांग्लादेशी मुद्रा के साथ पकड़ा है। पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिक का नाम रोबिऊल मार्डी (21) है। वह बांग्लादेश के राजशाही जिले का निवासी है। बीएसएफ ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी है। मिली जानकारी के अनुसार, रोबिऊल को उस समय पकड़ा गया जब वह गुप्त रूप से बड़ी संख्या में बांग्लादेशी मुद्रा ले जा रहा था।

दिल्ली में जीटी रोड पर दर्दनाक हादसा

2 गाड़ियों की टक्कर में 4 कांवड़ियों की मौत, कई घायल

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के जीटी करनाल रोड पर एक बड़ी दुर्घटना सामने आई है। बीती रात हुई इस भीषण सड़क दुर्घटना में चार कांवड़ियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में 15 अन्य लोग घायल हो गये हैं, जिनको पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक कई घायलों की स्थिति गंभीर है। पुलिस के मुताबिक ये दुर्घटना उत्तर पश्चिमी दिल्ली के सिरसपुर के पास दो ट्रकों की भीषण टक्कर के बाद हुई है। एक तेज रफ्तार ट्रक अलीपुर की तरफ से आ रहा था जिसने कांवरियों से भरा दूसरे ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। चश्मदीदों के मुताबिक दो गाड़ियों की ये टक्कर इतनी तेज थी कि आस-पास के लोग दहल गये। मौके पर फौरन पुलिस पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनास्थल पर आपातकालीन सेवाओं को बुलाया और घायलों को नरेला के सत्यवादी हरिश्चंद्र अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के शिकार चार लोगों की जान नहीं बचाई जा सकी। पुलिस के मुताबिक ट्रक पर करीब 25 कांवड़िये सवार थे। पिछले एक हफ्ते के दौरान दिल्ली-एनसीआर में ये दूसरा बड़ा हादसा है जिसमें कांवड़ियों की मौत हो गई है।

बंगाल विभाजन की मांग करने वाले नागेंद्र राय को भाजपा ने क्यों बनाया राज्यसभा उम्मीदवार ?

कोलकाता, 13 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सियासत में पंचायत चुनाव के अलावा एक अलग हंगामा भी जारी है। यह मामला नागेंद्र राय से संबंधित है, जिन्हे अनंत महाराज के नाम से भी जाना जाता है। नागेंद्र राय उर्फ़ अनंत महाराज को भाजपा ने बंगाल से अपना राज्यसभा प्रत्याशी बनाया है। मगर, ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) अभी से इसका विरोध शुरू कर चुकी है। बता दें कि बंगाल की 6 राज्यसभा सीटों पर 24 जुलाई को वोटिंग होना है। दरअसल, अनंत महाराज बंगाल को विभाजित कर अलग राज्य या केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग उठाते रहे हैं। उनकी मांग है कि कूचबिहार जिसमें उत्तर बंगाल का कुछ क्षेत्र शामिल हो, उसे अलग राज्य घोषित किया जाना चाहिए। इस मांग को उठाने वाले पहले व्यक्ति वही थे। अनंत के बाद भाजपा के कुछ नेताओं ने भी यह मांग उठाई थी। हालांकि, भाजपा आधिकारिक रूप से बंगाल से कूचबिहार को अलग करने की बात नहीं करती है। उल्लेखनीय है कि, अनंत महाराज राजवंशी समाज में जाना-पहचाना नाम हैं। वह कूचबिहार पीपल्स असोसिएशन के प्रमुख भी हैं। बंगाल में राजवंशी समाज अनुसूचित जाति (एससी) के अंतर्गत आता है। उत्तर बंगाल में इस समाज की लगभग 30 फीसदी आबादी है। दक्षिण बंगाल में मतुआ के बाद यह प्रदेश का सबसे बड़ा एससी समुदाय है। बता दें कि दक्षिण बंगाल की तुलना में यही इलाका भाजपा का मजबूत वोट बैंक भी है। इसे ही और मजबूत करने के लिए ही भाजपा ने अनंत महाराज को राज्यसभा भेजने का प्लान बनाया है। सियासी पंडितों का कहना है कि उत्तर बंगाल की जो कुल 8 लोकसभा सीट हैं, उनमें से चार में राजवंशी समाज निर्णायक भूमिका में हैं। साल 2019 में भाजपा ने इन 8 में से 7 सीटों पर कब्ज़ा जमाया था। इन इलाकों में अनंत महाराज का इस समाज पर बड़ा प्रभाव माना जाता है। यदि, अनंत राज्यसभा चुनाव जीत जाते हैं, तो भाजपा को इसका लाभ लोकसभा और विधानसभा चुनाव दोनों में मिल सकता है, क्योंकि अनंत के जीतने का राजवंशी समाज पर सकारात्मक सन्देश जाएगा। वहीं, यदि अनंत राज्यसभा के सांसद बन जाते हैं, तो नॉर्थ बंगाल से राज्यसभा जाने वाले वह भाजपा के पहले सदस्य होंगे।

गुजरातः आवारा कुत्तों के झुंड ने दो साल के मासूम को मार डाला, लगातार बढ़ रही हैं घटनाएं

गांधीनगर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में आवारा कुत्तों द्वारा जानलेना हमले और मासूम बच्चों को निशाना बनाये जाने की खबरों से लोगों के मन मं भय का माहौल व्याप्त है। इसी तरह की एक घटना गुजरात के मोरबी शहर में हुई है, जहां आवारा कुत्तों के झुंड ने दो साल के एक मासूम को नोंच-नोंच कर मौत की नींद सुला दिया। खबरों के अनुसार यह घटना मोरबी शहर के मैटल रोड स्थित एक सिरेमिक फैक्ट्री में हुई। घटना की जानकारी होने के बाद पूरे मोरबी शहर में आवारा कुत्तों का आतंक पसरा हुआ है।

भोपाल में सामने आया सामूहिक खुदकुशी का केस

बच्चों को जहर देकर पति-पत्नी ने लगाई फांसी

भोपाल, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सामूहिक खुदकुशी का केस सामने आया है। यहां एक ही परिवार के 4 लोगों ने सुसाइड कर लिया है। मरने वालों में 2 छोटे बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी ने पहले अपने बच्चों को जहर दिया और इसके बाद खुद फांसी लगा ली।

परिवार के इतना बड़ा कदम उठाने के पीछे की वजह कर्ज बताया जा रहा है।

मामला भोपाल के रातीबड़ थाना क्षेत्र के नीलबड़ इलाके का है। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट और सल्फास की गोलियों का पैकेट भी मिला है। एसीपी चंद्र प्रकाश पांडे के मुताबिक पहले 8 साल और 3 साल के बच्चों को सल्फास की गोलियां दी गयीं और उसके बाद पति-पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक मृतक निजी इंश्योरेंस कंपनी में नौकरी करता था, लेकिन कुछ नुकसान होने के चलते उसने लोन लिया था। इस लोन का भुगतान वह समय पर नहीं कर पाया, जिसके कारण उसपर कर्जा बढ़ता चला गया और उसने यह जानलेवा कदम उठा लिया। सभी शवों पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पटना में लाठीचार्ज में भाजपा नेता की मौत, पुलिस ने सिर पर मारी लाठी; कई सांसद-विधायक घायल

पटना रोजगार भ्रष्टाचार और वादाखिलाफी के मुद्दे पर गुरुवार को विधानसभा का घेराव करने निकले भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने जमकर लाठियां बरसाईं। पुलिस की ओर से की गई लाठीचार्ज में जहानाबाद जिला के महामंत्री विजय कुमार सिंह की मौत हो गई है। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राधामोहन शर्मा ने मौत की पुष्टि की है। इसके अलावा कई लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं।

पटना, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और वादाखिलाफी के मुद्दे पर गुरुवार को विधानसभा का घेराव करने निकले भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने जमकर लाठियां बरसाईं। पुलिस की ओर से की गई लाठीचार्ज में जहानाबाद जिला के महामंत्री विजय कुमार सिंह की मौत हो गई है। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राधा मोहन शर्मा ने मौत की पुष्टि की है। इसके अलावा, कई लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं। बता दें कि विजय कुमार सिंह साल 2013 से 2016 तक भाजपा के जिला उपाध्यक्ष थे। साल 2023 में उन्हें जिला महामंत्री बनाया गया था। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने जहानाबाद जिला के महामंत्री विजय कुमार सिंह के सिर पर लाठी मारी, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए। इसके बाद उनको आनन-फानन तारा अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टर ने जवाब दे दिया। इसके बाद बाद पीएमसीएच अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राधा मोहन शर्मा ने मौत की पुष्टि की है। जानकारी के मुताबिक, भाजपा कार्यकर्ताओं ने गांधी मैदान से विधानसभा तक विरोध मार्च निकाला। इस रोकने के लिए जिला प्रशासन ने शहर में हजारों की संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया। गुरुवार की दोपहर एक बजे के बाद जैसे मार्च में शामिल भाजपा नेता गांधी मैदान से विधानसभा की ओर बढ़े। तभी डाकबंगला चौराहे के पास पुलिस ने आक्रोशित भीड़ को आगे बढ़ने से रोका। इसी दौरान दोनों के बीच झड़प की स्थिति बन गई। पुलिस ने मार्च में शामिल भाजपा नेताओं से रुकने की अपील की,लेकिन भीड़ नहीं रुकी। इसके बाद में पुलिस ने जमकर लाठियां बरसाईं। लाठीचार्ज में जहानाबाद जिला के महामंत्री विजय कुमार सिंह की मौत हो गई है। कई भाजपा सांसदों, विधायकों और कार्यकर्ता बुरी तरह घायल हो गए हैं। इस दौरान भाजपा के महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल भी पुलिस की लाठी लगी। पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए न सिर्फ लाठीचार्ज किया बल्कि प्रदर्शनकारियों पर पानी के बौछार से भीड़ को तितर बितर करने के लिए पुलिस ने बलप्रयोग किया।

जहानाबाद सदर के कल्पा गांव में रोते बिलखते विजय सिंह के स्वजन।

जहानाबाद जिला के महामंत्री विजय कुमार सिंह।

सुविचार

ऐसे जिएं कि जैसे आपको कल मरना है और सीखें ऐसे जैसे आपको हमेशा जीवित रहना है।

मुफ्त बिजली आपूर्ति प्रतिक्रिया से आहत रेवंत ने किया पलटवार

कहा, कांग्रेस पार्टी किसानों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति देने के लिए प्रतिबद्ध

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों के लिए 24 घंटे मुफ्त बिजली आपूर्ति को अनावश्यक बताने वाली अपनी टिप्पणी के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रतिक्रिया से आहत, टीपीसीसी अध्यक्ष एरेवंत रेड्डी ने गुरुवार को पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति देने के लिए प्रतिबद्ध है।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन में टीपीसीसी अध्यक्ष ने यहां तक दावा किया कि किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली आपूर्ति का पेटेंट कांग्रेस का है। किसानों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति पर कांग्रेस की स्पष्ट नीति है और हाल ही में वारंगल सार्वजनिक बैठक में पार्टी नेता राहुल गांधी ने इसकी घोषणा की थी। यह इस सप्ताह की शुरुआत में संयुक्त राज्य अमेरिका में तेलंगाना के एनआरआई समुदाय के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने जो कहा था, उससे बिल्कुल उलट है, जब उन्होंने कहा था कि तीन एकड़ भूमि पर खेती के लिए केवल तीन घंटे की बिजली आपूर्ति पर्याप्त है और वह 24 घंटे की है। किसानों के लिए मुफ्त बिजली जरूरी नहीं है यह बयान, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, ने सत्तारूढ़ बीआरएस और कृषक समुदाय की ओर से भारी प्रतिक्रिया व्यक्त की, इसके अलावा कांग्रेस के भीतर से भी व्यापक निंदा हुई।

जाहिर तौर पर अपनी और पार्टी के लिए पैदा हुई शर्मिंदगी से बाहर निकलने की कोशिश करते हुए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणियों को बीआरएस ने जानबूझकर गलत तरीके से उद्धृत किया। उन्होंने आगे कहा कि मुफ्त बिजली आपूर्ति, वरिष्ठ नागरिकों और विधवाओं को 4,000 रुपये मासिक पेंशन, किसानों के लिए

2 लाख रुपये की कृषि ऋण माफी, छात्रों और अन्य लोगों को शुल्क प्रतिपूर्ति से संबंधित सभी पहलुओं की घोषणा सितंबर में जारी होने वाले कांग्रेस घोषणापत्र में की जाएगी।

यहीं नहीं रुके, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार किसानों को 24 घंटे मुफ्त बिजली की आपूर्ति नहीं कर रही है और वास्तव में, छोटे और सीमांत किसानों को केवल आठ घंटे बिजली की आपूर्ति की जा रही है, जबकि बीआरएस नेताओं के स्वामित्व वाले के खेतों को 12 घंटे की आपूर्ति दी जा रही है। उन्होंने धरणी पोर्टल पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि इसे एक विदेशी कंपनी द्वारा संचालित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी अमेरिका यात्रा का वास्तविक उद्देश्य 'उन सभी विवरणों को प्राप्त करना' था।

राज्य में बीजेपी-जनसेना गठबंधन की सरकार बनेगी : सुनील देवधर

विजयवाड़ा, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एपी बीजेपी प्रभारी सुनील देवधर ने टीडीपी नेता चंद्रबाबू की आलोचना करते हुए कहा कि दिवंगत एनटीआर एक महान व्यक्ति थे और कटप्पा मदीरी चंद्रबाबू द्वारा पीठ में छुरा घोंपने के लिए उन्होंने बाहुबली की तरह उनकी आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि वह यह बात पहली बार कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू ने 2014 में बीजेपी के साथ सरकार बनाई और फिर बीजेपी से मुंह मोड़कर चले गए। उन्होंने कहा कि अगर लोगों ने चंद्रबाबू की जगह जगन को चुना तो स्थिति और खराब हो जाएगी। कन्ना लक्ष्मीनारायण ने राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में अच्छा काम किया है। उनका कहना है कि उन्हें तथ्य बोलना चाहिए, भले ही वह अब टीडीपी में हैं। उन्होंने कहा कि सोमू वीरराजू के नेतृत्व में बीजेपी का ग्राफ एपी में बढ़ा है। वीरराज ने प्रजापोरु यात्रा के जरिए पार्टी को लोगों तक अच्छे से पहुंचाया।

हरिता हारम का हिस्सा बनकर खुश हैं रागेश्वरी लुम्बा

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में हरिता हारम के हिस्से के रूप में, श्रीमती रागेश्वरी लुम्बा और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा तेलंगाना राज्य ग्रामीण विकास संस्थान (टीएसआईआरडी), हैदराबाद में वृक्षारोपण किया गया। वे विशेष रूप से तेलंगाना के लिए हरिताहारम में भाग लेने के लिए लंदन से आए और टीएसआईआरडी के परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि हम इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर बहुत खुश और उत्साहित हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद देखा गया है कि राज्य में हरियाली काफी बढ़ गई है और जब वह लंदन में थी तो खबरों में देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई थी। यह कहते हुए कि यह एक बहुत ही सुखद और स्वस्थ कार्यक्रम है। तेलंगाना में हर जगह हरियाली दिखाई देती है और उन्होंने इस कार्यक्रम के माध्यम से विकास के परिणामों को सुनकर खुशी व्यक्त की। कार्यक्रम को यज्ञ की तरह लगातार प्रचारित कर रहे तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री के. चन्द्र शेखर राव तथा इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मदद कर रहे संबंधित अधिकारियों की विशेष सराहना की जाती है।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संदीप कुमार सुल्तानिया, प्रमुख सचिव, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग, वी.एस.एन.वी. प्रसाद, विशेष आयुक्त, ग्रामीण विकास विभाग, एस.वी. प्रदीप कुमार शेट्टी, विशेष आयुक्त, ग्रामीण विकास विभाग थे। इस अवसर पर नरेंद्र नाथ राव, संयुक्त निदेशक, टीएसआईपीआरडी, एस विनोद, श्रीमती रितु सुल्तानिया, सौम्या स्वरूप, कुमारी वीरा, कुमारी वेदिका, देवांस, अमित शाह, कपिल अग्रवाल और अन्य ने विशेष रूप से भाग लिया.

गंगुला ने तेलंगाना की शिक्षा प्रणाली पर टिप्पणी के लिए बोत्सा की आलोचना की

करीमनगर, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने तेलंगाना शिक्षा प्रणाली पर अपनी टिप्पणियों के लिए आंध्र प्रदेश के शिक्षा मंत्री बोत्सा सत्यनारायण की कड़ी आलोचना की। गुरुवार को यहां टीएस योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मंत्री ने एपी मंत्री की टिप्पणियों की निंदा की और कहा कि यह तेलंगाना सरकार है जो देश में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान कर रही है। टीएसपीएससी परीक्षा में अनियमितताओं पर बोत्सा की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कमलाकर ने

कहा कि राज्य सरकार ने घोटाले में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार करके और उन्हें जेल भेजकर अपनी ईमानदारी साबित की है। उन्होंने कहा, हालांकि, आंध्र प्रदेश में विधायक और एपीएससी सदस्य खुद बेरोजगार युवाओं से पैसा इकट्ठा करके नौकरियां बेच रहे हैं।

आंध्र प्रदेश में शिक्षकों के तबादलों के लिए 1 लाख रुपये रिश्वत देना एक नियमित प्रथा है। हालाँकि, तेलंगाना में यह पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है, कमलाकर ने बोत्सा की टिप्पणियों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि तेलंगाना शिक्षकों के स्थानांतरण करने की स्थिति में नहीं है। उन्होंने बोत्सा से शाम तक माफी मांगने की मांग करते हुए कहा कि एपी मंत्री माफी मांगने के बाद ही हैदराबाद में प्रवेश करें। कमलाकर ने एपी सरकार से बोत्सा को राज्य मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की भी मांग की।

सीपी ने महाकाली अम्मावरी मंदिर व कट्टामैसम्मा मंदिर का दौरा किया

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रचाकोंडा सीपी डीएस चौहान ने आईपीएस अधिकारियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश दिया है क्योंकि बोनाला उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों के आने की संभावना है। सीपी चौहान ने रविवार और सोमवार को मल्काजगिरी में आयोजित होने वाले बोनाला उत्सव के दौरान पुराने मल्काजीगिरी महांकाली अम्मावरी मंदिर और सफील गुडा कट्टामैसम्मा मंदिर का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

अधिकारियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है, क्योंकि बोनालू उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों के आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इस बार आम श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो इसका ख्याल रखा जा रहा है। महिला श्रद्धालुओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष सावधानी बरती जा रही है। अधिकारियों को मंदिर परिसर में वाहनों की नियमित पार्किंग की समुचित व्यवस्था करने की सलाह दी गयी। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए शी टीम की टीमें भी ड्यूटी पर रहेंगी। श्रद्धालुओं ने पुलिस से अनुरोध किया कि वे उनका सहयोग करें और बोनाला त्योहार खुशी से मनाएं। इस अवसर पर मल्काजगिरी डीसीपी डी. जानकी, मल्काजगिरी एसीपी नरेश रेड्डी, कुशाईगुड़ा एसीपी वेंकट रेड्डी, नरेडमेट, मल्काजीगिरी सीआई और अन्य अधिकारी और मंदिर के अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने सीएमआर प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा

मंचेरियल, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर बी. संतोष ने अधिकारियों को कस्टम मिल्ड चावल (सीएमआर) की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने अतिरिक्त कलेक्टर डी मधुसूदन नाइक और बी राहुल के साथ गुरुवार को यहां नागरिक आपूर्ति अधिकारियों और तहसीलदारों के साथ एक समीक्षा बैठक बुलाई।

संतोष ने अधिकारियों से सीएमआर प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कदम उठाने को कहा और यह सुनिश्चित करने को कहा कि लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रत्येक मिल प्रतिदिन 18 घंटे काम करे। उन्होंने हर दो दिन में मिलों का निरीक्षण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को अपने मासिक लक्ष्य का 70 प्रतिशत हासिल करना चाहिए और सीएमआर को भारतीय खाद्य निगम में स्थानांतरित करने में सरकार की मदद करनी चाहिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को जीओ एमएस संख्या 58 और 59 के तहत लाभार्थियों को भूमि नियमित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि लाभार्थी शुल्क का भुगतान करें और सरकारी भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण करने वालों की संरचनाओं को ध्वस्त करने के लिए कदम उठाएं।

मौसमी बीमारियों से रहें सतर्क: बोरकड़े हेमन्त

कुमरम भीम आसिफाबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमन्त सहदेव राव ने चिकित्साकर्मियों को बरसात के मौसम में होने वाली मौसमी बीमारियों के प्रति सतर्क रहने के निर्देश दिये हैं। जिला केन्द्र स्थित एकीकृत कलेक्टोरेट भवन के सभाकक्ष में मौसमी बीमारियों के संबंध में अमले द्वारा अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारियों से सतर्क रहें।बरसात के मौसम की शुरुआत को देखते हुए वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि गांवों में पानी का भंडारण न हो। प्रत्येक शुक्रवार को शुष्क दिवस मनाया जाए तथा आवश्यक गतिविधियां संचालित की जाएं। जहां पानी जमा हो वहां आवश्यक दवा का छिड़काव कराया जाए। मच्छर जनित बीमारियों जैसे मलेरिया, टाइफाइड, चिकन पॉक्स, डेंगू, बोडका, एन्सेफलाइटिस और अन्य बीमारियों की रोकथाम के लिए समय-समय पर आवश्यक उपाय किए जाने चाहिए। गांवों में घरों के आसपास पानी जमा न हो, इसके लिए लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम चलाने का आदेश दिया गया है. वे मत्स्य विभाग के तत्वावधान में गंबूसिया मछली पालने जैसे कार्यक्रम करना चाहते हैं, जहां बहुत अधिक पानी जमा होता है। कार्यक्रम में जिला चिकित्सा अधिकारी रामकृष्ण, जिला पंचायत के अधिकारी, बीसी कल्याण विभाग के अधिकारी, आदिम जाति कल्याण विभाग के अधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी और अन्य लोगों ने भाग लिया और छात्रों को बताया कि बीमारियों की रोकथाम के लिए पर्यावरणीय स्वच्छता के साथ-साथ व्यक्तिगत स्वच्छता भी आवश्यक है।

कांग्रेस को तेलंगाना से बाहर किया जाएगा : मंत्री

निज़ामाबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी, जो कृषि क्षेत्र को 24 घंटे बिजली आपूर्ति नहीं देना चाहती है, को तेलंगाना राज्य से बाहर कर दिया जाना चाहिए। गुरुवार को निज़ामाबाद जिले के मोर्थाड मंडल में विभिन्न कार्यों की आधारशिला रखने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री प्रशांत रेड्डी ने कहा कि उस समय बीआरएस सरकार कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना, रैतु बंधु और के माध्यम से सिंचाई जल सहित विभिन्न सुविधाएं प्रदान कर रही थी। किसानों को रैतु बीमा, कांग्रेस पार्टी सरकार की सराहना करने के बजाय किसानों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही थी। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव कृषि क्षेत्र को 24 घंटे बिजली आपूर्ति की सुविधा प्रदान कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नेता मुफ्त बिजली आपूर्ति पर सरकार में दोष ढूंढ रहे हैं और कह रहे हैं कि उनकी पार्टी कृषि क्षेत्र को केवल तीन घंटे बिजली देगी। उन्होंने बताया कि क्या हम किसानों को रात में तीन घंटे बिजली आपूर्ति देने के काले दिन फिर से चाहते हैं? किसानों को कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी के बयान के बारे में भी सोचना चाहिए, जिन्होंने कहा था कि कृषि क्षेत्र को 24 घंटे बिजली आपूर्ति की आवश्यकता नहीं है।

मधुमक्खियों के हमले से कोयला खनिक व अधिकारी घायल

मंचेरियल, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के पांच कोयला खनिक और छह अधिकारी उस समय घायल हो गए जब गुरुवार को बेल्लमपल्ली में शांतिखानी भूमिगत खदान में मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई गई है।

कोयला प्रमुख कंपनी के खनिकों और अधिकारियों को भूमिगत रास्ते में बने छत्ते से जुड़ी मधुमक्खियों ने डंक मार दिया था। उन्हें पहले बेहतर इलाज के लिए बेल्लमपल्ली में एससीसीएल के एक क्षेत्रीय अस्पताल और फिर मंचेरियल के एक अस्पताल में ले जाया गया।

पीड़ितों में कथित तौर पर खदान के एक प्रबंधक, सुरक्षा अधिकारी, एजेंट, दो इंजीनियर, फिटर और इलेक्ट्रीशियन शामिल थे। घटना के समय खनिक अधिकारियों की एक टीम की मदद कर रहे थे जो सतह से खदान में जाने के लिए इस्तेमाल किए गए शाफ्ट का निरीक्षण कर रहे थे। तेलंगाना बोग्गू गनी कार्मिक संघ (टीजीबीकेएस) के नेताओं और स्थानीय विधायक दुर्गम चिन्नैया ने क्षेत्र के अस्पताल का दौरा किया।

मेडिकल छात्र ने दे दी जान

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिकल कोर्स कर रहे एक छात्र की बुधवार रात शहर के मधुरनगर स्थित अपने घर में आत्महत्या से मौत हो गई। जिदी जगदीश (21) नाम का व्यक्ति जवाहरनगर में रहता था और अमीरपर के एक कॉलेज से बीएएमएस का कोर्स कर रहा था। बुधवार की रात, वह अपने कमरे में गया और कथित तौर पर रस्सी का उपयोग करके छत के पंखे से लटक गया। बुधवार को जगदीश की फोन पर किसी व्यक्ति से बहस हुई थी और बाद में वह इस घटना से उदास लग रहा था। मधुरानगर पुलिस ने कहा कि हो सकता है कि उसने इस पर अपना जीवन समाप्त कर लिया हो। सूचना पर मधुरानगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

चंद्रयान-3 वैश्विक क्षेत्र में भारत की लंबी छलांग की शुरुआत करेगा : जितेंद्र सिंह

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री, पीएमओ, अंतरिक्ष विभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि कोविड वैक्सीन के बाद चंद्रयान-3 लॉन्च किया जाएगा। वैश्विक क्षेत्र में भारत की लंबी छलांग की शुरुआत और भारत की कोविड वैक्सीन की सफलता की कहानी के बाद यह चंद्रयान-3 मिशन है, जो न केवल भारत की स्वदेशी क्षमताओं को दोहराएगा बल्कि भारत को एक वैश्विक खिलाड़ी के रूप में मजबूती से स्थापित करेगा।

यहां 11वें इंडिया अलायंस एनुअल कॉन्क्लेव 2023 में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि कल चंद्रयान-3 के लॉन्च की पूर्व संध्या पर आयोजित होने वाला इंडो-यूके साइंस कॉन्क्लेव साबित करता है कि विकसित देश कई देशों में भारत की साझेदारी की मांग कर रहे हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्र। उन्होंने कहा कि इंडिया अलायंस भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के बीच एक अनूठी साझेदारी है। भारत और वेलकम ट्रस्ट, यूके का ध्यान भारत में ऐसे पैमाने पर मजबूत, विश्व स्तरीय, बायोमेडिकल अनुसंधान मानव संसाधन बनाने पर है, जहां देश वैश्विक प्रभाव डाल सके।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, पिछले 15 वर्षों में इंडिया एलायंस की प्रभाव यात्रा ने भारत के अनुसंधान और वित्त पोषण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत किया है और देश में बायोमेडिकल और नैदानिक अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में प्रभावशाली बदलाव लाने के लिए सफल कार्यान्वयन और हस्तक्षेप को सक्षम किया है। उन्होंने बताया कि 2019 में, 10 साल पूरे होने पर, इंडिया एलायंस ने अंतःविषय और सहयोगात्मक अनुसंधान की आवश्यकता वाले आधुनिक समाज की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए टीम साइंस ग्रांट और क्लिनिकल/सार्वजनिक स्वास्थ्य अनुसंधान केंद्र लॉन्च किए। सिंह ने दोहराया कि इस साल, इंडिया एलायंस डीबीटी, भारत सरकार और वेलकम ट्रस्ट के बीच एक सफल साझेदारी के 15 साल पूरे कर रहा है। उन्होंने कहा, इंडिया एलायंस ने भारतीय अनुसंधान संस्थानों में अनुसंधान प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण में भी निवेश किया है, जो भारत के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। इंडिया एलायंस ने अपने अखिल भारतीय दृष्टिकोण से 589 से अधिक अनुसंधान वैज्ञानिकों को लाभान्वित किया है और पूरे भारत के 48 शहरों में 137 विभिन्न संगठनों को वित्त पोषित किया है।

नेल्लोर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी हिस्से में सब-वे का आधा निर्माण पूरा

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रेल उपयोगकर्ताओं की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए, ग्रैंड ट्रंक मार्ग में स्थित नेल्लोर स्टेशन को सुरुचिपूर्ण सुविधाओं के साथ विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए उन्नत किया जा रहा है। एससीआर द्वारा किए गए ये उन्नयन कार्य पूरे जोरों पर चल रहे हैं। स्टेशन पुनर्विकास कार्य ईपीसी मोड के तहत मेसर्स को सौंपा गया है। एससीएल इंफ्राटेक लिमिटेड, हैदराबाद और इसे मई, 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है। स्टेशन उन्नयन के पहले चरण में, साइट कार्यालयों, कंक्रीट परीक्षण प्रयोगशाला, सामग्रियों के ढेर के लिए भंडारण शेड की स्थापना पहले ही पूरी हो चुकी है। नए स्टेशन भवन के डिजाइन की आईआईटी-मद्रास द्वारा प्रूफ-चेक की गई है। रेलवे कोर्ट और जीआरपी कार्यालयों के लिए अस्थायी शेड का निर्माण कर संबंधित विभागों को सौंप दिया गया है। पश्चिम की ओर एक नई इमारत का निर्माण किया जा रहा है, जबकि पूर्व की ओर की इमारत का विस्तार रेल उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं के अनुरूप किया जा रहा है। इसके साथ ही दोनों भवनों का नवीनीकरण और अग्रभाग में सुधार भी किया जाएगा। तदनुसार, अब दूसरे चरण में, ईस्ट साइड बिल्डिंग की नींव और फुटिंग्स का कंक्रीटिंग पूरा हो गया है। भूतल के स्तंभों की कंक्रीटिंग का काम भी पूरा हो गया है। पश्चिम दिशा में पुरानी संरचनाओं को तोड़ने का काम पूरा हो गया है। नए स्टेशन भवन के लिए खुदाई और ग्राउंड फ्लोर के स्तंभों की कंक्रीटिंग गुडूर छोर पर पूरी हो चुकी है, जबकि दूसरी तरफ यानी विजयवाड़ा छोर पर काम प्रगति पर है। पूर्व दिशा में पीएफ 4 और पश्चिम दिशा में पीएफ-1 पर एयर कॉनकोर्स के लिए नींव की कंक्रीटिंग का काम पूरा हो चुका है, जबकि पीएफ 2 और 3 में काम प्रगति पर है। उन्नयन के हिस्से के रूप में, सभी चार प्लेफार्मों को जोड़ने वाले 36 मीटर चौड़े एयर कॉनकोर्स का निर्माण और मौजूदा सबवे का पूर्व और पश्चिम दोनों दिशाओं में विस्तार करके इसे प्लेटफॉर्म नंबर चार और दोनों तरफ आगमन कॉनकोर्स क्षेत्रों से जोड़ा जा रहा है। इसके हिस्से के रूप में, पीएफ 4 की ओर सबवे के निष्पादन के लिए ट्रैक में आरएच गर्डर डाले गए थे और सबवे निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है। इसके अलावा, पानी की आवश्यकताओं के लिए 6 लाख लीटर भंडारण क्षमता वाले ग्राउंड लेवल जलाशय का निर्माण पूरा हो गया है। स्थायी न्यायालय भवन के संबंध में ईंट निर्माण का कार्य प्रगति पर है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने कहा है कि नेल्लोर में किए गए उन्नयन कार्यों की नियमित अंतराल पर निगरानी की जा रही है क्योंकि यह स्टेशन महत्वपूर्ण ग्रैंड ट्रंक मार्ग पर स्थित है। सभी सुविधाओं और विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ स्टेशन का पुनर्विकास पूरा हो जाने पर रेल उपयोगकर्ताओं को निर्बाध अनुभव होगा।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No JC-278206N Rank Sub Name Sekhar Badditi S/o Late Shri B Sundara Rao 44 RPA Flt/207 Army Avn Sqn (UH) C/o 56 APO declare that my wife Badditi Nirmala Devi whose date of birth written as 15-05-1980 in my service record which is wrong her correct date of birth is 03-10-1980 as per Adhar Card, Pan Card.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

माओवादी नेता ने एपी पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया

विजयवाड़ा, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पांच लाख के इनामी एक माओवादी नेता ने एपी पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इससे माओवादियों को करारा झटका लगा है। माओवादी नेता मदकम देवा उर्फ भगत ने एपी पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उसके सिर पर 5 लाख रुपये का इनाम है। 42 वर्षीय देवा पीएलजीए फोर्स के प्लाटून कमांडर हैं। देवा गुतिकोया जनजाति से हैं और छत्तीसगढ़ राज्य के सुकमा जिले के रहने वाले हैं। खुद को सरेंडर करने की पृष्ठभूमि में उन्हें सरेंडर-पुनर्वास योजना के तहत 5 लाख रुपये के इनाम के साथ कई सुविधाएं दी जाएंगी। इस पर एपी के डीजीपी केवी राजेंद्रनाथ रेड्डी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने माओवादियों से आत्मसमर्पण कर जीवन की मुख्यधारा में शामिल होने का आह्वान किया। सरकार द्वारा लागू आत्मसमर्पण-पुनर्वास योजना के तहत उन्हें सुविधाएं प्राप्त करने और शांतिपूर्ण जीवन जीने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि सरकार आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को सहयोग करेगी।

धर्म की नगरी काशी में होगा

दुनिया के मंदिरों के प्रमुखों का सम्मलेन, मोहन भागवत करेंगे उद्घाटन

वाराणसी, 13 जुलाई (एजेंसियां)। देश और दुनिया के बड़े मंदिरों का सम्मलेन धर्म की नगरी काशी में आगामी 22 से 24 जुलाई के बीच संपन्न होगा। इस सम्मलेन का उद्घाटन आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत उद्घाटन करेंगे। इस सम्मेलन में 26 देशों के 450 से जयदा मंदिरों के प्रमुख हिस्सा लेंगे। इसमें सिर्फ सनातन धर्म ही नहीं बल्कि सिख, बौद्ध और जैन धर्म के मठ, मंदिरों और गुरूद्वारे के पदाधिकारी शामिल होंगे।

टेंपल कनेक्ट करवा रहा है आयोजन

टेंपल कनेक्ट के संस्थापक गिरेश कुलकर्णी ने बताया कि टेंपल कनेक्ट की तरफ से पहले बार इंटरनेशनल टेम्पल्स कन्वेंशन एन्ड एक्सपो (आईटीसीएक्स) का आयोजना वाराणसी में किया जा रहा है। इसमें मंदिर प्रबंधन, संचालन एवं प्रशासन के विकास और सशक्तिकरण पर चर्चा की जाएगी। पूरे विष्कव में पूजा स्थल प्रधान की टीमों के लिए सर्वश्रेष्ठ कार्यपद्धति विकसित की जाएगी। आईटीसीएक्स की को क्यूरेटर मेघा घोष ने बताया कि स्थापना के साथ ही मंदिर के विकास व उसे सक्षम बनाने की मुहीम आगे बढ़ाई जाएगी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम तीन दिवसीय है और अतुल्य भारत अभियान का हिस्सा है। इसमें पर्यटन मंत्रालय भी सहयोग कर रहा है। इस सम्मेलन में तीर्थयात्रियों के अनुभव, भीड़ प्रबंधन, ठोस कचरा प्रबंधन और बुनियादी सेवाओं के विस्तार में सुधार जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

ये प्रतिनिधि करेंगे सम्मलेन के सत्रों को संचालित

धर्म की नगरी काशी में होने वाले इस धार्मिक भव्य तीन दिवसीय आयोजन में होने वाले विभिन्न सत्रों को काशी विश्वनाथ मंदिर, महाकाल ज्योतिर्लिंग, अयोध्या राम मंदिर, पटना साहेब गुरुद्वारा, चिदंबरम मंदिर और विरुपक्ष मंदिर हम्पी के प्रतिनिधि संचालित करेंगे।

'एक हाथ में जाम तो दूसरे में कबाब', सरकारी ऑफिस में ऐसी दारू पार्टी देखी न होगी

अमेठी, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमेठी में सरकारी पशु चिकित्सा ऑफिस से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनने के बाद हर कोई कह रहा है कि सरकारी ऑफिस अब अय्याशी का अड्डा बन कर रह गया है और अधिकारी और कर्मचारियों में कानून का डर खत्म हो गया है। दरअसल अमेठी के भेटुआ पशु चिकित्सालाय में देखने को मिला है कि यहां एक कर्मचारी ऑफिस में अपने साथी के साथ जाम छलका रहा है। पूरा मामला अमेठी कोतवाली क्षेत्र के भेटुआ ब्लाक परिसर में स्थिति पशु चिकित्सालय का है। यहां बीती शाम अस्पताल में काम करने वाला कर्मचारी दिनेश कुमार जो कि पैराबेट के पद पर तैनात है।

अपने साथी के साथ मिलकर ऑफिस में ही मांस और शराब की पार्टी कर रहा था। जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर जो देखा गया वो शर्मसार करने वाले था। कर्मचारी ऑफिस के अंदर बैठकर ही शराब और मांस खा रहा था। इस पूरे मामले को कैमरे में कैद कर लिया गया।

वीडियो में साफ दिख रहा है कि ऑफिस की मेज पर मांस की प्लेट सजी है और कैमरा देखते ही शराब को लोगों ने कुर्सी के नीचे छुपा दिया। बावजूद इसके ये पूरा वाकया कैमरे में कैद हो गया। हद तो तब हो गई जब कैमरा पहुंचने के बाद भी इनकी पार्टी चलती रही।

जिसके बाद इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को देने की कोशिश की गई लेकिन फोन नहीं लगा। जब इस पूरे मामले को लेकर पशु चिकित्सा अधिकारी जी बी सिंह से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद मामले कार्यवाई की जाएगी।

बिहार में पटना हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश पर बंद कराई गई जातीय जनगणना की प्रक्रिया का आगे क्या होगा?

नीतीश के ड्रीम प्रोजेक्ट का अब क्या? सुप्रीम कोर्ट में आज तारीख, हाईकोर्ट से फैसला नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील पर 14 जुलाई की तारीख दी थी।
अबतक हाईकोर्ट का अंतिम फैसला नहीं आया है।

पटना, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में जाति आधारित जनगणना की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी या रुकी रहेगी? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और महागठबंधन सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट का क्या होगा? जाति जनगणना तो होकर रहेगी- कहने वाले राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के दावे का क्या होगा? बिहार के सत्ता-प्रतिपक्ष के लगभग तमाम राजनीतिक दलों ने जाति जन-गणना में हामी भरी थी, लेकिन आमजनों के समूह ने इसे कोर्ट में चैलेंज किया और इसपर अंतरिम रोक लग गई। तो अब आगे क्या होगा? यह सवाल आज इसलिए, क्योंकि आज शुक्रवार को देश के सर्वोच्च न्यायालय में इसकी सुनवाई की तारीख है और अबतक पटना हाईकोर्ट ने इसपर अंतिम फैसला नहीं दिया है।

अंतरिम फैसले पर सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं

राज्य सरकार के अनुसार यह जाति आधारित सर्वे है, जिसमें जानकारी देना बाध्यकारी नहीं है। दूसरी ओर, इसके खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई के बाद पटना हाईकोर्ट ने 04 मई 2023 को अंतरिम आदेश में लिखा था कि पहली नजर में यह जाति के आधार पर जन-गणना लग रही है, जिसका अधिकार राज्य को नहीं है। चीफ जस्टिस के विनोद चन्द्रन व जस्टिस मधुरेश प्रसाद की खंडपीठ ने अंतरिम रोक लगाते हुए मामले में दायर याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 3 जुलाई 2023 की तिथि निर्धारित की थी। सुप्रीम कोर्ट ने भी पटना हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। साथ ही मामले की सुनवाई हेतु पटना हाई कोर्ट के समक्ष भेज दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे पहली नजर में जन-गणना कहा गया, लेकिन आदेश यह दिया गया कि पहले हाईकोर्ट अंतिम फैसले के लिए सुनवाई कर ले, फिर 14 जुलाई को सुनवाई करेंगे।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद ही सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

14 जुलाई आज ही है, लेकिन हाईकोर्ट ने अंतिम फैसला नहीं सुनाया है। ऐसे में वरीय विधि विशेषज्ञों का मानना है कि सुप्रीम कोर्ट से तारीख बढ़ाई जाएगी, क्योंकि पटना हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार 13 जुलाई के पहले सुनवाई पूरी कर ली है। फैसला सुरक्षित है, इसलिए अब यहां फैसला आने के बाद ही सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी।

पटना हाईकोर्ट में क्या हुआ, यह जानना रोचक

पटना हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस के विनोद चंद्रन व जस्टिस पार्थ सारथी की खंडपीठ के समक्ष 03 जुलाई को अंतरिम फैसले से आगे की सुनवाई शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने पहले दिन याचिकाकर्ता का पक्ष रखते हुए कहा कि यह आधार एक्ट, गोपनीयता व निजता का उल्लंघन है। आगे बताया कि यह सर्वे के आड़ में जनगणना है। जाति की परिभाषा नहीं। 1931 के जनगणना में भी कहा गया था कि जाति कोई कानूनी शब्द नहीं है। जाति नहीं बताने का भी विकल्प है। उन्होंने दलील रखी कि यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन है। अगले दिन, सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अभिनव श्रीवास्तव ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार जाति और आर्थिक सर्वेक्षण करा रही है। उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण कराने का यह अधिकार राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र के बाहर है।

सरकार की दलील भी रोचक रही हाईकोर्ट में

दो दिनों तक याचिकाकर्ता का पक्ष सुनने के बाद जब हाईकोर्ट ने सरकार को अपना पक्ष रखने का समय दिया तो राज्य सरकार के महाधिवक्ता पी के शाही ने दलील रखी। महाधिवक्ता ने कहा कि सर्वे का 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। राज्य सरकार ऐसे सर्वे करवाने के लिए लिए सक्षम है। सरकार लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का पता लगाना चाहती है और यही उद्देश्य है ताकि भविष्य में इसका इस्तेमाल किया जा सके। राज्य सरकार द्वारा किये जाने वाला सर्वे जनगणना की तरह नहीं है। सर्वे स्वेच्छा से किया जाने वाला कार्य है। इसमें किसी तरह का दबाव बनाने और धमकी देकर करवाने वाली बात नहीं है। वर्ष 2011 में केंद्र द्वारा जाति आधारित सर्वे करवाया गया, लेकिन इसे जारी नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि सभी वर्ग के लोग अपनी- अपनी जाति के संबंध में जाति का आंकड़े का दावा करते हैं, इसलिए इस सर्वे से सही स्थिति का पता लगेगा ताकि इनके लाभ के लिए योजनाएं बनाई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि जो आंकड़ा राज्य सरकार इकट्ठा करना चाहती है, वह किसी न किसी रूप में पब्लिक डोमेन में है और यह किसी के अधिकार और कानून में हस्तक्षेप करने वाला नहीं है।

बीजेपी के विधानसभा मार्च को सीएम नीतीश की पार्टी ने बताया नौटंकी

लपेटे में लेते हुए पूछ लिए जनहित के सवाल

पटना, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में लागू नई शिक्षक बहाली नियमावली, तेजस्वी यादव से इस्तीफा, 10 लाख लोगों को नौकरी आदि मुद्दों को लेकर आज गुरुवार को बीजेपी ने गांधी मैदान से विधानसभा मार्च निकाला है। इस मार्च को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने नौटंकी बताया है। जेडीयू के प्रवक्ता अभिषेक झा ने गुरुवार को बयान देते हुए हमला बोला और केंद्र सरकार को भी घेरा। जेडीयू प्रवक्ता अभिषेक झा ने कहा कि यह बिहार का दुर्भाग्य है कि बिहार में बीजेपी के रूप में एक नकारात्मक विपक्ष है जिसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता ओछी और घटिया राजनीति करना है। सदन जनता के पैसों से जनता के लिए चलता है और सदन में जनता से जुड़े मुद्दों का हल होना चाहिए। बीजेपी के लोग सकारात्मक विपक्ष के रूप में अपने सवाल सदन में उठा सकते थे

लेकिन विधानसभा मार्च के माध्यम से यह लोग राजनीतिक नौटंकी को बढ़ावा दे रहे हैं। सड़कों पर लोटपोट कर प्रदर्शन करेंगे।

बिहार बीजेपी के नेताओं को चुनौती है कि केंद्र की सरकार से बिहार के हक का सवाल पूछें।

बिहार को विशेष राज्य का दर्जा कब मिलेगा?
पटना यूनिवर्सिटी को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा कब मिलेगा?
दरभंगा एम्स और पूर्णिया एयरपोर्ट का मसला कब हल होगा?
बेरोजगारी और महंगाई कब दूर होगी?
गरीबों के खाते में पैसे कब आएंगे?

'असली चेहरे और चरित्र को पहचान चुकी है जनता'

अभिषेक झा ने कहा कि बिहार बीजेपी के नेताओं में इतनी हिम्मत नहीं है कि अपने आलाकमान को नाराज कर सकें इसलिए इस तरह की राजनीतिक नौटंकी कर रहे हैं। बिहार की जनता इनके असली चेहरे और चरित्र को पहचान चुकी है और आने वाले चुनाव में इनका सूपड़ा साफ कर देगी।

इंतजार करती रही दुल्हन शादीशुदा निकला बड़ा भाई छोटे से तय हुआ रिश्ता, पर वो बरात नहीं लाया

बदायूं, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बदायूं के कुंवरगांव थाना इलाके में पहले बड़े भाई का रिश्ता तय हुआ। उसके शादीशुदा होने की बात सामने आने पर रिश्तेदारों ने छोटे भाई के साथ लड़की का रिश्ता तय कर दिया। अब परिवार वालों ने इतना दहेज मांगा कि लड़की वाले नहीं दे सके। ऐसे में छोटा भाई भी बरात लेकर नहीं आया। लड़की के पिता ने दो भाइयों समेत तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के गांव फुलवाय निवासी अशफाक ने कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव भैंसामई निवासी तारिक, उसके बड़े भाई मोहम्मद कय्यूम और मां साबिरा बेगम के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया है। अशफाक का आरोप है कि उन्होंने आठ माह पहले मोहम्मद कय्यूम के साथ अपनी बेटी का रिश्ता तय किया था। जिसमें 50 ग्राम सोना, तीन लाख रुपये, 36 जोड़ी कपड़े दिए थे।

दुधवा में आपसी लड़ाई और संक्रमण के कारण हुई थी चार बाघों की मौत

पीएम रिपोर्ट में कई खामियां उजागर

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के दुधवा टाइगर रिजर्व में दो महीने के अंदर मरे चार बाघों की पोस्टमॉर्टम जांच रिपोर्ट से उनकी मौत की वजह का खुलासा हो गया है। एक वन अधिकारी ने कहा कि 21 अप्रैल, 2023 और 9 जून, 2023 के बीच चार वयस्क बाघों-तीन नर और एक मादा- की कथित तौर पर विभिन्न कारणों से मौत हो गई थी। इस घटना ने यूपी सरकार को जांच शुरू करने और जिम्मेदार अधिकारियों को स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया। प्राथमिक जांच में जंगली बिल्लियों की गश्त और निगरानी में खामियां सामने आईं। बरेली मंडल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शव परीक्षण से पता चलता है कि मौतें प्राकृतिक कारणों से हुईं न कि किसी परिस्थितियां अथवा अन्य कारणों से। अलग-अलग मामलों में अन्य बाघों से लड़ते समय चोट लगने से दो बाघों की मौत हुई। इस प्रक्रिया में अन्य बाघ घायल हो गए और ठीक होने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। ये झगड़े जंगली जानवरों के प्राकृतिक गुणों का हिस्सा थे। बाघ क्षेत्रीय हैं और अक्सर विवाद होते रहते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि इन बाघों के बीच लड़ाई नर मादा में संबंध स्थापित करने अथवा इलाके पर कब्जा करने को लेकर उत्पन्न हुई, परिणामस्वरूप झड़पें हुईं और अंततः चोटों के कारण मौतें हुईं। अधिकारियों के अनुसार अन्य दो बाघों की मौत संक्रमण के कारण हुई बागों में संक्रमण होता है खासकर जब उनकी प्रतिरक्षा कमजोर होती है या वायरल संक्रमण से पीड़ित होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है की बाघों के संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया गया, परिणामस्वरूप मौतें हुईं। सभी बाघ वयस्क थे और अपने चरम पर थे। साथ ही अपना वंश बढ़ाने के लिए आतुर भी थे। जांच रिपोर्ट में प्रशासन की कई खामियां भी उजागर हुईं। रिपोर्ट में टाइगर रिजर्व में फील्ड स्टाफ की कमी और गश्त की कमी को भी उजागर किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि बाघों की मौतों के बाद से स्टाफ बढ़ाना प्राथमिकता है। कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के लिए नए रेंज अधिकारियों का एक समूह नियुक्त किया गया है। हालांकि तुलनात्मक रूप से कम अधीनस्थ वन रक्षक हैं और रिक्त पदों को जल्द भरने का प्रयास किया जा रहा है।

200 से अधिक कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी

वर्तमान में टाइगर रिजर्व कुल कर्मचारियों की 40-45 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रहा है। अधिकारियों ने कहा, हमें उम्मीद है कि पदों को भरने और बाघ अभयारण्य को कुशलतापूर्वक संचालित करने के लिए 200 से अधिक कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। टाइगर रिजर्व का हिस्सा दुधवा नेशनल पार्क फिलहाल मानसून के कारण बंद है। इसके बावजूद बाघों की सुरक्षा के लिए गश्त जोरों पर जारी है।

चंद्रशेखर आजाद ने बीएसपी सुप्रीमो मायावती को बताया राजनीतिक गुरु

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटीं बसपा प्रमुख मायावती ने दिल्ली को डेरा बना लिया है. माना जा रहा है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के बढ़ते प्रभाव से मायावती चिंतित हैं.

सवाल पूछे जाने पर चंद्रशेखर आजाद ने मायावती की लंबी उम्र की कामना की. उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रभाव सफल उसी वक्त माना जाएगा जब दलितों का उत्थान होगा. उन्होंने बहुजन आंदोलन बढ़ाने में मायावती से आशीर्वाद मांगा. बता दें कि मायावती और चंद्रशेखर आजाद बहुजन समाज के अधिकारों की लड़ाई का दावा करते हैं. ऐसे में अलग-अलग धुरी बनाकर क्या बहुजन समाज के अधिकार की लड़ाई जीती जा सकती है?

मायावती की राजनीति से सीख रहे चंद्रशेखर आजाद

दिल्ली में बड़ा आंदोलन खड़ा करने का किया एलान

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि दूर रहकर भी मायावती से सीख रहा हूं. अलग-अलग होने के बावजूद उन्होंने विचारधारा में एक साथ होने की बात कही. नाइंसाफी के खिलाफ मायावती की लड़ाई और संघर्ष की सराहना करते हुए भीम आर्मी प्रमुख ने कहा कि महिला होने के नाते रास्ता आसान नहीं था. उन्होंने मायावती को गुरु के तौर पर आदर देने की बात कही. बहुजन की राजनीति पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि प्रयास जारी है. उन्होंने दिल्ली में बड़ा आंदोलन करने की बात कही.

बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए भीम आर्मी प्रमुख ने कहा कि सामाजिक कार्यकर्ताओं पर हमले करवाए जा रहे हैं. विपक्षी नेताओं पर ईडी और सीबीआई को छोड़ा जा रहा है. उन्होंने बताया कि जंतर मंतर पर होने वाली रैली में बीजेपी सरकार के हमलों का जवाब दिया जाएगा. रैली में शिरकत करने की विपक्षी नेताओं से उन्होंने अपील की. बहुजन की राजनीति में आकाश आनंद को बढ़ावा मिलने पर भीम आर्मी प्रमुख को आपत्ति नहीं है. उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ संघर्ष का रास्ता आसान नहीं होता है.

यूपी के इन जिलों में बाढ़ का खतरा, प्रशासन ने शुरू की तैयारी

लखनऊ, 13 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में दक्षिण-पश्चिमी मानसून की सक्रियता बनी हुई है। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान अनेक स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने अगले छह दिनों तक प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया है। आंचलिक मौसम केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर बारिश हुई, इस दौरान एल्गिन ब्रिज (बाराबंकी) में सबसे ज्यादा 26 सेंटीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा कैसरगंज (बहराइच) में 21 सेंटीमीटर, रामनगर (बाराबंकी) में 15, हैदरगढ़ (बाराबंकी) में 14, सिरौलीगौसपुर (बाराबंकी) में 13, फतेहपुर (बाराबंकी) में 12, कर्नलगंज (गोंडा) में 11, कन्नौज में नौ, घोरावल (सोनभद्र) और चांदपुर (बिजनौर) में सात-सात, कन्नौज, बाराबंकी, बिलारी (मुरादाबाद) और नौगांवा सादात (अमरोहा) में छह-छह सेंटीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। मौसम केंद्र लखनऊ की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में आगामी 18 जुलाई तक कई स्थानों पर बारिश होने का अनुमान है। कुछ क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा भी हो सकती है।

आईएएस हों तो ऐसे; बिहार निवासी रविंद्र कुमार ने दो बार की एवरेस्ट की चढ़ाई

छह सालों तक रहे मर्चेंट नेवी ऑफिसर

बेगूसराय, 13 जुलाई (एजेंसियां)। नई दिल्ली के श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में दो दिन पहले 'संकल्प' द्वारा 'गुरु सम्मान एवं सिविल सेवा परीक्षा 2022' का आयोजन किया गया। आयोजन में उत्तर प्रदेश के झांसी के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार की एवरेस्ट यात्रा पर बनाई गई कॉफी टेबल बुक का विमोचन हुआ। इसके साथ ही बेगूसराय निवासी ये विशिष्ट आइएएस पदाधिकारी फिर से राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गए।

बेगूसराय निवासी आइएएस अधिकारी रविंद्र कुमार

काफी कम लोगों को पता होगा कि नेपाल एवं तिब्बत दो अलग-अलग मार्गों से माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले चंद भारतीयों में से एक और देश के एकमात्र आइएएस अधिकारी मूल रूप से बिहार के बेगूसराय निवासी हैं। इनका जन्म और पालन-पोषण बेगूसराय जिले के चेरिया बरियारपुर प्रखंड के बसही गांव में हुआ था। इनके लोक-हितैषी प्रयासों के अलावा, इनका एक नाविक से लेकर एक आइएएस अधिकारी, फिर एक पर्वतारोही तक का साहसिक करियर रहा है। ये अच्छे लेखक भी हैं। इन्होंने विश्व के सर्वोच्च शिखर से केंद्र सरकार के स्वच्छ भारत अभियान एवं नमामि गंगे की पताका को माउंट एवरेस्ट की चोटी तक पहुंचाया है। एवरेस्ट की चोटी पर गंगा जल अर्पण कर विश्व के लोगों से 'जल बचाओ' की अपील भी की है।

दो बार की एवरेस्ट की चढ़ाई

सिक्किम में पदस्थापन के दौरान रविंद्र कठिन प्रशिक्षण, दृढ़ निश्चय, सकारात्मक सोच के बल पर पहले ही प्रयास में 19 मई 2013 को विश्व के सबसे ऊंचे शिखर एवरेस्ट पर पहुंचे। 2015 में एवरेस्ट पर इनकी दूसरी चढ़ाई का उद्देश्य 'स्वच्छ भारत अभियान' के बारे में जागरूकता फैलाना था। इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झंडी भी दिखाई थी। उस अभियान के दौरान उन्होंने 25 अप्रैल 2015 को भूकंप और हिमस्खलन के बाद एवरेस्ट बेस कैंप में खुद को खतरे में डालते हुए कई लोगों की जान बचाई थी।

मर्चेंट नेवी ऑफिसर रहे हैं रविंद्र

रविंद्र ने 1999 में अपने प्रथम प्रयास में ही भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) प्रवेश परीक्षा पास की, लेकिन फिर शिपिंग को करियर बनाने का निर्णय किया। प्रशिक्षण के लिए मुंबई के भारतीय समुद्री विश्वविद्यालय (चाणक्य) में नामांकन लिया। 2002 में नाटिकल साइंस में स्नातक किया। फिर इटली की एक शिपिंग कंपनी फिनावल स्पा में 2002 से 2008 तक मर्चेंट नेवी ऑफिसर रहे।

छह वर्षों में लगभग सभी महासागरों की यात्रा की। इसके बाद जनसेवा के उद्देश्य से यूपीएससी की परीक्षा दी। सितंबर 2011 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल होने पर उन्हें जनवरी 2012 में सिक्किम कैडर आवंटित किया गया। वहां के विभिन्न जिलों में जुलाई 2012 से मई 2016 तक अलग-अलग पदों पर सेवा की। मई 2016 में इनका ट्रांसफर उत्तर प्रदेश कर दिया गया।

सराहनीय पहल, माता-पिता के साथ कैद मासूम का संवरेगा भविष्य, जेलर ने स्कूल में कराया दाखिला

दमोह, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दमोह जिले की हटा उप जेल के जेलर ने एक अनूठी मिसाल पेश की है। जेल में माता पिता के साथ चार दिवारी में कैद रहने वाली मासूम बच्ची का जेलर ने अपने बच्चों के साथ स्कूल में दाखिला करवाया है। बच्ची जेल से ही रोज स्कूल जाती है और वापस जेल में ही आ जाती है। जेलर के इस अनोखे काम की सभी लोग काफी सराहना कर रहे हैं। दरअसल हटा अनुविभाग में रहने वाले प्रहलाद लोधी और उसकी पत्नी हटा उपजेल में धारा 302, 304, 498 में तीन साल से बंद हैं। इनके साथ इनकी एक वर्ष की बेटी जेल में साथ आई थी, क्योंकि घर पर कोई देखभाल करने वाला नहीं था और अब बेटी चार वर्ष की हो गई है। बीते दिनों जेलर की उस बच्ची पर नजर पड़ी तो उन्होंने उसे पढ़ाने की इच्छा जाहिर की। इसके बाद शासन से अनुमति लेकर उसका दाखिला हटा के प्रतिष्ठित निजी स्कूल में कराया गया। अब मासूम बच्ची जेल से स्कूल जाती है। जेलर नागेंद्र चौधरी ने बताया कि 10 जुलाई को जेल के निरीक्षण के दौरान वह इस बालिका से वह मिले थे। उन्होंने मासूम से स्कूल में पढ़ने की इच्छा जानी तो उसने हां कहकर सिर हिला दिया, लेकिन उसे जेल से अपनी मर्जी से सीधे किसी स्कूल भेज देना जेल मैनुअल के हिसाब से उचित नहीं था। बेटी की इच्छा का सम्मान करते हुए जेलर ने सबसे पहले उसके माता-पिता आरती एवं प्रहलाद लोधी से उनकी सहमति प्राप्त की। इसके बाद पूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए न्यायालय से अनुमति प्राप्त की और अपने स्वयं के बच्चों के साथ उसका नाम नगर के प्रतिष्ठित स्कूल में लिखवा दिया।

भाजपा मप्र में चार जोन में निकालेगी विजय संकल्प यात्राएं, नरेंद्र सिंह तोमर को मिली बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव को प्रदेश का चुनाव अभियान का प्रभारी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को चुनाव अभियान का सह प्रभारी बनाए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को चुनाव अभियान समिति की बड़ी जिम्मेदारी देने की तैयारी है। तोमर को चुनाव अभियान समिति की कमान सौंपने का निर्णय मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भोपाल में भाजपा नेताओं के साथ की गई बैठक में ही हो गया था। इसी कारण मंगलवार को केंद्रीय मंत्री तोमर भोपाल में रुककर दिन में भाजपा के आधा दर्जन बड़े नेताओं के साथ बैठक की है। शाम को केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी भोपाल पहुंचे और पार्टी की बैठक में शामिल हुए। प्रदेश भाजपा कार्यालय में बुधवार देर शाम हुई बैठक में चार जोन बनाकर विजय संकल्प यात्राएं निकालने के प्रारूप और चुनावी समितियों के नामों को लेकर चर्चा की गई। हालांकि 15 से 17 जुलाई को होने वाली बैठक में सभी निर्णय को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस बैठक में शामिल होने प्रदेश के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव और सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव भोपाल आएंगे।

सिंधिया और विजयवर्गीय को बड़ी जिम्मेदारी

अमित शाह द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन की कार्य योजना बनाने को लेकर बैठक में पार्टी के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और केंद्रीय मंत्री सिंधिया को चुनाव अभियान में अहम रोल देने का निर्णय भी लिया गया है। साथ ही बैठक में सिंधिया को प्रदेश में ज्यादा सक्रिय होने को कहा गया है। भाजपा के सूत्रों के अनुसार बुधवार को कोर ग्रुप की बैठक में चुनाव प्रबंधन समिति, चुनाव अभियान समिति और चुनाव प्रचार समिति के नामों को लेकर चर्चा की गई है। अब इसे भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, सीएम शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और संगठन महामंत्री हितानंद बैठक कर अंतिम रूप देंगे।

जानकारी के अनुसार विजय संकल्प यात्रा को लेकर दो प्रारूप पर चर्चा की जा रही है। इसमें एक प्रारूप में एक साथ अलग-अलग क्षेत्र में प्रभाव रखने वाले विजय संकल्प यात्रा निकालेंगे। वहीं, सीएम यात्रा के बड़े शहरों के कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं, दूसरे प्रारूप में एक क्षेत्र से यात्रा प्रारंभ होगी।

जो दूसरे क्षेत्र में प्रवेश करेगी। क्षेत्र के अनुसार नेताओं को यात्रा की जिम्मेदारी सौंप दी जाएगी। इसमें भी सीएम और प्रदेश अध्यक्ष बड़े शहरों के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सूत्रों के अनुसार दूसरा प्रारूप पर करीब करीब सहमति बन गई है। चार जोन में मालवा-निमाड़, बुंदेलखड-विंध्य-महाकौशल, मध्य भारत और ग्वालियर-चंबल अंचल में बांटा जा सकता है।

कमलनाथ का मोबाइल हैक कर कांग्रेस नेताओं से मांगे 10 लाख रुपए

गोविंद गोयल ने चाय पिलाकर पकड़ा दिया

भोपाल, 13 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में साइबर ठगों के हौसले इतने बुलंद है कि वह पूर्व मुख्यमंत्री के नाम पर ठगी कर रहे हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश पूर्व सीएम कमलनाथ के नंबर को हैक कर आरोपियों ने कांग्रेस नेताओं को फोन कर आरोपियों ने 10 लाख की मांग की। जब कांग्रेस नेता को इस पर संदेह हुआ तो उन्होंने आरोपियों को पकड़ने के लिए योजना तैयार की। इस मामले में भोपाल क्राइम ब्रांच ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। बता दे आरोपियों ने कांग्रेस नेता गोविंद गोयल को कॉल कर पैसे मांगे थे। आरोपियों के नाम सागर सिंह परमार (27) और पिंटू परमार (25) हैं। दोनों आरोपी गुजरात के मेहसाणा के रहने वाले हैं। कांग्रेस नेता गोविंद गोयल ने पुलिस को बताया कि बुधवार दोपहर करीब 1:15 बजे उनके मोबाइल पर कॉल आया। गोयल का दावा है कि कॉल जिस नंबर से आया था, वह पीसीसी चीफ कमलनाथ का नंबर था। आरोपियों ने खुद को कमलनाथ का पीएसओ बताया। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जी बिजी हैं। उन्हें पांच लाख रुपए अर्जेंट में चाहिए। संदेह होने पर उन्होंने थोड़ी देर में कॉल करने की बात कही।

पकड़ने के लिए बंगले पर चाय पिलाने बुलाया

कांग्रेस नेता ने संदेह होने पर कमलनाथ से फोन पर बात की। उन्होंने ऐसी किसी जरूरत से इनकार कर दिया। थोड़ी देर बाद आरोपियों का दोबारा कॉल आया। गोविंद गोयल ने आरोपियों को पकड़ने के इरादे से बंगले पर बुलाया। दो युवक करीब साढ़े तीन बजे गोविंद गोयल के बंगले पर पहुंचे। जहां उन्हें बैठाकर चाय पिलाई। इस बीच क्राइम ब्रांच को भी मामले की जानकारी दे दी। करीब एक घंटे तक आरोपियों को बातों में उलझाकर रखा। बातचीत के दौरान उनकी बातें संदिग्ध लग रही थीं। दोनों युवकों की उम्र 22 से 25 साल के बीच है। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम भी आ गई। टीम ने दोनों को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने इसके अलावा विधायक सतीश सिकरवार, इंदौर के कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक सिंह को भी कॉल कर रूपये की डिमांड की हैं।

बृजभूषण की बढ़ीं मुश्किलें: महिला पहलवानों के कोच भाजपा सांसद को दिला सकते हैं सजा

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ पुलिस के पास दो ऐसे गवाह हैं जो उन्हें सजा दिला सकते हैं। दोनों पीड़ित पहलवानों के कोच हैं। कोच का कहना है कि उन्होंने आरोपी बृजभूषण सिंह को पहलवान के साथ छेड़छाड़ व सेक्सुअल फेवर मांगते देखा। उस समय वह डब्ल्यूएफआई कार्यालय में पीड़ित पहलवान के साथ थे। पुलिस ने दोनों को हियरसे (किसी की सुनाई बात पर बयान देना) नहीं माना है। नई दिल्ली जिले की कनॉट प्लेस थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जो चार्जशीट दाखिल की है, उसमें ये बात रखी हैं। पुलिस ने चार्जशीट में इन दोनों कोच को अहम गवाह माना है और ये घटना के प्रत्यक्षदर्शी हैं। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में कहा कि बृजभूषण ने पीड़ित पहलवान (एफआईआर में 2 नंबर पर बयान देनी वाली पहलवान) को डब्ल्यूएफआई कार्यालय बुलाया। उस समय उसके साथ रोहतक, हरियाणा निवासी कोच भी थे। दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट में इस कोच के बयान को प्रमुखता से रखा है। कोच ने बयान दिया कि आरोपी बृजभूषण सिंह ने उसके सामने महिला हलवान के साथ छेड़छाड़ की। आरोपी ने पहलवान से सेक्सुअल फेवर मांगा। दिल्ली पुलिस अधिकारियों का मानना है कि ये कोच बृजभूषण सिंह को सजा दिला सकते हैं। इसके अलावा दूसरी महिला पहलवान के कोच ने कहा है कि वर्ष 2022 में विशाखापट्टनम में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उनकी पहलवान के साथ भेदभाव किया गया। उनकी पहलवान से सेक्सुअल फेवर मांगा गया। सहमति नहीं देने पर महिला पहलवान के साथ भेदभाव किया गया। पुलिस इस कोच के बयान को भी चार्जशीट में प्रमुखता से रखा है। दूसरी तरफ तरफ दिल्ली पुलिस के पत्र का किसी भी देश के कुश्ती फेडरेशन ने अभी तक जवाब नहीं दिया है।

पति ने सब्जी बनाते समय डाल दिए टमाटर

गुस्से से लाल हुई पत्नी चली गई घर छोड़ कर, शख्स ने लिया अजीबो-गरीब शपथ

भोपाल, 13 जुलाई (एजेंसियां)। टमाटर के दाम क्या बढ़े हर दिन नई-नई कहानियां सामने आ रही हैं। नए-नए मीम्स बन रहे हैं। वैसे जिस घटना के बारे में हम बता रहे हैं वह मीम नहीं है बल्कि सच में हुई है। ताजा मामला मध्य प्रदेश के शहडोल का है। जहां एक पति-पत्नी में टमाटर को लेकर झगड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि पत्नी अपनी बेटी को लेकर घर छोड़कर चली गई। हुआं यूं था कि खाना बनाते समय पति ने सब्जी में टमाटर डाल दिए। इस बात पर पत्नी नाराज हो गईं। उसका कहना था कि इतनी मंहगाई में सब्जी में टमाटर डालने की क्या जरूरत है। पति ने बोला गलती हो गई मगर पत्नी नहीं मानी। वह गुस्से से आग बबूला हो गई और घर छोड़कर चली गई। इसके बाद पति मदद के लिए पुलिस के पास पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस भी घटना के बारे में सुनकर हैरान रह गई। दरअसल, संजीव वर्मन का ढाबा है। वे पत्नी आरती वर्मन के साथ मिलकर टिफिन सेंटर भी चलाते हैं। खाना बनाते वक्त संजीव ने सब्जी में टमाटर डाल दिया जिससे पत्ती नाराज हो गईं और बेटी को लेकर अपनी बहन के घर चलीं गईं। संजीव ने पत्नी को मनाने की बहुत कोशिश की। वे कसम खाते रहे कि अब वे टमाटर नहीं खाएंगे। उन्होंने टमाटर ना खाने की शपथ भी ली लेकिन पत्नी नहीं मानी और घर छोड़कर चली गईं। इस मसले पर पुलिस अब दोनों के बीच सुलह कराने पर जुटी है। पत्नी के घर से जाने के बाद पति ने थाने में जाकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। वह पत्नी की तलाश करता रहा। इधर-उधर भटकता रहा। पुलिस ने उससे पत्नी का नंबर मांगा और फोन लगाया। इसके बाद उसकी पत्नी आरती वर्मन ने फोन उठाया और बताया कि वह अपनी बहन के घर उमरिया है। इसके बाद पुलिस ने संजीव की बात पत्नी से करा दी। अब पुलिस इस कोशिश में है कि दोनों में समझौता हो जाए। हालांकि पत्नी ने यह भी संजीव शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता है। हालांकि संजीव का कहना है कि विवाद की वजह टमाटर है। रिपोर्ट्स के अनुसार, संदीप और आरती की शादी 8 साल पहले हुई थी। अब देखना है कि आरती मानती है कि नहीं?

शहीद दिवस पर उमर अब्दुल्ला को सुरक्षाबलों ने रोका, महबूबा मुफ्ती भी घर में नजरबंद

जम्मू, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज अपने घर गुफ्कार से पार्टी हेडक्वार्टर तक पैदल सफर किया और यहां पार्टी नेताओं के साथ 1931 में डोगरा शासन में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। फिर नेताओं को संबोधित करते हुए उमर ने कहा कि 13 जुलाई को स्टेट डे और हॉलिडे के तौर पर मनाया जाता था। आज मुझे और मेरी सिक्योरिटी के काफिले को मज़ार पर जाने से रोका गया है, इसलिए मुझे अपने घर से पार्टी ऑफिस तक का सफर पैदल तय करना पड़ा। उमर ने कहा मैंने कभी मज़हब के नाम पर सियासत नहीं की, वहीं अगर शहादत देने वाले नॉन मुस्लिम होते तो उपराज्यपाल सुबह मज़ार पर श्रद्धांजलि देने पहुंच गए होते। लेकिन मज़ार पर तो मुसलमानों की कब्र है इसलिए हमें मज़ार पर जाने की इजाज़त नहीं दी गई। कश्मीर के हालत पर उमर अब्दुल्ला ने कहा 1931 में जो हुआ तब भी ऐसा ही निज़ाम था जैसा की आज है। आज भी किसी को बात करने की इजाज़त नहीं है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए उमर ने कहा बीजेपी चुनाव कराने से डर रही है। बीजेपी में दम हैं तो चुनाव करके दिखाए। उमर ने दावा किया अगर पार्लियामेंट चुनावों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव कराए जाएंगे तो मेरा दावा है कि बीजेपी को जम्मू कश्मीर में 10 सीटें भी हासिल नहीं होगी। उधर, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ़्ती ने एक वीडियो जारी किया जिसमें उन्होंने खुद को घर में नज़रबंद होने का दावा किया। महबूबा के मुताबिक, उन्हें भी शहीद मज़ार पर जाने की अनुमति नहीं दी गई। नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी के अलावा दूसरे राजनितिक दल के नेताओं को भी यही कहना है कि उन्हें आज के दिन शहीद मज़ार पर जाने से रोका गया और सभी पार्टी नेताओं ने अपने-अपने ऑफिस में 1931 में शहीद लोगों को याद किया और श्रद्धांजलि दी।

वाहन में ठूंस-ठूंस कर भरे थे गोवंश; कटसेरा के ग्रामीणों को लगी भनक, निगाना रोड से दबोचा

रोहतक, 13 जुलाई (एजेंसियां)। रोहतक के कलानौर के निगाना रोड पर तीन युवकों ने बंद बॉडी के चार पहिया वाहन छोटे हाथी में दो गाय, एक बछड़ा व एक बछड़ी को ठूंस-ठूंस कर भर दिया। कटसेरा गौशाला के प्रधान सुदामा ने अपने साथियों सहित एक युवक को दबोच लिया, जबकि गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। इस संबंध में कलानौर पुलिस ने एक आरोपी को हिरायत में ले लिया है।

गौशाला के प्रधान की शिकायत पर मामला दर्ज

पुलिस को दी शिकायत में कटसेरा गौशाला के प्रधान सुदामा ने बताया कि वे बुधवार को निजी कार्य से कलानौर आए हुए थे। शाम को जब वापस जा रहे थे तो निगाना रोड पर झाड़ियों में एक बंद बॉडी का छोटा हाथी दिखाई दिया। देखा तो उसके अंदर दो गायों, एक बछड़ा व एक बछड़ी को ठुंस-ठुंस कर भरा हुआ था। गौवंश का बुरा हाल था। उसने अपने साथी नरेश बागड़ी के साथ पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर कॉल की। कलानौर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और एक युवक दिल्ली की जनकपुरी निवासी ओमप्रकाश को काबू कर लिया। उसके दो साथी फरार हो गए। पुलिस ने इस संबंध कलानौर थाने में पशु क्रूरता अधिनियम व गौसंवर्धन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। कटेसरा की गौशाला प्रधान सुदामा ने बताया कि गौवंश को बचाने में उनके साथी प्रवीण सिंह, जतीन एडवाकेट, भोला पहलवान, शेखर, जीतू गौरक्षा दल व अन्य का अहम योगदान रहा।

तीन साल से लिव-इन-रिलेशनशिप में रही नैनीताल की महिला लापता

रोहतक के महम चौबीसी के गांव फरमाणा खास में तीन साल से लिव-इन-रिलेशनशिप में रह रही उतराखंड के नैनीताल की एक महिला लापता हो गई है। साथ में दो साल का बेटा, चार तोले सोना व 25 हजार की नकदी भी ले गई। इस संबंध में गांव के युवक ने महम थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी शिकायत में युवक ने बताया कि ट्रक ड्राइवर है। उसे नैनीताल की युवती से प्यार हो गया। तीन साल पहले दोनों गांव में आकर लिव-इन-रिलेशनशिप में रहने लगे। उनका दो साल का बेटा भी है। दोनों अच्छी तरह रह रहे थे, किसी तरह का विवाद नहीं था। बुधवार को दोपहर करीब डेढ़ बजे उसके बेटे को लेकर चली गई। घर की जांच पड़ताल की तो सोना व नकदी भी गायब मिली। युवक का कहना है कि उसने बेटे व उसकी मां को कई जगह ढूंढा, लेनिक सुराग नहीं लग सका। पुलिस ने केस दर्ज छानबीन शुरू कर दी है।

'महाराष्ट्र में 100 मीटर की दौड़ लगा रहा तीन पैरों वाला जानवर'- कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कसा तंज

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अजित पवार की बगावत के बाद एनसीपी का एक धड़ा भी अब सरकार में शामिल हो चुका है। इससे पहले एकनाथ शिंदे ने शिवसेना को तोड़कर बीजेपी का दामन थाम लिया था, यानी अब कुल तीन दल मिलकर महाराष्ट्र की सत्ता चला रहे हैं। दोनों बड़े विपक्षी दलों के बागी विधायकों का सहारा लेते हुए महाराष्ट्र की सरकार चल रही है। इसे लेकर विपक्षी दल लगातार बीजेपी पर हमलावर हैं। इसी बीच कांग्रेस के सीनियर नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने महाराष्ट्र सरकार पर कटाक्ष किया है। जिसमें उन्होंने कहा कि ये सरकार उन्हें ''तीन पैरों वाले ऐसे जानवर'' की तरह लगती है जो 100 मीटर की दौड़ लगा रही है।

चिदंबरम ने कसा तंज

चिदंबरम ने शिवसेना (शिंदे गुट), एनसीपी (अजित पवार गुट) और बीजेपी की गठबंधन वाली सरकार पर तंज कसा और उसे एक तीन पैर वाला जानवर बता दिया। इसे लेकर पी चिदंबरम ने ट्विटर पर लिखा, ''महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री दावा करते हैं कि उनकी सरकार तिहरे इंजन वाली सरकार है। ये मुझे तीन पैरों वाले ऐसे जानवर की तरह लगती है जो 100 मीटर की दौड़ लगा रही है।''

अजित पवार की बगावत के बाद हलचल

महाराष्ट्र में दो जुलाई को एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) उस समय दो फाड़ हो गई जब उनके भतीजे अजित पवार और अन्य विधायक सत्तारूढ़ शिवसेना-भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) गठबंधन में शामिल हो गए। अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री और आठ अन्य एनसीपी नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद से ही विपक्षी नेता बीजेपी पर हमलावर हैं। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि बीजेपी ईडी-सीबीआई का डर दिखाकर विधायकों को अपने पाले में खींचने का काम कर रही है।

कांग्रेस पर भी मंडरा रहा खतरा

महाराष्ट्र में तीन बड़े विपक्षी दल थे, जिन्होंने 2019 में चुनाव नतीजों के बाद सरकार बनाई थी। इनमें शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस शामिल थी, लेकिन पिछले साल एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे से अलग होकर बगावत कर दी और अपने साथ 40 विधायकों को लेकर बीजेपी के साथ चले गए। नतीजा ये हुआ कि उद्धव ठाकरे की सरकार गिर गई और बीजेपी और शिंदे ने मिलकर सरकार बना ली। इसके बाद अब कुछ ही दिनों पहले शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने भी शिंदे की राह पर चलते हुए करीब 30 से ज्यादा विधायकों के साथ पार्टी तोड़ दी और बीजेपी से हाथ मिला लिया। अब कांग्रेस ही महाराष्ट्र में अकेला ऐसा विपक्षी दल बचा है, जिसके विधायक फिलहाल एकजुट दिख रहे हैं। शिवसेना और एनसीपी के टूटने के बाद कांग्रेस 44 विधायकों के साथ महाराष्ट्र में सबसे बड़ा विपक्षी दल है। ऐसे में पार्टी को चिंता सता रही है कि कहीं उसके विधायक भी पाला न बदल लें। इसके लिए हाल ही में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में दिल्ली में एक बैठक बुलाई गई। जिसमें महाराष्ट्र से जुड़े तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई।

क्यों न बीच से आलोक को हटा दें हमेशा के लिए... जो डिस्टर्ब कर रहा, ज्योति मौर्य संग मनीष की चैट

नोएडापीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य और होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे प्रकरण में नया मोड़ आ गया है। बरेली में तैनात एसडीएम ज्योति मौर्य और उनके पति आलोक मौर्य के बीच चल रहे विवाद में महोबा के होमगार्ड जिला कमांडेंट मनीष दुबे पर कभी भी गाज गिर सकती है। होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे पर कार्रवाई करने के लिए शासन ने जांच रिपोर्ट का परीक्षण शुरू कर हो गया है। ज्योति मौर्य और होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे की सोशल मीडिया पर वायरल चैट सामने आने के बाद डीजी होमगार्ड ने मामले में एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की है।

ज्योति मौर्य के साथ अफेयर और मनीष दुबे पर लगे गंभीर आरोपों की जांच पूरी हो गई है। जांच में होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे दोषी पाए गए हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर मनीष दुबे पर एफआईआर और निलंबन की सिफारिश की गई है। जांच में सामने आया था कि दुबे मोबाइल पर ज्योति से उसके पति आलोक को रास्ते से हटाने की बात कह रहे हैं। पूछताछ में मनीष दुबे ने कहा कि वह तलाक की बात कह रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल चैट में ज्योति मौर्य के सफाईकर्मी पति आलोक को रास्ते से हटाने की बात की जा रही है। दरअसल, ज्योति मौर्य के पति आलोक ने डीजी होमगार्ड से शिकायत की थी। इस शिकायत में आलोक ने हत्या की आशंका जताई थी। आलोक ने आरोप लगाते हुए कहा था कि पत्नी ज्योति मौर्य और होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे मिलकर मेरी हत्या की साजिश रच रहे हैं।

कहानी खत्म कर दें उनकी-मनीष दुबे एसडीएम ज्योति मौर्य के पति आलोक मौर्य के साथ विवादों में घिरे होमगार्ड जिला कमांडेंट मनीष दुबे पर आरोप है कि वो आलोक को रास्ते से हमेशा के लिए हटाने की साजिश रच रहे थे। वायरल चैट के अनुसार, होमगार्ड जिला कमांडेंट मनीष दुबे एसडीएम ज्योति मौर्य को मैसेज लिखते हैं कि "मैं ये कहना चाह रहा था कि क्यों ना बीच से उसे हटा दें हमेशा के लिए, जो बार-बार हम लोगों को डिस्टर्ब कर रहा है। इस पर ज्योति मौर्य लिखती है कि आलोक को। मनीष दुबे रिप्लाई करता है कि हां, कहानी खत्म कर दें उनकी।

महोबा किया गया मनीष का ट्रांसफर

उधर, डीआईजी होमगार्ड संतोष कुमार ने सोमवार को अपनी जांच रिपोर्ट डीजी बीके मौर्या को सौंपी थी। डीजी ने अपनी संस्तुतियों के साथ इसे शासन भेज दिया था। रिपोर्ट में मनीष की अपनी पत्नी के साथ भी विवाद की बात सामने आई है। मनीष दुबे पर उसकी पत्नी ने दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया था। विवादों के बीच मनीष का गाजियाबाद से महोबा जिले में ट्रांसफर किया गया था।

ज्योति और मनीष की बातचीत का ऑडियो भी हुआ था वायरल

बता दें कि पीसीएस अफसर ज्योति मौर्य से फोन पर हुई मनीष दुबे की बातचीत का ऑडियो भी वायरल हुआ था। ऑडियो में ज्योति मौर्य के पति को जान से मारने की बात मनीष दुबे ने कथित रूप से कही थी।

रास्ते से हटा दो... कहानी खत्म कर दो...

इस प्रकरण की जांच कर रहे डीआईजी संतोष कुमार को ज्योति मौर्या के पति आलोक मौर्या ने कुछ कॉल रिकॉर्डिंग दी थी। इनमें से एक रिकॉर्डिंग में ज्योति और मनीष आपस में आलोक को रास्ते से हटाने, ठिकाने लगाने, कहानी खत्म करने... जैसे शब्द बोलते पाए गए हैं। जब मनीष से इस बारे में पूछताछ की गई तो उसने कहा कि वे आलोक से तलाक लेने की बात कह रहे थे। हालांकि डीआईजी ने इस बातचीत को बेहद गंभीर प्रकरण मानते हुए पुलिस से जांच कराने की संस्तुति की है। इसका मुकदमा दर्ज होने पर ज्योति और मनीष के मोबाइल फोन, सीडीआर इत्यादि की गहनता से पड़ताल की जाएगी।

पति ने होमगार्ड मुख्यालय में दर्ज कराई शिकायत

प्रयागराज के रहने वाले सफाईकर्मी पति आलोक मौर्य से रिश्तों में खटास के बाद पीसीएस अफसर ज्योति मौर्य चर्चा में बनी हैं। आलोक ने होमगार्ड मुख्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पत्नी ज्योति मौर्य का होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे के साथ अफेयर है। पीसीएस ज्योति मौर्य के पति आलोक मौर्य प्रयागराज के निवासी हैं और पंचायतीराज विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। शादी के बाद ज्योति मौर्य का पीसीएस में चयन हुआ था। उनके पति ने अपनी शिकायत में कमांडेंट मनीष दुबे पर तमाम गंभीर आरोप लगाए।

'मेरे खिलाफ दहेज का झूठा मुकदमा दर्ज कराया'

उसने अपने शिकायती पत्र में कहा कि शादी के बाद उसने अपनी पत्नी को इलाहाबाद में पीसीएस की तैयारी कराई। होमगार्ड कमांडेंट से अफेयर होने के बाद उसने मेरे खिलाफ दहेज का झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। उसने अपनी शिकायत के साथ कुछ दोनों के बीच हुई कुछ व्हाट्सएप चैट और होटल में ठहरने की जानकारी भी दी। अब मामले में कमांडेंट मनीष के निलंबन और केस दर्ज कर जांच की सिफारिश की गई है। डीजी होमगार्ड ने आरोपी कमांडेंट पर कार्रवाई के लिए शासन को रिपोर्ट भेजी है। पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित और महिला होमगार्ड का यौन शोषण करने का भी आरोप है

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 14 जुलाई- 2023

घुडदौड-जुआघरों में भी जीएसटी

कारोबार जगत में नियमन का एक तंत्र लागू करने की गरज से ही वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी की प्रणाली लागू की गई थी। इसका सुफल यह रहा कि सरकार के राजस्व बेतहाशा बृद्धि देखी गई। इसके बावजूद अब भी ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिनमें कर के अलग-अलग स्तर का नियम लागू होने को लेकर कोई पारदर्शिता नहीं देखी जा रही थी और समय-समय पर कई हलकों में बोझ घटाने की मांग की जाती रही है। केंद्र सरकार ने आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक वस्तुओं से संबंधित कारोबार में टैक्स निर्धारण के मामले में कई स्तरों पर रियायत बरती है, लेकिन किसी व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए उसमें टैक्स के अनुपात को ऊंचा भी रखा गया है। बता दें कि मंगलवार को जीएसटी परिषद की पचासवीं बैठक में यह फैसला लिया गया कि अब घुड़दौड़, जुआघरों और आनलाइन गेमिंग में अट्ठाईस फीसद की दर से जीएसटी का भुगतान करना पड़ेगा।

बता दें कि यह कर प्रतिभागी की ओर से लगाए जाने वाले दांव की पूरी रकम पर लगेगा। गोवा की ओर से आनलाइन गेमिंग के मंच फीस को कम करके अठारह फीसद जीएसटी लगाने की मांग की गई थी, लेकिन इस सिफारिश पर कोई भी पक्ष सहमत नहीं हुआ। बैठक में ताजा मसले पर आमतौर पर सभी के बीच सहमति बनी कि कौशल और मौके के खेल के बीच अंतर नहीं किया जाना चाहिए। देखा जाए तो घुड़दौड़, जुआघरों और आनलाइन गेमिंग अब संगठित रूप से भी संचालित किए जा रहे हैं। लेकिन इसका दूसरा पहलू यह भी है कि इसे विलासिता संबंधी आवश्यकता के दायरे में रख कर देखा जाता है। यही वजह है कि इसमें लगाई गई दांव की राशि पर कर का स्तर ऊंचा रखने की जरूरत महसूस हुई। इस पर दांव लगाने वाले भी काफी बडी रकम खर्च करते हैं। ऐसे में सवाल भी है कि अगर सरकार एक ओर जुए, सट्टेबाजी और आनलाइन खेलों को लेकर सख्त रुख अख्तियार करती है, तो इसमें दांव की राशि पर टैक्स की दर तय करने से क्या परोक्ष रूप से इसे स्वीकृति देने का भाव नहीं पैदा होता है! बताना जरूरी है कि करीब तीन महीने पहले ही सरकार ने जुए, सट्टेबाजी और आनलाइन गेम खेलने के विज्ञापनों के खिलाफ एक परामर्शी चेतावनी जारी की थी, जिसमें सट्टेबाजी से जुड़े मंचों को बढ़ावा न देने की सलाह दी गई थी। इसमें कहा गया था कि अगर किसी आनलाइन खेल को अनुमति दी जाती है तो यह ध्यान रखा जाएगा कि उसमें किसी भी तरह से दांव या बाजी लगाने की प्रवृत्ति शामिल नहीं हो।

संभव है कि जिस कोण से जुआघर, घुड़दौड़ और आनलाइन गेम में दांव की राशि में जीएसटी तय करने की बात की गई है, उसका आधार यह हो कि सरकार की ओर से जिन कसौटियों पर इन खेलों को स्वीकृति दी गई है, उनके मामले में नया नियम लागू होगा। लेकिन अगर मौके के किसी खेल में सट्टेबाजी का चलन है या फिर कोई दांव लगाया जाता है तो कौशल आधारित खेलों के समांतर उनकी प्रकृति में कैसे फर्क किया जा सकता है! बता दें कि जुआ, सट्टेबाजी और आनलाइन गेम का दायरा इतना बड़ा और व्यापक हो चुका है कि उसे लेकर सरकार को एक विस्तृत और स्पष्टता पर आधारित नियम बनाने की जरूरत है। कर निर्धारण से ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि अगर सरकार किसी काम को प्रतिबंधित करती है तो उसे लेकर वह स्पष्ट है कि इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

कहाँ खो रहा है बचपन

डॉ. नीरज भारद्वाज

बचपन वह अवस्था है जिसमें बच्चा सुख-दुख, लाभ-हानि, जय-पराजय से दूर अपनी ही दुनिया में रहता है। उसका अपना कल्पना का संसार होता है। उसमें वह किसी को नहीं आने देना चाहता है लेकिन हम उसमें सेंध लगाते हैं। किसी भी बात को जल्दी भूल जाना बचपन की सुंदरता है। एक बात को छोड़ दूसरी बातों में लग जाना बचपन की आदत होती है। वास्तव में जो बच्चों से प्यार से बात करें, वह उसी के साथ खेलना-बोलना शुरू कर देता है। बच्चे के सजल नयन आपको अपनी ओर आकर्षित करते हैं, उसका भोलापन आपको कुछ कहता है, उसकी चंचलता मन को मोह लेती है, उसकी शरारत कभी प्रेम तो कभी क्रोध उत्पन्न करती है, उसकी जिज्ञासा और प्रश्न बार-बार सोचने पर मजबूर करते हैं। बचपन वास्तव में सच्चा जीवन है, उसके बाद तो मानो जोड़-तोड़ और आंकड़ों का खेल शुरू हो जाता है।

महानगरीय जीवन में बच्चों का बचपन कहीं खो गया ऐसा लगने लगा है। फ्लैट कल्चर के इस युग ने पड़ोस कल्चर को निगल लिया है। फ्लैट के बंद कमरें बच्चों के कितने ही खेल खा गए, इसका अंदाजा हमें शायद नहीं है। पड़ोस में बच्चों का झुंड इकट्ठा होना छुपम-छुपाई खेलना और किसी के घर में बिना संकोच छुप जाना, बच्चा अपना अधिकार समझता था। पूरी गली अपना घर होती थी। गली क्रिकेट हो, लंगड़ी टांग की दौड़ हो, गैलरी का खेल हो, मिट्टी का घर बनाना हो या अन्य खेल। सभी कुछ समाप्त सा दिखाई देता है। वर्षा के दिनों में एक साथ बच्चों का शोर मचाते हुए नहाना, कागज की नाव बनाकर बहाना, सभी कुछ धूमिल सा नजर आ रहा है। अब हर एक चीज के लिए माता-पिता बच्चों को ट्रेनिंग देते नजर आ रहे हैं। गाँव में तालाब या पोखर में एक साथ नहाना, पेड़ पर चढ़कर जामुन खाना सामान्य सी बात थी लेकिन अब हर चीज बच्चे की समय सारणी के साथ बांध दी गई हैं।

बचपन के दृष्टिकोण से महानगर कैदखाने से नजर आने लगे हैं। खिड़कियों से झांकते बच्चे वर्षा को देख रहे होते हैं, उसे महसूस नहीं कर पाते हैं। न तो छत अपनी, न सड़क पर जा सकते हैं। अपना जीवन जीने के चक्कर में माता-पिता बच्चों के जीवन को और उनके बचपन को खतरे में डाल रहे हैं। छोटे-छोटे कोमल बच्चे रियलिटी शोज में अपनी प्रतिभा दिखाते हैं।

हमें अच्छा लगता है, लेकिन उसके पीछे उसका बचपन कहाँ खो गया, इसको कोई नहीं जानना चाहता। इससे अलग बच्चों पर प्रतियोगिता परीक्षाओं का इतना बोझ डाल दिया गया है कि बच्चा स्कूल से भी नॉन अटेंडिंग होकर पढ़ रहा होता है। अब तो बच्चा बचपन के खेल तो दूर, बचपन की स्कूली शिक्षा से भी दूर हो गया है। यदि बचपन में कुछ बचा-कुचा था तो उसे मोबाइल और टीवी निगल गया है। बच्चे घर से बाहर कम खेलते हैं, मोबाइल गेम अधिक खेलते हैं। यह बच्चों के स्वास्थ्य, ज्ञान, मनोविज्ञान सभी के लिए हानिकारक है। माता-पिता की बच्चों को कुछ बनाने की चाह कहें या जिद कहें, उसके आगे बच्चे का बचपन समाप्त हो रहा है। बच्चे बचपन के खेलों के साथ-साथ तीज-त्यौहार, व्रत, कथा, कहानियों को भी भूल रहे हैं। हम क्या बनाना चाह रहे हैं और बन क्या रहा है? इसके बारे में भी तो सोचना होगा।

'स्वच्छ भारत' की पोल खोलती डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट

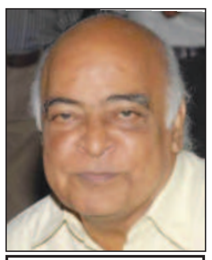

अशोक भाटिया

मोदी सरकार ने 'स्वच्छ भारत' अभियान के तहत 2019 में ही भारत को खुले में शौच से मुक्त घोषित कर दिया था लेकिन डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ की एक नई रिपोर्ट कुछ और ही कहानी बता रही है। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ ने हाल ही में पानी की सप्लाई और स्वच्छता पर अपने जॉइंट मॉनिटरिंग प्रोग्राम की ताजा रिपोर्ट जारी की है जो 2022 तक इन मोर्चों पर अलग अलग देशों द्वारा दर्ज की गई तरक्की के बारे में विस्तार से बताती है।

रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में ग्रामीण भारत में 17 प्रतिशत लोग अभी भी खुले में शौच कर रहे थे। भारत की कुल आबादी करीब 1।40 अरब है जिसमें करीब 65 प्रतिशत लोग ग्रामीण इलाकों में रहते हैं।तो इस रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 15 करोड़ लोग आज भी खुले में शौच करते हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट ने यह भी दावा किया है कि ग्रामीण भारत में करीब 25 प्रतिशत परिवारों के पास अपना अलग शौचालय भी नहीं है। यह भी ओडीएफ घोषित किये जाने के मुख्य लक्ष्यों में से था।जुलाई 2021 में इन दोनों संस्थाओं ने कहा था कि तब ग्रामीण भारत में खुले में शौच करने वालों की संख्या 22 प्रतिशत थी यानी एक साल में समस्या पांच प्रतिशत और कम हुई है। 2015 में यह संख्या 41 प्रतिशत थी।

रिपोर्ट यह तो दिखा रही है कि भारत ने खुले में शौच से लड़ाई में लगातार तरक्की हासिल की है लेकिन साथ ही रिपोर्ट ने पूरी तरह खुले में शौच से मुक्ति के सरकार के दावों पर एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। हालांकि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। भारत सरकार के ओडीएफ लक्ष्यों, परिभाषा और दावों को लेकर शुरू से विवाद रहा है। सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत ओडीएफ की परिभाषा है - खुले में मल नजर ना आना और हर घर और सार्वजनिक संस्थान द्वारा मल के निस्तारण के लिए सुरक्षित तकनीकी विकल्पों का इस्तेमाल। 2019-20 में हुए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के पांचवें दौर के मुताबिक उस समय देश में कम से कम 19 प्रतिशत परिवार खुले में शौच कर रहे थे। बिहार, झारखंड और ओडिशा जैसे राज्यों में तो यह संख्या 62, 70 और 71 प्रतिशत तक थी।एक बार फिर सरकार के ओडीएफ के दावों को गलत बताया गया है। देखना होगा कि सरकार इस अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट के नतीजों को चुनौती देती है या नहीं। बाथरूम की कमी का सबसे ज्यादा प्रभाव देश में महिलाओं पर पड़ रहा है जिन्हें अपनी इस बुनियादी जरूरत के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि क्या बाथरूम का निर्माण देश में स्वच्छता और नारी के सम्मान से जुड़ा मुद्दा नहीं है? और यदि है तो नीति निर्माताओं का ध्यान उस ओर क्यों नहीं जाता।

आज भी देश के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए इसकी सुविधा किसी लग्जरी से कम नहीं है। देखा जाए तो सालों से चलती आ रही प्रथाएं, पैसे की कमी और अन्य जरूरी मुद्दों ने इस जरूरत को उजागर ही नहीं होने दिया। रिपोर्ट के मुताबिक यह स्थिति सिएरा लियोन में कहीं ज्यादा बदतर है जहां केवल 7.7 फीसदी लोगों के घरों में बाथरूम की सुविधा उपलब्ध है। इसी तरह घाना में यह आंकड़ा 43.8 फीसदी है। वहीं यदि चीन की बात करें तो 88.4 फीसदी लोगों के घरों में स्नानघर की सुविधा उपलब्ध है, जबकि स्पेन और ऑस्ट्रेलिया में यह आंकड़ा शत-प्रतिशत है। यह सही है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में शौचालयों के मामले में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है लेकिन साफ पानी और स्वच्छता से जुड़े ऐसे कई मुद्दे हैं जिनपर अभी काम किया जाना बाकी है।यदि रिपोर्ट में जारी 2022 के आंकड़ों पर गौर करें तो देश में केवल 52 फीसदी आबादी ऐसी स्वच्छता सेवाओं का उपयोग कर रही है जिनका प्रबंधन सुरक्षित तरीके से किया जा रहा है। इसी तरह देश में करीब 76 फीसदी आबादी की बुनियादी स्वच्छता सेवाओं तक पहुंच है। वहीं 24 फीसदी आबादी अभी भी इससे दूर है। देखा जाए तो स्वच्छता का यह मुद्दा न केवल साफ-सफाई से जुड़ा है साथ ही यह सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा भी है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।हालांकि आंकड़ों की मानें तो बुनियादी स्वच्छता के मुद्दे पर भारत ने 2015 के बाद से अच्छी खासी प्रगति की है, 2015 से 2022 के बीच इसकी कवरेज में 21 पॉइंट का सुधार आया है।आंकड़ों का उपलब्ध न होना भी इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों के लिए एक बड़ी समस्या है। यदि साफ और सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल की बात करें तो रिपोर्ट के अनुसार भारत में इससे जुड़े पर्याप्त आंकड़े मौजूद नहीं है। वहीं यदि भारत के जल जीवन मिशन द्वारा जारी मौजूदा आंकड़ों को देखें तो देश में 64।19 फीसदी ग्रामीण घरों तक नल जल की व्यवस्था हो चुकी है हालांकि अभी भी भारत में पानी भरने की जिम्मेवारी काफी हद तक महिलाओं और बच्चियों के कन्धों पर हैं जिसके लिए उन्हें काफी संघर्ष तक करना पड़ता है।

इस रिपोर्ट में न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में 2015 से 2022 के बीच पानी और स्वच्छता से जुड़े मुद्दों में आए सुधार की तस्वीर प्रस्तुत की गई है। आंकड़ों के अनुसार दुनिया में करीब 220 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनके घर पर स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल का प्रबंध नहीं है।मतलब की दुनिया में हर चार में से एक व्यक्ति ऐसा है जिसके पास सुरक्षित पेयजल की कमी है। यह सही है कि 2000 से 2022 के बीच करीब 210 करोड़ लोगों के लिए इसकी व्यवस्था की गई है। लेकिन अभी भी 2030 के लिए जो लक्ष्य तय किए गए हैं वो काफी दूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में पेयजल और स्वच्छता से जुड़े इस संकट का सबसे ज्यादा खामियाजा महिलाओं और बच्चियों को भुगतना पड़ रहा है।

पता चला है कि घरों के लिए पानी लाने की जिम्मेवारी पुरुषों की तुलना में महिलाओं की कहीं ज्यादा है। इसी तरह लड़कों के मुकाबले इस जिम्मेवारी को निभाने वाली बच्चियों की संख्या करीब दोगुनी है। करीब 200 करोड़ लोगों के घरों में साफ पानी की व्यवस्था नहीं हैं। इनमें से 70 फीसदी घरों में पानी की व्यवस्था करने की जिम्मेवारी महिलाओं और बच्चियों की है। इसी तरह करीब 340 करोड़ लोगों की सैनिटेशन तक पहुंच नहीं है। मतलब की 40 फीसदी आबादी अभी भी इससे वंचित है। 2022 के आंकड़ों को देखें तो दुनिया में करीब 57 फीसदी आबादी यानी 450 करोड़ लोग सुरक्षित सैनिटेशन सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं। वहीं आज भी दुनिया में करीब 200 करोड़ लोगों के घर पर हाथों को धोने के लिए साबुन-पानी की व्यवस्था नहीं है। वहीं 2022 में दुनिया की करीब 75 फीसदी आबादी के पास इसकी सुविधा मौजूद है।

नतीजन महिलाएं और लड़कियां आज भी घर के बाहर शौच के लिए जाने को मजबूर हैं। इसकी वजह से वो अपने आप को असुरक्षित महसूस करती हैं। साथ ही इसका प्रतिकूल प्रभाव उन पर पड़ता है। करीब 50 करोड़ लोग सैनिटेशन सुविधाओं को दूसरे परिवारों के साथ साझा करते हैं। 22 देशों पर किए हालिया सर्वेक्षणों से पता चला है कि साझा शौचालय वाले घरों में महिलाएं और बच्चियां रात में इन सुविधाओं का उपयोग करने में असुरक्षित महसूस करती हैं। साथ ही उन्हें यौन उत्पीड़न और अन्य सुरक्षा जोखिमों का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं, स्वच्छता से जुड़ी सुविधाओं का अभाव उनके स्वास्थ्य के लिए भी जोखिम को बढ़ा रहा है। इस बारे में डब्ल्यूएचओ के पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य विभाग की निदेशक डॉक्टर मारिया नीरा ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पानी, स्वच्छता और हाइजीन तक सीमित पहुंच के चलते हर साल 14 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

देखा जाए तो सतत विकास के छठे लक्ष्य के तहत 2030 तक सभी के लिए साफ और सुरक्षित पानी के साथ स्वच्छता का स्थाई प्रबंध करने का लक्ष्य तय किया गया था हालांकि अभी भी कई देश इन लक्ष्यों से काफी दूर हैं।इतना ही नहीं, देशों के बीच भी इन सेवाओं के मामले में भारी अंतर है। देखा जाए तो यह असमानता सतत विकास के लक्ष्यों के लिए एक बड़ी चुनौती है। उदाहरण के लिए यदि साफ पेयजल की उपलब्धता से जुड़े आंकड़ों को देखें तो जहां यूरोप और उत्तरी अमेरिका में 94 फीसदी आबादी के पास इसकी पहुंच है वहीं उप-सहारा अफ्रीका में केवल 31 फीसदी आबादी के पास ही पीने का साफ और सुरक्षित पानी उपलब्ध है।

ऐसे में यदि कमजोर देशों को भी इनसे जुड़े सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करना है तो उन्हें साफ पानी की दिशा में हो रही प्रगति की रफ्तार को छह गुणा, स्वच्छता के मामले में 13 गुणा और हाइजीन के मुद्दे में होती प्रगति को 16 गुणा तेज करने की जरूरत है.

सावन यानी शिव को रिझाने का समय

आर.के. सिन्हा

सावन का पहला सोमवार बीती 10 जुलाई को पूरी आस्था के साथ मनाया गया। देशभर के शिवालयों में सुबह चार बजे से बारह बजे रात्रि तक तमाम भक्त आते रहे। सूरज की पहली किरण फूटने से पहले ही भक्तों का तांता मंदिरों में लग गया था। शिव का जीवन ही इस बात का प्रतीक है कि प्रकृति से तालमेल स्थापित कर ही जीवन में सुख-शांति, सरलता, सादगी, शौर्य, योग, अध्यात्म सहित कोई भी उपलब्धि हासिल की जा सकती है।

आषाढ़ मास से ही वर्षा ऋतु की शुरूआत होती है। श्रावण मास आते-आते चारों तरफ हरियाली छा जाती है। यह सभी के मन को लुभाने वाली होती है। श्रावण मास में प्रकृति का अनुपम सौंदर्य देखते ही बनता है। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चारों तरफ बसंत ऋतु ही छाई हुई है। संसार के प्राणियों में नई उमंग व नव जीवन का प्रसार होने लगता है। प्रकृति की अनुपम छठा को देखकर भगवान शिव आनंदित व आत्मविभोर हो जाते हैं। श्रावण मास भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। श्रावण मास के प्रकृति के अनुपम सौंदर्य का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता है।

ऐसे में जब भगवान शिव प्रसन्न हो जाते हैं तो संसार में ऐसा कुछ भी नहीं, जो वह अपने भक्तों को न दे पाएं। भगवान शिव को रिझाने में भक्तजन अपनी मनोकामना के लिए नाना प्रकार के यत्न करते हैं। सावन का महीना शुरू होने के साथ ही बोल बम के जयकार भी चारों तरफ सुनाई देने लगे हैं। इसके साथ ही श्रावण शिवरात्रि पर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए पवित्र गंगाजल लाने के लिए कावड़ियों का तीर्थ स्थलों पर जाने का सिलसिला जारी है। पूरे सावन को भगवान शिव का महीना ही माना जाता है। इस बार तो अधिक मास के कारण श्रावण पूरे दो महीने तक चलेगा.

शिवपुराण की कथा के अनुसार, श्रावण मास में भगवान शिव को प्रसन्न करने के तीन मार्ग हैं - पहला जलाभिषेक, दूसरा बेल पत्र, पुष्प चंदन, कमलपुष्प व पंचामृत से पूजा अर्चना और तीसरा जप-तप के द्वारा। इनमें से किसी भी एक मार्ग का अनुसरण किया जा सकता है। वस्तुतः भिन्न-भिन्न कामनाओं के अनुरूप विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को चढ़ाने का भी प्रावधान है। शिव महापुराण, स्कंध पुराण, विष्णु पुराण व नारद पुराण भी इसी तरफ संकेत करते हैं। सभी देवी-देवताओं ने मिलकर कैलाश पर्वत को दुल्हन की तरह सजाया था।

कैलाश पहुंचने पर श्रावण मास शुरू हो गया। सभी देवी-देवताओं ने मिलकर पूरे श्रावण मास को उत्सव के रूप में मनाया। शिव का सावन प्रकृति के साथ साहचर्य का संदेश है। शिव अगर नीलकंठ हैं और दुनिया के लिए अकेले जहर को अपने गले में धारण कर सकते हैं, तो उसके साथ-साथ भांग और धतूरा खाने और पीने वाले भी शिव ही हैं। शिव की दोनों तस्वीरें साथ-साथ जुड़ी हुई हैं। भारत में करोड़ों लोग समझते हैं कि शिव धतूरा पीते हैं, शिव की पलटन में लूले-लँगड़े हैं, उसमें जानवर भी हैं, भूत-प्रेत भी हैं और सब तरह की बातें जुड़ी हुई हैं। लूले-लँगड़े, भूखे के मानी क्या हुए? गरीबों का आदमी। शिव सबके हैं। इसका अर्थ ही यह है कि शिव सभी बेसहारा प्राणियों के सहारा हैं I भांग धतूरा का वे सेवन नहीं करते, बल्कि, अपने भक्तों को अपने दुर्गुणों को छोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं I कहते हैं "लाओं अपने सारे दुर्वसन मुझे दे दो और तुम शुद्ध भाव से मेरी आराधना में" लगो I

मानव जीवन का वास्तविक लक्ष्य क्या है? जीवात्मा अनादिकाल से प्रकृति के प्रवाह में अणु-रूप में नानाविध शरीर धारण करते हुए काल की गति के साथ बह रहा है। मोक्ष की कामना को भटक रहे मानव के लिए सनातन धर्म में भक्ति को विभिन्न देवताओं की पूजा के अलग-अलग विधान हैं।

सृष्टि के कल्याणकारी देवाधिदेव महादेव शिव शंकर ही ऐसे देव हैं, जो मात्र एक लोटा जल श्रद्धा भाव से ग्रहण कर ही मानव के जीवन को सरल बना देते हैं।

शिव हम सभी के आसपास ही विराजमान रहते हैं। न जाने किस रूप में वे अपने भक्तों को दर्शन दे जाएं। लेकिन, उनको पहचान पाना मानव के लिए सदा से ही एक बड़ा गंभीर विषय रहा है। यह बिल्कुल ऐसा ही है जैसे आकाश में बादल रहने पर बादलों के मध्य में स्थित सूर्यबिंब दिखाई नहीं देता। सूर्योदय के बाद आकाश के मेघावृत रहने पर मेघ के हटने के साथ ही सूर्य के दर्शन होते हैं एवं उसकी किरण और धूप की भी प्राप्ति होती है।

शिव की भक्ति करने वाले को अपनी मस्तिष्क के पड़े उस अज्ञान के पर्दे को हटाने की जरूरत है जो उस कल्याणकारी देव प्रभाव को नहीं देख पाता है। शिव हरेक संकट में एक आश्वासन हैं। उनकी हरेक श्मशान घाट या भूमि में लगी मूर्ति मानव समाज को राहत देती है। उन कठोर पलों में उनको देखकर ऐसा लगता है मानो कोई आपकी पीठ को थपथपा रहा है। जैसे वे कहे रहे हो, "मैं अभी हूं न तुम्हारे साथ ।" अभी तक शिव का श्मशान भूमि में एकछत्र राज रहा है। वह उनकी दुनिया है। उसमें अतिक्रमण निषेध है। श्मशान में शिव की सत्ता है। शिव की मूर्ति के आसपास कुछ शोकाकुल लोग बैठ भी जाते हैं। उनको करीब से देखते भी हैं।

मन ही मन सवाल भी करते होंगे कि क्यों श्मशान प्रिय है शिव को? हालांकि इस प्रश्न के उतर बार-बार मिल चुके हैं। सतगुरु जग्गी कहते हैं कि दरअसल शिव का श्मशान डेरा है। 'श्म' का मतलब 'शव' से और 'शान' का मतलब 'शयन' या 'बिस्तर' से है। जहां शव पड़े होते हैं, वहीं वह रहते हैं। शिव श्मशान में जाकर बैठते और इंतजार करते हैं। शिव को संहारक माना जाता है, इसलिए नहीं कि वह किसी को नष्ट करना चाहते हैं। वह श्मशान में इंतजार करते हैं ताकि शरीर नष्ट हो जाए, क्योंकि जब तक शरीर नष्ट नहीं होता, आस-पास के लोग भी यह नहीं समझ पाते कि मृत्यु क्या है। वे हरेक मूर्ति में ध्यान की मुद्रा में हैं। लगता है कि वे स्वयं की खोज के लिए यात्रा में निकल पड़े हैं। वे कठोर चिंतन और ध्यान में मग्न हैं।

शिव अपने भक्तों से कभी दूर नहीं जाते। श्रावण मास में समाधिस्थ शिव संसार को शंकाओं से मुक्त करते हुए समाधान से युक्त करते हैं। वे श्रद्धापूर्वक की गई प्रार्थनाओं को सुनते हुए हमारे पुरुषार्थ को फलीभूत करते हैं।

सावन महीने के किसी सोमवार को शिव मंदिर में शिवलिंग के पास बैठकर पूजा करने का सुख वास्तव में अलौकिक होता है । इस दौरान काशी और झारखण्ड का वैद्यनाथ धाम तो काँवरियों से पट जाती है। महादेव शिव बनारस में लोकदेव हैं। सावन में शिव की पूजा, उपवास और ध्यान को उत्तम माना गया है। वर्ष का मास शिव को याद करने का है।

भारत में बाढ़ की प्राकृतिक त्रासदी

संजीव ठाकुर

भारत में कई वर्षों बाद भीषण प्राकृतिक वर्षा के फल स्वरुप बाढ़ भूस्खलन और नदियों में उफान आने से उत्तरांचल ,उत्तराखंड, दिल्ली और पंजाब भीषण त्रासदी झेल रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु भी हो गई है।विश्व में कई देशों में अतिवृष्टि से बाढ़ का प्रकोप होता है लैंडस्लाइडिंग भी होती है पर सर्वाधिक मृत्यु भारत में ही होती है। भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है।

यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस मैं सामंजस्य कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की आवश्यकता होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके ।आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्त रूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है ।आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है। आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर हमें बाढ़, अतिवृष्टि, लैंडस्लाइडिंग तथा भूकंप से पूरी क्षमता कथा विशेषताओं के साथ सामना करना चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

भारत के भू भाग का लगभग 58% क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68% भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12% है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना सदैव बनी रहती है।अब भारत में विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लड़ रहा है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया है। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी।

महाजुगाड

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

थोक में पुरस्कार बाँटे जाने वाले कार्यक्रम में कई नामी-गिरामी साहित्यकारों ने भाग लिया। वे तय समय से पहले ही उनके लिए रात्रि वेला में विशेष रूप से आयोजित हालागोष्ठी में पहुँच गए। दरबार सजा। प्याले टकराने शुरु हो गए। पहला प्याला 'चिंतन' के नाम पर अपने गले के नीचे उतार दिया। चखना ऐसा खाते जैसे साहित्यकार साहित्यकार नहीं दार्शनिक हों। भला उसमें वे क्या दर्शन कर रहे थे, यह बताना बड़ा कठिन था। माथे पर बल देते हुए, भृकुटियाँ ऊपर नीचे करते हुए किसी गंभीर मुद्दे की ओर माहौल बना रहे थे। 'क्या बात है लटकुराम, मुँह लटकाए क्यों बैठे हो?' चिकन पकौड़ा चबाते हुए वरिष्ठ साहित्यकार झपकीराम ने पूछा।

'क्या बताऊँ झपकु। पिछली बार हमने तय किया था तुम मुझे पुरस्कार देना मैं तुम्हें। देखो झांसाराम ने झांसा देते हुए पलटी मार ली और अपना 'गिरगिट पुरस्कार' मुझे ने देकर खुजलाऊ लाल 'अच्छे से' को देने का निर्णय लिया है। मैंने पिछली बार उस बदमाश को इसी शर्त पर अपनी संस्था का पुरस्कार 'मैं तुझे तू मझे' दिया था कि वह इस बार मुझे सम्मानित करेगा।' लटकुराम माथा पीटते हुए कहा। 'सही कहते हो... उसने मेरे साथ भी यही किया। उसने मेरा सम्मान तो प्राप्त कर लिया लेकिन बदले में मुझे हाथ दे दिया। ऐसों का हमारी बिरादरी से बहिष्कार होना चाहिए। उसे 'साहित्यनिकाला' घोषित करना चाहिए। लिखने को तो हर कोई लिख लेता है, लेकिन सम्मान उसी को मिलता है, जो हमारी हाँ में हाँ मिलाता है। बिरादरी से बाहर रहकर लाख अच्छा लिखो वह कचरा ही होता है। कचरे को अच्छा और अच्छे को कचरा बताना तो हमारे लिए चुटकी भर का खेल है। झांसाराम ने हमारे नियमों का उल्लंघन किया है। उसे इसका दंड मिलना चाहिए।' झपकीराम ने भुजे हुए पिश्ता-बादाम के चार टुकड़े मुँह में धरते हुए कहा। 'गिरगिट-पुरस्कार की निर्णायक समिति में कौन लोग थे? उन्होंने बिरादरी का ध्यान क्यों नहीं रखा?' लटकुराम ने गुस्से में प्रश्न किया। 'गिरगिट पुरस्कार सरकारी है। वहाँ हमारे बिरादरी के निर्णायक हमेशा नहीं होते हैं। बिरादरी अपने मतलब के हिसाब से चलती है।'

आप भी कमाल करते हैं झांसाराम जी। सम्मानों का निर्णय बिरादरी के हिसाब से नहीं, चाटुकारों के हिसाब से होता है। ...हमें बिरादरी पर पूरी ताकत से दबाव बनाना पड़ेगा। ...हमारे जैसे सम्मानभुक्खड़ों के होते कोई भी सम्मान बिरादरी के बाहर नहीं जाना चाहिए।' लटकुराम की आवाज में गंभीरता बढ़ने लगी। देखिए इतना गरम होने से काम नहीं बनेगा। हमारे अंदर लाख अनबन हो लेकिन संबंध खनखन होने चाहिए। आज नहीं तो कल सम्मान मिल ही जाएगा। मेरा मानना है कि लेखक को कलम की साधना में ज्यादा समय बरबाद करने की अपेक्षा बिरादरी और परंपरा के प्रति समर्पित होना चाहिए। लेखन तो निमित्त मात्र होता है, जो पैसा खर्च कर दूसरों से भी करवाया जा सकता है। लेकिन पुरस्कार घर की दीवार पर लटकने वाला अपना मुखचिह्न होता है, जो लेखक को बड़ा नामधारी होने का-सा गौरव और आनंद प्रदान करता है।

बाबा बैद्यनाथ मंदिर में शिव और शक्ति एक साथ हैं विराजमान, लंकापति रावण

देवघरः भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम, द्वादश ज्योतिर्लिंगों में इसे 9वें ज्योतिर्लिंग के रूप में जाना जाता है। देवघर स्थित बैजनाथ धाम भगवान भोलेनाथ का एकमात्र मंदिर है। जहां शिव और शक्ति दोनों एक साथ विराजमान हैं इसलिए इसे शक्तिपीठ के नाम से भी जाना जाता है। मान्यताओं के मुताबिक बाबा बैद्यनाथ धाम में ही माता सती का हृदय कटकर गिरा था इसलिए इसे ही हृदयपीठ के रूप में भी जाना जाता है।

देवघर स्थित विश्व प्रसिद्ध बैद्यनाथ मंदिर एकमात्र ऐसा मंदिर है जिसका जुड़ाव लंकापति दशानन रावण से है, रावण से जुड़ाव के कारण बैधनाथ धाम स्थित भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग को रावणेश्वर बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है।

रावण ने किया था भगवान शिव से लंका चलने का आग्रह

पौराणिक कथाओं के अनुसार लंकापति रावण भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए एक के बाद एक अपनी सर की बलि देकर शिवलिंग पर चढ़ा रहे थे, एक के बाद एक कर दशानन रावण ने भगवान के शिवलिंग पर 9 सिर काट कर चढ़ा दिए, जैसे ही दशानन दसवें सिर की बलि देने वाला था वैसे ही भगवान भोलेनाथ प्रकट हो गए। भगवान ने प्रसन्न होकर दशानन से वरदान मांगने को कहा, इसके बाद वरदान के रूप में रावण भगवान शिव को लंका चलने को कहते हैं। उनके शिवलिंग को लंका में ले जाकर स्थापित करने का वरदान मांगते हैं, भगवान रावण को वरदान देते हुए कहते हैं कि जिस भी स्थान पर शिवलिंग को तुम रख दोगे मैं वहीं पर स्थापित हो जाऊंगा।

रावण को रोकने के लिए भगवान विष्णु ने लिया चरवाहे का रूप

भगवान भोलेनाथ शिवलिंग को लंका ले कर जा रहे रावण को रोकने के लिए सभी देवों के आग्रह पर मां गंगा रावण के शरीर में प्रवेश कर जाती है। जिस कारण उन्हें रास्ते में जोर की लघुशंका लगती है, इसी बीच भगवान विष्णु वहां एक चरवाहे के रूप में प्रकट हो जाते हैं, जोर की लघु शंका लगने के कारण रावण धरती पर उतर जाता है और चरवाहे के रूप में खड़े भगवान विष्णु के हाथों में शिवलिंग देकर यह कहता है कि इसे उठाए रखना जब तक में लघु शंका कर वापस नहीं लौट आता।

इधर मां गंगा के शरीर में प्रवेश होने के कारण लंबे समय तक रावण लघुशंका करता रहता है। इसी बीच चरवाहे के रूप में मौजूद बच्चा भगवान भोलेनाथ की शिवलिंग का भार नहीं सहन कर पाता और वह उसे जमीन पर रख देता है। लघुशंका करने के उपरांत जब रावण अपने हाथ धोने के लिए पानी खोजने लगता है जब उसे कहीं जल नहीं मिलता है तो वह अपने अंगूठे से धरती के एक भाग को दबाकर पानी निकाल देता है। जिसे शिवगंगा के रूप में जाना जाता है। शिव गंगा में हाथ धोने के बाद जब रावण धरती पर रखे गए शिवलिंग को उखाड़ कर अपने साथ लंका ले जाने की कोशिश करता है तो वो ऐसा करने असमर्थ हो जाता है। इसके बाद आवेश में आकर वह शिवलिंग को धरती में दबा देता है जिस कारण बैधनाथ धाम स्थित भगवान शिव की स्थापित शिवलिंग का छोटा सा भाग ही धरती के ऊपर दिखता है, इसे रावणेश्वर बैधनाथ ज्योतिर्लिंग के नाम से भी जाना जाता है।

सावन के महीने में देवघर में लगता है श्रावणी मेला

मान्यताओं के अनुसार जो भी भक्त कांधे पर कांवर लेकर सुल्तानगंज से जल उठा कर पैदल भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर जलाभिषेक करता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है, इसीलिए ऐसी मनोकामना लिंग के रूप में भी जाना जाता है। सावन के महीने में हर दिन लाखों श्रद्धालु की भीड़ सुल्तानगंज से जल उठा कर कांवर में जल भरकर पैदल 105 किलोमीटर की दूरी तय कर देवघर स्थित बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलाभिषेक करते हैं , सावन के महीने में देवघर में लगने वाली विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला देश की सबसे लंबे दिनों तक चलने वाली धार्मिक आयोजनों में से एक है।

सावन शिवरात्रि पर 5 राशिवाले रहें सतर्क

सावन शिवरात्रि श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। इस बार सावन शिवरात्रि 15 जुलाई दिन शनिवार को मनाई जाएगी। सावन शिवरात्रि के दिन 5 राशि के जातकों को सतर्क रहने की जरूरत होगी क्योंकि वाद-विवाद, क्रोध, तनाव आदि से काम खराब हो सकता है। चिंता और तनाव से सेहत पर नकारात्मक असर हो सकता है। जीवन में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में शिव मंत्र का जाप आपके लिए कल्याणकारी हो सकता है।

सावन शिवरात्रि 2023 राशियों पर नकारात्मक प्रभाव

मेषः सावन शिवरात्रि पर मेष राशि के जातक अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें। व्यवहार और भाषा पर संयम बरतें, नहीं तो किसी से वाद-विवाद हो सकता है। इस दिन चिंता के कारण तनाव बढ़ सकता है। आत्मविश्वास और उत्साह में कमी हो सकती है। भावनात्मक रूप से मजबूत बने रहने की जरूरत है। ओम **नमः** शिवाय मंत्र का जाप करें।

मिथुनः आपकी राशि के जातकों को सावन शिवरात्रि पर अपनी सेहत को लेकर सावधान रहना चाहिए। पारिवारिक जीवन तनावपूर्ण हो सकता है क्योंकि किसी सदस्य से वाद-विवाद होने की आशंका है। फिजूलखर्च के कारण आर्थिक स्थिति तनाव दे सकती है। चिंता और तनाव से मुक्ति के लिए योग और प्राणायाम कर सकते हैं। ओम नमः शिवाय कालं महाकाल कालं कृपालं ओम नमः मंत्र का जाप कल्याणकारी रहेगा।

तुलाः सावन शिवरात्रि पर आपको बिजनेस में फायदा हो सकता है लेकिन सेहत खराब हो सकती है। बाहर का खानपान आपके लिए हानिकारक हो सकता है। योजनाएं अटकने से मन खिन्न रह सकता है। उत्साह में कमी रहेगी और काम में मन नहीं लगेगा। समय पर काम न होने से आत्मविश्वास कमजोर होगा। ओम नमः शिवाय मंत्र के जाप से कल्याण होगा।

वृश्चिकः आपकी राशि के जातक सावन शिवरात्रि पर कोई भी नया बिजनेस या प्रोजेक्ट का प्रारंभ न करें। बिजनेस से जुड़े जातकों को निवेश भी बहुत सोच-समझकर करना चाहिए। इस दिन आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। काम में तनाव का स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। ओम हौम ओम जूं सः मंत्र जाप से शुभ फल मिलेगा।

मीनः सावन शिवरात्रि पर आप कल्पना लोक में रह सकते हैं। वास्तविक चीजों को छोड़कर आप ख्याली पुलाव बनाने में समय बर्बाद करेंगे। वास्तविकता से दूरी आपको बाद में परेशान कर सकती है। हालांकि रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए यह दिन अच्छा कहा जा सकता है। ओम नमो शिवाय गुरु देवाय नमः मंत्र का जाप करें।

नारद कुंड में स्नान के बाद आरंभ होता है नया जीवन

उत्तराखंड के चमोली जिले में अलकनंदा के बाएं तट पर भारत के चार धामों में से एक धाम बद्रीनाथ धाम मौजूद है। यहां से लगभग 100 मीटर की दूरी पर गर्म कुण्ड या तप्त कुंड के नीचे की ओर और अलकनंदा के ऊपरी छोर पर नारद कुंड स्थित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवर्षि नारद ने 6000 वर्षों तक कठोर तप किया था। साथ ही भगवान विष्णु ने भी काफी लंबे समय तक यहां निवास किया था। इस कुंड का बद्रीनाथ धाम से भी गहरा नाता है। क्योंकि इसी कुंड से भगवान विष्णु की प्रतिमा को निकालकर आदि गुरु शंकराचार्य ने मंदिर में स्थापित किया था।

नारद कुंड की महत्ता के बारे में स्कंदपुराण में लिखा गया है कि इस कुंड के दर्शन एवं आचमन मात्र से ही मनुष्य जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाता है। साथ ही यहां किए गए अच्छे काम करोड़ों गुना अधिक फलदायी माने जाते हैं। देवर्षि नारद ने इसी कुंड में 6000 वर्षों तक कठोर तप साधना की थी, जिसका ही फल स्वरूप है कि उन्हें देवर्षि की उपाधि मिली।

नारद कुंड में पिंडदान का महत्व भगवान विष्णु ने भी लंबे समय तक यहां निवास किया था, जिस कारण इस कुंड को क्षीर सागर भी कहा जाता है। साथ ही द्वापर युग में ब्रह्मा जी द्वारा इसी नारद कुंड में भगवान विष्णु का चतुर्भुज विग्रह स्थापित किया था। जिसे बाद में आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा पुनः मंदिर में प्रतिस्थापित किया। इस स्थान पर पिंडदान के बाद पितरों को विष्णु लोक की प्राप्ति हेतु उनकी प्रतिमाएं बनाकर विसर्जित की जाती हैं। साथ ही इस क्षेत्र में भगवान विष्णु के नित्य वास करने के कारण इस स्थान को विष्णुपदी भी कहा जाता है। साथ ही यहां से गंगाजल को पवित्र पात्र को घर ले जाने का विशेष पुण्य मिलता है।

क्यों मिली थी नारद मुनि को देवर्षि की उपाधि यहां के पुजारी सुभाष डिमरी बताते हैं कि आदि गुरु शंकराचार्य ने भगवान नारायण की प्रतिमा इसी नारद कुंड से निकालकर मंदिर के गर्भ गृह में स्थापित की थी और ऋषि नारद ने लंबे समय तक इस स्थान पर तप किया था, जिसके फलस्वरूप उन्हें देवर्षि की उपाधि प्राप्त हुई थी। उन्होंने बताया कि नारद कुंड गर्म जिसे तप्त कुण्ड भी कहा जाता है, के नीचे की तरफ है, जहां रास्ता फिसलन से भरा होता है। जिस कारण बरसात में श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए कुंड में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होती है। गर्म कुंड में स्नान के बाद ही श्रद्धालु साफ और स्वच्छ हृदय से भगवान नारायण के दर्शन करते हैं।

सूर्य से शनि तक, नवग्रहों की शांति के लिए सावन में जरूर करें ये उपाय

भगवान शिव ही सृष्टि के नियंत्रक हैं। उनकी उपासना से हर चीज को नियंत्रित किया जा सकता है। किसी भी ग्रह नक्षत्र को आसानी से शांत भी किया जा सकता है। सावन में थोड़े से प्रयास से किसी भी ग्रह की समस्या को आसानी से दूर किया जा सकता है। यदि आप भी किसी ग्रह दोष से परेशान हैं तो सावन में शिवजी की पूजा और कुछ अचूक उपाय आपको राहत दे सकते हैं।

सूर्य देव- सावन के किसी भी रविवार को जल में गुड़ मिलाकर शिवलिंग पर अर्पित करें। शिवलिंग पर गुड़हल का पुष्प अर्पित करें। ॐ आदित्याय नमः का जप करें

चंद्रमा- सावन में किसी भी दिन शिवलिंग पर पंचामृत अर्पित करें। इसके बाद सफेद फूल भी अर्पित करें। इसके बाद ॐ सोम सोमाय नमः का जाप करें।

मंगल- सावन में किसी भी मंगलवार को शिवलिंग पर शहद और जल अर्पित करें। **लाल पुष्प भी अर्पित करें। ॐ अं अंगारकाय नमः** का जप करें और कपूर से महादेव की आरती करें।

बुध- सावन में किसी भी बुधवार को शिवलिंग पर बेल पत्र अर्पित करें। साथ ही सुगंधित जलधारा भी अर्पित करें। इसके बाद ॐ बुं बुधाय नमः का जप करें।

बृहस्पति- सावन में किसी भी गुरुवार को शिवलिंग पर जल अर्पित करें। वेदी पर हल्दी लगाएं। **ॐ बृं बृहस्पतये नमः** का जाप करें और पीली मिठाई का भोग भी लगाएं।

शुक्र- सावन में किसी भी शुक्रवार को करें। शिवलिंग पर जरा सा दूध और जल अर्पित करें। सफेद सुगंधित फूल अर्पित करें और ॐ शुं शुक्राय नमः का जप करें।

शनि- सावन में किसी भी शनिवार को शिवलिंग पर गन्ने का रस अर्पित करें। इसके साथ ही नीले फूल अर्पित करें। ॐ शं शनैश्चराय नमःश का जप करें। शिव जी के मंदिर में घी का दीपक जलाएं।

राहु-केतु

सावन में किसी भी बुधवार को करें। शिवलिंग पर जल की धारा अर्पित करें। साथ ही महादेव को भांग धतूरा अर्पित करें। ॐ रां राहवे नमः तथा ॐ कें केतवे नमः का जप करें। शिव जी के मंदिर में ध्वजा अर्पित करें।

अनमोल वचन

**अपने अंदर के डर को आज ही खत्म कर दो,
वरना कल यही डर आपको खत्म कर देगा !**

**नीयत कितनी भी अच्छी हो,
दुनिया आपको आपके दिखावे से जानती है,
और दिखावा कितना भी अच्छा हो,
उपरवाला आपको नीयत से जानता है !**

**ताश का जोकर और अपनों की ठोकर,
अक्सर बाजी घुमा देते है !
जो झुक सकता है वह सारी दुनिया को,
झुका भी सकता है ।**

सावन में सुहागिनें क्यों पहनती हैं हरी चूड़ियां और कपड़े?

भगवान भोलेनाथ के प्रिय महीने सावन की शुरुआत हो गई है। इस महीने भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करना बेहद फलदायी माना जाता है। ऐसा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और अपने भक्तों की मुरादें पूरी करते हैं। यह महीना सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास माना जाता है। इस महीने सुहागिनें हरी चूड़ियां और कपड़ों को पहनती हैं। माना जाता है कि इस रंग की चूड़ियां और कपड़े पहनने से परिवार में खुशहाली बनी रहती है। इस पूरे महीने सुहागिन महिलाएं हरे रंग की चूड़ियां और वस्त्र धारण करके भगवान शिव से पति की दीर्घायु की कामना करती हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए महिलाएं इस खास रंग के वस्त्र धारण करती हुई आ रही हैं। हैं इसके महत्व के बारे में-

हरा रंग सुहागिनों के सौभाग्य का प्रतीक

पंडित ऋषिकांत मिश्र के मुताबिक, सावन को हरियाली का महीना भी माना जाता है। क्योंकि बारिश आते ही पेड़-पौधे ही नहीं पूरी धरती हरी-भरी नजर आने लगती है। देखने में ऐसा लगता है कि मानो धरती ने हरे रंग में श्रृंगार कर लिया हो। शास्त्रों में भगवान शिव को योगी भी कहा जाता है। योगी होने से उन्हें प्रकृति की सुंदरता के बीच हरियाली में ध्यान लगाकर बैठना पसंद है। इसी के चलते मान्यता है कि हरा रंग महादेव को बेहद प्रसन्न है। इस महीने सुहागिन महिलाएं हरे रंग की चूड़ियां और कपड़े पहनती हैं, क्योंकि हरा रंग सुहागिनों के सौभाग्य का प्रतीक होता है। माना जाता है कि इस महीने हरे रंग को धारण कर भगवान शिव की पूजा करने से परिवार का कल्याण होता है। इसके साथ ही इस महीने पूजा करने से भगवान शिव और विष्णु का भी आशीर्वाद मिलता है। हरे रंग को प्रेम, प्रसन्न और खुशी का प्रतीक माना जाता है। इसके चलते महिलाएं सावन में हरे रंग की चूड़ियां और अन्य श्रृंगार करके प्रकृति को धन्यवाद देते हुए अपनी खुशी का इजहार करती हैं। बता दें कि, हरा रंग सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है, जिसके चलते इस माह लोग हरे रंग के वस्त्रों का धारण करते हैं। इस महीने भगवान शिव की पूजा करने से माता पार्वती और भगवान विष्णु का भी विशेष आशीर्वाद मिलता है। इस माह महिलाएं चूड़ी-कपड़ों के साथ ही हाथों में मेहंदी भी लगाती हैं।

कांच की चूड़ियां पहनने की विशेषता

सावन में भगवान शिव का आशीर्वाद पाने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। इस पवित्र महीने में हरे वस्त्र और हरी चूड़ियां पहनने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। बता दें कि, कांच की चूड़ियां पहनने से उनसे आने वाली आवाज से आसपास की निगेटिविटी समाप्त होती है और नई ऊर्जा का संचार होने लगता है।

प्रभास स्टारर सालार की डील अटकी : थिएट्रिकल राइट्स के लिए 200 करोड़ मांग रहे मेकर्स

खरीददार मेकर्स को इतना बड़ा अमाउंट पे करने के लिए तैयार नहीं

प्रभास की अगली फिल्म 'सालार' से जुड़ी एक अपडेट सामने आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के थिएट्रिकल राइट्स की डील अटक गई है। इसकी वजह यह है कि मेकर्स ने फिल्म के लिए 200 करोड़ रुपए की डिमांड की है। हालांकि, अभी तक इस मामले पर मेकर्स की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सालार के मेकर्स ने थिएट्रिकल राइट्स के लिए जितने करोड़ की मांग की है, उतना ही पैसा 'आरआरआर' के मेकर्स को दिया गया था। बड़ी बात यह है कि सालार का बजट भी 200 करोड़ ही है।

इतना अमाउंट पे करने को तैयार नहीं खरीददार

फिल्म के राइट्स के लिए मेकर्स ने तेलंगाना में 72 करोड़, सीडेड डिस्ट्रिक्ट में 35 करोड़ और आंध्र रीजन में 90 करोड़ रुपए की डिमांड की है। हालांकि, खरीददार मेकर्स को इतना बड़ा अमाउंट को पे करने के लिए तैयार नहीं है। इसकी बड़ी वजह प्रभास की पिछली फिल्मों के प्रदर्शन को माना जा रहा है।

फ्लॉप रहीं पिछली तीन फिल्में

भले ही प्रभास पैन इंडिया स्टार हैं पर उनकी पिछली तीन फिल्में 'साहो', 'राधेश्याम' और 'आदिपुरुष' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही हैं। प्रभास को अपने करियर में स्टारडम बाहुबली फ्रेंचाइज से मिला था। उनकी आखिरी हिट फिल्म 2017 में रिलीज हुई 'बाहुबली 2' थी।

28 सितंबर को रिलीज होगा फर्स्ट पार्ट

सालार को 'केजीएफ' फेम डायरेक्टर प्रशांत नील ने ही डायरेक्ट किया है। हाल ही में इसका टीजर रिलीज हुआ जिसे फैंस ने काफी पसंद किया। फिल्म का पहला पार्ट 28 सितंबर को रिलीज होगी। इसमें प्रभास के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन, टीनू आनंद और जगपति बाबू जैसे एक्टर्स नजर आएंगे।

लगातार फ्लॉप फिल्मों के बीच अक्षय ने घटाई फीस 50 से 100 करोड की जगह चार्ज किए 35 करोड़ रुपए

अक्षय कुमार इन दिनों करियर के बुरे दौर से गुजर रहे हैं। पिछले काफी समय से एक्टर के हाथ 1 भी हिट फिल्म नहीं लगी है। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर खराब परफॉर्मेंस का असर खिलाड़ी कुमार की फीस पर भी पड़ा है। हाईफाई फीस चार्ज करने वाले एक्टर्स की लिस्ट में टॉप पर रहने वाले अक्षय ने लगातार फ्लॉप फिल्मों के चलते अपनी फीस घटा ली है।

फिल्म के लिए अक्षय ने 35 करोड़, पंकज त्रिपाठी ने चार्ज किए 5 करोड़ रुपए

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर ने अपनी फीस में बड़े पैमाने पर कटौती की है। हर फिल्म के लिए 50- 100 करोड़ तक फीस लेने वाले अक्षय ने लगातार फ्लॉप फिल्में देने के कारण फिल्म ओएमजी 2 के लिए 35 करोड़ रुपए चार्ज किए हैं। वहीं, खबरें हैं कि फिल्म के लीड एक्टर पंकज त्रिपाठी ने ओएमजी 2 के लिए 5 करोड़ रुपए की फीस ली है, जबकि एक्ट्रेस यामी गौतम ने अपने रोल के लिए 2-3 करोड़ रुपए लिए हैं।

हिट की तलाश में हैं अक्षय कुमार

लंबे समय से अक्षय की कोई भी फिल्म बॉक्सऑफिस पर अच्छा कलेक्शन नहीं कर पाई है। हाल ही में उनकी फिल्म सेल्फी ने सिर्फ16.85 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। जबकि राम सेतु ने 71.87 करोड़ कमाए थे। एक्टर की फिल्म रक्षाबंधन भी ऑडियंस को इम्प्रेस करने में नाकामयाब रही थी। फिल्म ने कुल 44.98 करोड़ का कलेक्शन किया था। अक्षय की फिल्म सम्राट पृथ्वीराज भी बुरी तरह से क्रिटिसाइज की गई थी। फिल्म ने 68.05 करोड़ की कमाई की थी। साथ ही एक्टर की फिल्म बच्चन पांडे ने महज 49 करोड़ रुपए कमाए थे। ऐसे सूर्यवंशी के बाद से एक्टर के हाथ एक भी हिट फिल्म नहीं लगी है।

सेंसर बोर्ड ने फिल्म ओएमजी 2 की रिलीज पर रोक लगा दी है। सेंसर बोर्ड ने फिल्म को रिव्यू कमेटी के पास भेजा है। रिव्यू कमेटी के विचार के बाद बोर्ड इस फिल्म का भविष्य तय करेगा। हालांकि, अभी फिल्म के लिए बैन शब्द का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

आदिपुरुष की रिलीज के बाद हुए विवाद को देखते हुए मेकर्स ने यह फैसला लिया है। फिल्म का टीजर 11 जुलाई को रिलीज किया गया था। एक तरफ जहां कई लोगों अक्षय शिव के अवतार में बेहद पसंद आ रहे हैं, तो वहीं कई लोग टीजर में ट्रेन के पानी से भगवान शिव का अभिषेक देखकर भड़के हुए हैं। लोगों के ट्वीट के जरिए फिल्म पर गुस्सा निकाला है।

शेखर कपूर की 'बेवफाई' पर पहली पत्नी ने कह दी चुभने वाली बात, सफाई में फिल्ममेकर बोले- आखिरकार मैं इंसान हूं...

एक्ट्रेस और सिंगर सुचित्रा कृष्णमूर्ति अपने हालिया इंटरव्यू के बाद चर्चाओं में आ गई हैं. दरअसल इस इंटरव्यू में सुचित्रा ने एक्स हसबैंड शेखर कपूर के साथ अपनी शादीशुदा जिंदगी के असफल होने पर बात की. एक्ट्रेस ने शेखर कपूर को 'बेवफा' बताया. साथ ही उन्होंने प्रीति जिंटा को कभी माफ ना करने की बात भी कही. अब इसी बीच शेखर कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर करते हुए अपनी फीलिंग्स बताई हैं.

कविता में लिखीं सभी बातें

शेखर कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक कविता शेयर की. जिसमें उन्होंने खुद को केवल एक इंसान बताया. साथ ही उन्होंने इस पोस्ट में इस बात की ओर इशारा किया कि इंसान ईर्ष्यालु, आहत और भ्रमित हो सकता है. शेखर ने इस कविता में दयालु, रचनात्मक और आध्यात्मिक होने की बात भी कही.

शेखर के साथ अपनी शादी पर बात करते हुए सुचित्रा ने बॉलीवुड ठिकाना से कहा, 'मेरे माता-पिता इस शादी के खिलाफ थे, क्योंकि शेखर उस समय मेरी मां की उम्र के थे और उनका तलाक हो चुका था और वो फिल्म इंडस्ट्री से थे. मेरी मां मेरे पैरों में गिर गईं और मुझसे ये शादी नहीं करने की विनती करने लगीं थीं. उन्होंने मुझसे अफेयर करने और इसे अपने दिमाग से बाहर निकालने के लिए कहा भी कहा था, लेकिन मुझे यकीन था कि मैं यही चाहती हूं और ये कुछ ऐसा है, जिसे मैंने खुद किया है.'

बेइज्जती की वजह से टूटती हैं शादियां

सुचित्रा ने आगे बताया, गर्भवती होने के बाद मैं कुछ सालों तक रुकी, लेकिन फिर मैंने खुद से कहा कि भूल जाना ही सही है, मुझसे नहीं होगा. वहीं शेखर की बेवफाई के बारे में बात करते हुए सुचित्रा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि शादियां बेवफाई की वजह से टूटती हैं, बेइज्जती की वजह से टूटती हैं.

आखिर चल ही गया उर्फी के अतरंगी फैशन का जादू एकता कपूर की फिल्म से करेंगी बॉलीवुड डेब्यू!

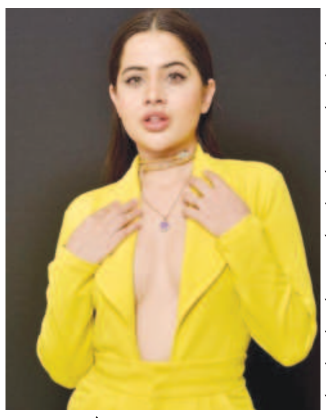

इंटरनेट सेंसेशन उर्फी जावेद ने एक बार फिर से सोशल मीडिया की सारी लाइमलाइट अपनी तरफ खींच ली है. लेकिन इस बार वजह कोई नई अतरंगी ड्रेस वजह नहीं बल्कि इस बार उर्फी बॉलीवुड डेब्यू को लेकर चर्चाओं में आ गई हैं. ऐसी खबरें अचानक ही इंटरनेट पर वायरल होने लग गई हैं कि बोल्डनेस क्वीन उर्फी जावेद अब फिल्मी दुनिया में एकता कपूर के अपकमिंग प्रोजेक्ट लव सेक्स और धोखा 2 से कदम रखने जा रही हैं. हालांकि ना तो एकता कपूर की तरफ से इस बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी सामने आई है और ना ही उर्फी जावेद की तरफ से कोई स्टेटमेंट दिया गया है. एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म लव, सेक्स और धोखा 2 की टीम की तरफ से उर्फी जावेद से संपर्क साधा गया है. रिपोर्ट की मानें तो उर्फी से जुड़े एक सोर्स का कहना है कि उर्फी से लव सेक्स और धोखा 2 के लिए कॉन्टेक्ट किया गया है क्योंकि वह फिल्म के लीड के लिए एकदम फिट हैं. और उर्फी इस फिल्म को अपने बॉलीवुड डेब्यू के तौर पर ले सकती हैं. एकता कपूर की अपकमिंग फिल्म एलएसडी 2 से उर्फी जावेद का नाम जुड़ते ही सोशल मीडिया पर फिल्म के लिए अलग ही लेवल का क्रेज बन गया है.

टीवी की इस एक्ट्रेस की खुली किस्मत, शाहरुख खान और सलमान खान की फिल्मों में आएंगी नजर

रिद्धि डोगरा टेलीविजन इंडस्ट्री का वो चेहरा हैं जो किसी पहचान की मोहताज नहीं. एक्ट्रेस ने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से किया है. उन्होंने टीवि की दुनिया में नाम और शौहरत कमाने के बाद बॉलीवुड में कदम रखा है. धीरे-धीरे ही सही आखिरकार रिद्धि अपने सपनों के करीब पहुंच रही हैं. बॉलीवुड इंडस्ट्री में वो अपनी लगातार मौजूदगी दर्ज कराने में सफल दिखाई दे रही हैं. हाल ही में, एक्ट्रेस ने जवान में शाहरुख खान के साथ और टाइगर 3 में सलमान खान के साथ काम करने का अनुभव साझा किया. उन्होंने साथ ही इस बात पर चर्चा कि कैसे एक अभिनेता के रूप में इन अवसरों ने उनकी जिंदगी बदल दी है.

रिद्धि ने किया बड़ा खुलासा

रिद्धि ने इंटरव्यू में खुलासा किया कि ऐसे बड़े नाम, चेहरे के साथ काम करने के अवसर को लेकर वो शुरुआत में कितनी डरी हुई थीं लेकिन बाद में एक्ट्रेस को इस बात का एहसास हुआ कि दोनों खान बेहद दयालु और मिलनसार हैं. उन्होंने बताया कि कैसे शाहरुख और सलमान ने अपने परिवार के सदस्य जैसा उन्हें महसूस कराया. साथ ही, उनके दयालु और मजाकिया व्यवहार के कारण वो सहज बनी, जिससे उन्हें अपने काम में पूरी तरह से डूबने का मौका मिला और वो अपने काम में अपना 100 % दे पाई।

बड़े पर्दे पर छाएगी छोटे पर्दे की बहू

रिद्धि डोगरा के करियर के ग्राफ को देखते हुए ये कहना गलत नहीं होगा कि बॉलीवुड में एक उनका उज्ज्वल और लंबे समय तक करियर चलना तय है, इसकी वजह उनकी कुशलता, बढ़ा हुआ आत्मविश्वास और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ काम करने का अनुभव है. ये कहना गलत नहीं होगा कि रिद्धि ने बॉलीवुड में बाजी मार ली है. हर किसी का सपना होता है शाहरुख और सलमान खान के साथ काम करना और ये सपना ही रह जाता है. ऐसे में रिद्धि के टैलेंट ने एक अच्छा आधार स्थापित किया है. लोग भी हसीना को बड़े पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्सुक हैं।

शाहरुख खान से कभी नहीं मिलना चाहते हैं उनके हमशक्ल इब्राहिम कादरी

बॉलीवुड के किंग खान अपने खास अंदाज के लिए दुनियाभर में जाने जाते हैं. शाहरुख खान को फैंस बहुत पसंद करते हैं. शाहरुख खान के करोड़ों चाहने वाले हैं. शाहरुख खान के साथ उनके हमशक्ल को भी फैंस उतना ही प्यार करते हैं. शाहरुख खान के हमशक्ल इब्राहिम कादरी की लाइफ किसी फिल्म से कहानी नहीं है. इब्राहिम सोशल मीडिया पर खूब रील्स वायरल होते हैं. इब्राहिम और शाहरुख खान के बीच फैंस कई बार धोखा खा जाते हैं. हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था जिसमें वह एयरपोर्ट पर शाहरुख खान की तरह बाहें फैलाए नजर आए थे. इब्राहिम आजतक शाहरुख से नहीं मिले हैं और उन्होंने खुलासा किया है कि वह किंग खान से मिलना भी नहीं चाहते हैं.

इब्राहिम ने कहा- मैं पहले समानता को गंभीरता से नहीं लेता था. रईस के बाद ही मैंने इसे गंभीरता से लिया. मैं केवल 10 प्रतिशत ही शाहरुख सर से मिलता-जुलता हूं, लेकिन फिर मैंने अपने शरीर और बालों, तौर-तरीकों पर काम किया. अब मैं कहूंगा कि यह 30 प्रतिशत है. अभी उनकी तरह दिखने के लिए काफी समय लगेगा.

इवेंट में बुलाते हैं लोग

इब्राहिम ने आगे कहा- दुनियाभर से लोग उन्हें इवेंट में इनवाइट करते हैं. उनकी जिंदगी पहले से आसान और कंफर्टेबिल बन गई है लेकिन हर चीज का एक प्राइज होता है. मुश्किल हो गया है मेरा भीड़ में जाना, लोग मुझे ऑरिजिनल समझने लगते हैं. प्यार तो मिलता है लेकिन मेरा दिन-ब-दिन काम मुश्किल हो जाते हैं. शॉपकीपर मुझसे ज्यादा चार्ज करते हैं और कहते हैं अरे भाईया तुम तो शाहरुख खान, कैसे समझाऊं उन्हें.साथ ही, अब मुझे इसका भार भी महसूस हो रहा है. मुझे दिमाग में रखना पड़ता है कि मैं कुछ ऐसा ना करुं जिसेस शाहरुख खान की इमेज को नुकसान पहुंचे. वह ग्लोबल स्टार हैं. मुझ अपने साथ कई बार सिक्योरिटी रखनी पड़ती है.

नहीं मिलना चाहते शाहरुख खान से

शाहरुख खान की तरह दिखने वाले इब्राहिम आजतक किंग खान से नहीं मिले हैं और उनकी इच्छा भी नहीं है. इब्राहिम ने इसके जवाब में कहा- मुझे लगता है मैं जिस दिन सिर से मिला, सब कुछ खत्म हो जाएगा. जब आपके पास फरारी नहीं होती है तो आप वो लेना चाहते हैं और जब आप उसे खरीद लेते हैं तो उसे गैराज में रख देते हैं और बाइक पर घूमते हैं.

क्रेज खत्म हो जाएगा मेरा, जोश भी. अगर वह खुद से कहेंगे कि उन्हें मुझसे मिलना है तो मैं जरुर मिलूंगा लेकिन मैं खुद से उनसे मिलना नहीं चाहता.

जॉन अब्राहम संग ऑनस्क्रीन रोमांस करती दिखेंगी तमन्ना

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इस समय अपनी सीरीज़ 'जी करदा' को लेकर चर्चा में हैं. एक बेहतरीन परफ़ॉर्मर होने के नाते उन्होंने अपनी एक्टिंग स्किल्स का प्रमाण इस शो में प्रदर्शित किया है. वहीं दूसरी ओर एक्शन स्टार जॉन अब्राहम पठान में एक विलेन की भूमिका में नज़र आये, जिसने इंडस्ट्री में खलनायक की एक अलग ही पहचान बना दी. इन दो प्रतिभाशाली एक्टर्स को स्क्रीन पर देखना किसी विजुअल ट्रीट से कम नहीं होगा और इसी को लेकर सूत्रों के अनुसार एक दिलचस्प अपडेट का खुलासा किया गया है.

सूत्र के हवाले से तमन्ना भाटिया को एक नए प्रोजेक्ट में जॉन अब्राहम के साथ देखा जाएगा. समय के साथ प्रोजेक्ट्स से जुड़े और भी डिटेल्स जल्द ही सामने आएंगे. फ़िल्म का निर्देशन लोकप्रिय निर्देशक निखिल आडवाणी कर रहे हैं. इसी के साथ ही तमन्ना ने अपने फैंस के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं जिसमें वे जॉन अब्राहम के साथ दिखाई दीं. तमन्ना ने इस पोस्ट में अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में अनाउंसमेंट की है. देखें..

तमन्ना ने जो पोस्ट शेयर किया है उसमें तमन्ना के एक तरफ जॉन अब्राहम और दूसरी तरफ फिल्म के निर्देशन निखिल आडवाणी खड़े दिख रहे हैं. तमन्ना ने इस पोस्ट पर अपनी अपकमिंग फिल्म का नाम भी उजागर किया है. तमन्ना ने कैप्शन में लिखा- 'बहुत थ्रिल और एक्साइडेट हूं अपनी इस नई जर्नी को शुरू करने के लिए . वेदा फैमिली फॉर अ वेरी स्पेशल रोल. इंतजार नहीं हो रहा है इतनी कमाल की और बेहतरीन टीम के साथ काम करने का.'

खैर यह दिलचस्प इनसाइड इन्फॉर्मेशन ने जॉन अब्राहम और तमन्ना भाटिया को एक साथ स्क्रीन पर देखने की उत्सुकता को बढ़ा दिया है. यह पहली बार होगा जब दोनों एक साथ सिल्वर स्क्रीन पर साथ दिखाई देंगे. एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह अब जेलर, भोला शंकर, बांद्रा जैसी कई फिल्मों में दिखाई देंगी, जो इसी साल रिलीज होने के लिए तैयार हैं.

कभी-कभी सलमान देर रात मेरे घर आते थे...

ड्रिंक करते थे, मशहूर एक्ट्रेस ने खुद कबूला, अफेयर का राज भी खोला

सलमान खान बॉलीवुड के सुपरस्टार हैं और सबसे ज्यादा चर्चा में भी रहते हैं. वहीं एक बेहद फेमस एक्ट्रेस ने एक बार खुलासा किया था कि सलमान खान उनके घर देर रात आते थे और खूब ड्रिंक करते थे. दरअसल शिल्पा शेट्टी ने एक बार सलमान खान को लेकर दिलचस्प खुलासा किया था कि एक्टर कभी-कभी देर रात उनके घर आया करते थे. एक्ट्रेस ने इसकी वजह भी बताई थी और साथ ही एक्टर संग अपने डेटिंग रुमर्स को भी क्लियर किया था. बता दें कि शिल्पा शेट्टी और सलमान खान काफी अच्छे दोस्त हैं. एक दिन सलमान खान, शिल्पा शेट्टी को डिनर डेट पर ले जाने के लिए उनके घर पहुंचे थे इस दौरान उनकी मुलाकात एक्ट्रेस के पिता सुरेंद्र शेट्टी से हुई थी. सलमान ने भी अपने दस का दम शो में इस किस्से को सुनाते हुए बताया था, 'हमने डिनर डेट पर जाने का प्लान बनाया था. शिल्पा उस समय चेंबूर में रहती थीं. इसलिए मैं उसे लेने वहां गया था. मैंने अपनी कार पार्क की और वो नीचे आ गईं थीं. सलमान खान ने आगे कहा था, " मैंने ऊपर देखा तो शिल्पा के घर की बालकनी में लुंगी पहने एक 6 फीट 2 इंच का एक लंबा-चौड़ा आदमी खड़ा था. ये कोई और नहीं शिल्पा शेट्टी के पापा थे.

सलमान ने कहा था शिल्पा के पापा को देखकर पहले मैं थोड़ा डर गया था. सलमान ने याद किया कि फिर हिम्मत करके मैंने उनसे पूछा हैलो सर, आप कैसे हैं?' इसके बाद

उन्होंने फुल एटीट्यूड में कहा- 'मै ठीक हूं, 12 बजे तक इसे ले आना'. सलमान ने इसके जवाब में कहा- 'मैं उसे 11:30 तक वापस ले आऊंगा.'

इसके बाद सलमान खान जब शिल्पा को लेकर उनके घर वापस आए थे तो उन्होंने एक्ट्रेस के पिता के हाथ में एक ग्लास देखा और पूछा था कि क्या वे भी उनके साथ ड्रिंक में शामिल हो सकते हैं, क्योंकि उनके पास आधा घंटा है. इसके बाद सलमान ने बताया था कि मैं ऊपर आया, हमने बात करनी शुरू की. मुझे शिल्पा के पिता से बात कर काफी मजा आ रहा था. वहीं शिल्पा सोने चली गईं और मैं सुबह साढ़े पांच बजे उनके घर से वापस निकला था. ' वहीं इसी शो पर शिल्पा शेट्टी ने भी ये क्लीयर किया था कि उन्होंने कभी सलमान को डेट नहीं किया था, बल्कि सलमान ने उन्हें बस एक बार डिनर डेट ले गए थे.

वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2018 में शिल्पा शेट्टी ने खुलासा किया था कि उनके पिता का देहांत 2016 में हो गया था. वहीं जब सलमान को उनके पापा के निधन के बारे में पता चला था तो वो उनके घर आए और उस बार में बैठकर खूब रोये जहां दोनों मिलकर शराब पीते थे. एक्ट्रेस ने खुलासा किया था , 'मुझे याद है, वो कभी-कभी आधी रात को भी मेरे घर आ जाते थे, और तब तक मैं सो चुकी होती थी. फिर सलमान और मेरे पापा साथ बैठकर पेग लगाते थे.'

फिल्म/टीवी

हम आपके हैं कौन फिल्म के बाद सिर्फ भाभी के रोल ऑफर होते थे : रेणुका शहाणे

सलमान खान, माधुरी दीक्षित, रेणुका सहाने और मोनीष बहल स्टारर फिल्म 'हम आपके हैं कौन' की रिलीज को 3 दशक से ज्यादा का समय बीत चुका है। इसके बावजूद फैंस आज भी एक्ट्रेस रेणुका शहाणे को आदर्श भाभी के तौर पर देखते हैं। अब हाल ही में द कपिल शर्मा शो के दौरान रेणुका ने बताया कि फिल्म के बाद उनके पास भाभी के रोल के ऑफर्स आया करते थे। इतना ही नहीं रेणुका ने बताया कि उस वक्त लोग अपने भाई की शादी उनसे करवाना चाहते थे। दरअसल, रेणुका ने राजश्री प्रोडक्शंस की इस फैमिली ड्रामा फिल्म में सलमान खान की भाभी का किरदार निभाया था, जिसे खूब पसंद किया गया।

फिल्म के बाद रेणुका को मिलते थे भाभी के रोल के ऑफर

शो के दौरान कपिल शर्मा ने सबसे पहले पूजा का किरदार इतने दमदार तरीके से निभाने के लिए रेणुका की तारीफ की। कपिल बोले कि लोग भाभियों से रेणुका शहाणे जैसी होने की उम्मीद करने लगे थे।उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा- मेरी भाभी भी जब नई-नई घर पर आई थीं। तो मैंने भी सोचा था कि यह रेणुका शहाणे जैसा व्यवहार क्यों नहीं कर रही हैं?

कपिल ने एक्ट्रेस से पूछा कि क्या उन्हें फिल्म के बाद भाभी के रोल ऑफर किए मिलने लगे थे या शादी के ऑफर मिलने लगे? इस पर रेणुका ने कहा- भाभी के रोल के। सब अपने भाई की शादी मुझसे करवाना चाह रहे थे।

सीन के लिए सूरज बड़जात्या ने बनवाई थी स्पंज की सीढ़ी

शो में बातचीत करते हुए रेणुका ने फिल्म के उस फेमस सीन के बारे में भी बताया, जिसमें वह सीढ़ियों से गिर जाती हैं और फिल्म में जिस कारण उनकी मौत हो जाती है। शो के दौरान कपिल ने पूछा कि क्या वह सीन फिल्माते समय चोट लगने के बारे में परेशान थीं?

इस पर रेणुका ने जवाब दिया कि सीन ने डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने स्पंज की सीढ़ियां बनाई थी। यहां तक कि वह हर दो मिनट में आकर रेणुका से उनका हाल पूछा करते थे। एक्ट्रेस ने कहा- स्पंज की सीढ़ियां इतनी नर्म थीं कि मैं वाकई नीचे लुढ़कने वाले सीन को एंजॉय कर रही थी। मुझे दर्द दिखाने की एक्टिंग करनी पड़ रही थी, क्योंकि वह बेहद सॉफ्ट थीं।' यह सुनकर सेट पर मौजूद सभी कलाकार हंसने लगते हैं।

मैं पूजा भाभी नहीं हूं, मैं रेणुका हूं- रेणुका

इंटरव्यू में रेणुका ने हम आपके हैं कौन की पूजा भाभी के किरदार में टाइपकास्ट होने की बात कही थी।

उन्होंने कहा- मेरा वह किरदार बडे. पैमाने पर दर्शकों के दिमाग में इस तरह से बैठ गया कि, इसके बाद लोग मुझसे पूजा भाभी की तरह बर्ताव करने की अपेक्षा करते थे। सच तो यह है कि मैं असल जिंदगी में एक बिल्कुल अलग इंसान हूं।

मैं हमेशा दुनिया को वह परफेक्ट मुस्कान नहीं दे पाता, मुझे गुस्सा भी आत है। एक्साइटमेंट भी होती है और भी कई दूसरी तरह के इमोशन्स हैं । मेरे आसपास कई ऐसे लोग हैं जो अक्सर मुझसे कहते हैं- पूजा भाभी तो ऐसे बात नहीं करती हैं। इस पर मैं यही कहती हूं- क्योंकि मैं पूजा भाभी नहीं हूं, मैं रेणुका हूं।

जान्हवी से सेट पर बिल्कुल बात नहीं करते थे वरुण : बोले- सीन्स को बेहतर बनाने के लिए किया

वरुण धवन और जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बवाल को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच एक्टर ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि वो फिल्म के सेट पर जान्हवी से जानबूझकर बात नहीं कर रहे थे। वरुण ने बताया कि वो सेट पर सभी से घुल-मिलकर रहते थे, लेकिन उन्होंने शूटिंग के पहले 20 दिन अपनी को-एक्ट्रेस से जरा भी बात नहीं की।

एक्टर ने कहा कि उन्होंने फिल्म के सीन्स को रियल दिखाने के ऐसा कदम उठाया था। वरुण धवन ने बताया कि बाद में उन्होंने जान्हवी को अपने इस रवैये का कारण बताया, ताकि वो इस बात को पर्सनल न लें। बता दें कि वरुण और जान्हवी नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बनी रोमांटिक फिल्म एक साथ नजर आएंगा। फिल्म का प्रीमियर 21 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा।

मैं उनसे बिल्कुल भी बात नहीं करता था- वरुण

इंटरव्यू में वरुण ने कहा- शुरुआत में कम से कम पहले एक महीने के लिए जब हम सेट पर गए थे, तब मैंने यह कोशिश की थी कि मैं उनसे जरा सा भी बातचीत नहीं करूंगा। क्योंकि मुझे लगा बात करने से हम बहुत जल्द दोस्त बन जाएंगे। मैंने तय किया कि मुझे ऐसा करना होगा। मैं उनके अलावा बाकी सभी से बात करता था, लेकिन जानबूझकर उनसे बात करने से बचता था।

वरुण ने बोले- हमें जिस तरह के नेचुरल सीन करने थे, मुझे लगा कि ऐसा करने से वो सीन्स बेहतर होंगे। नितेश सर को इस बारे में नहीं पता था। लेकिन 20 दिन बाद मैंने जान्हवी को इस बारे में बता दिया। तब उन्होंने इस बात का अहसास हुआ। मैंने सोचा अगर मैं उन्हें इस बारे में नहीं बताता, तो उन्होंने इस बात को पर्सनली ले लिया था।

मैंने जान्हवी को बताया कि आखिर मुझे ऐसा क्यों करना पड़ा। मैंने कहा- देखिए मैंने ऐसा स्वार्थ को देखते हुए किया, लेकिन मुझे लगता है कि इससे उस समय हम दोनों को मदद मिली। दरअसल फिल्म में दिखाया गया है कि एक कपल धीरे-धीरे एक दूसरे के करीब आता है और एक दूसरे को जानता है। हम भी धीरे-धीरे एक दूसरे को जानने लगे, जो कि काफी दिलचस्प था।

बवाल के वर्ल्ड वॉर 2 एंगल पर बोले नितेश तिवारी

कुछ दिनों पहले मेकर्स ने बवाल का ट्रेलर रिलीज किया। हालांकि, लव स्टोरी में दूसरे विश्व युद्ध के कनेक्शन को देखकर फैंस कनफ्यूज हो गए। दरअसल, ट्रेलर के एक सीन वरुण धवन और जान्हवी कपूर गैस चैंबर के अंदर फंसे नजर आते हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में डायरेक्टर नितेश तिवारी ने इस कनेक्शन को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म के ड्राफ्ट में उन्होंने जलियांवाला बाग के होलोकॉस्ट का रेफरेंस दिया था। लेकिन बाद में सुजीत सरकार की फिल्म सरदार उधम सिंह के चलते बवाल से जलियांवाला बाग के कनेक्शन को हटाना पड़ा।

नितेश ने ट्रेलर में हो लो कॉ स्ट वाले सीन के बारे में बात करते हुए कहा- हमने इसके बारे में सोचा था। फिल्म में अपने देश में हुई ऐतिहासिक घटनाओं को दिखाना हमारे लिए आसान होता, लेकिन हमारे देश में ज्यादातर ऐतिहासिक युद्धों पर पहले से ही फिल्में बन चुकी हैं। अगर मैं फिल्म को उनसे कनेक्ट करता तो शायद स्क्रीन पर कुछ भी नया नहीं ला पाता। मेरी सबसे अहम बात यह थी कि इसमें कुछ नया था, जिसे देखने के लिए ऑडियंस एक्साइटेड हो।

पब्लिक के रिस्पॉन्स के बारे में बात करते हुए नितेश ने बताया कि सुजीत सरकार की फिल्म उधम सिंह के बाद उन्हें बवाल में कई बदलाव करने पड़े। उन्होंने कहा- पहले के एक ड्राफ्ट में जलियांवाला बाग का जिक्र था, जिसे मैंने उधम सिंह के आने के बाद हटा दिया। मुझे लगा कि अब यह कॉ न्से प्ट ताजा नहीं रहा।'

आरआरआर 2 पर काम शुरू, राजामौली नहीं होंगे डायरेक्टर

ब्लॉकबस्टर पैन-इंडिया फिल्म आरआरआर की सीक्वल आरआरआर 2 पर काम शुरू हो चुका है। हाल ही में फिल्म आरआरआर के स्क्रीनराइटर और डायरेक्टर एसएस राजामौली के पिता विजयेंद्र प्रसाद ने आरआरआर के अपकमिंग सीक्वल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म का काम पाइपलाइन में है। आरआरआर 2 में इस बार भी राम चरण और जूनियर एनटीआर लीड रोल में नजर आएंगे।

राजामौली नहीं होंगे आरआरआर 2 के डायरेक्टर

स्क्रीनराइटर विजयेंद्र प्रसाद ने ये भी बताया कि एसएस राजामौली फिल्म के सीक्वल के डायरेक्टर नहीं होंगे। हालांकि, राजामौली अब भी प्रोजेक्ट के साथ सुपरवाइजर रोल में जुड़े रहेंगे। उन्होंने ये भी बताया कि फिल्म के सीक्वल की कहानी पहली फिल्म से सीधे तौर पर नहीं जुड़ी रहेगी। लेकिन, फिल्म की स्टोरीलाइन इस बार भी ब्रिटिश राज और भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी हो सकती है।

राजामौली के दो प्रोजेक्ट्स के बाद शुरू होगी आरआरआर 2 की शूटिंग

तेलुगु टीवी चैनल से बात करते हुए विजयेंद्र प्रसाद ने ये भी बताया कि राजामौली और महेश बाबू मिलकर एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। वहीं, राजामौली महाभारत पर भी फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। इन दोनों प्रोजेक्ट्स के पूरे हो जाने के बाद ही आरआरआर 2 की शूटिंग शुरू होगी। टीवी चैनल से बात करते हुए विजयेंद्र प्रसाद ने बताया- हम आरआरआर के सीक्वल की तैयारी कर रहे हैं। इस फिल्म में भी हम राम चरण और जूनियर NTR दोनों को कास्ट करेंगे। ये फिल्म हॉलीवुड स्टैंडर्ड की होगी।

आरआरआर ने वर्ल्डवाइड कमाए 1300 करोड़

राम चरण और जूनियर NTR के अलावा फिल्म आरआरआर में अजय देवगन, श्रिया सरन और आलिया भट्ट ने भी काम किया था। फिल्म पिछले साल मार्च में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर वर्ल्डवाइड करीब 1300 करोड़ रुपए की कमाई की थी। फिल्म के पॉपुलर डांस नंबर नाटू-नाटू को बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी में ऑस्कर अवॉर्ड भी मिला था।

पुर्तगाल में साथ वक्त बिता रहे आदित्य-अनन्या पांडे

एक्टर आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे काफी समय से अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच बुधवार को कपल पुर्तगाल के लिस्बन शहर में एक साथ वक्त बिताता नजर आए। सोशल मीडिया पर आदित्य रॉय कपूर-अनन्या पांडे की फोटोज बेहद सुर्खियों में हैं। इससे पहले कपल ने मंगलवार को आर्कटिक मंकी के म्यूजिक कॉन्सर्ट की वीडियोज भी शेयर की थीं।

स्पेन में ट्विनिंग करते नजर आए आदित्य- अनन्या

पैपराजी मानव मिग्लानी ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कपल की तस्वीरें शेयर की है। इन फोटोज में अनन्या और आदित्य दोनों कैजुअल आउटफिट में नजर आ रहे हैं। शेयर की तस्वीरों में आदित्य-अनन्या बेहद रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। वहीं एक तस्वीर ऐसी भी सामने आई है, जिसमें आदित्य ने अनन्या को लगाया है। कॉन्सर्ट और एक साथ लिस्बन शहर की फोटोज सामने आने के बाद से आदित्य-अनन्या के रिलेशनशिप की खबरें एक बार फिर तेज हो गई हैं।

रणबीर कपूर ने रिलेशनशिप को लेकर दिया था हिंट

रणबीर कपूर ने एक इंटरव्यू में इस कपल को लेकर बड़ा हिंट दिया था। उन्होंने कहा था- मुझे पता है कि वो एक लड़की को पसंद करता है, जो अक्षर A से शुरू होता है।' वहीं इससे पहले करण जौहर ने अपने शो कॉफी विद करण में भी इस कपल को लेकर हिंट दिया था।

कृति सेनन की दिवाली पार्टी में साथ नजर आए थे अनन्या-आदित्य

पिछले साल कृति सेनन की दिवाली पार्टी में साथ नजर आने के बाद से ही आदित्य और अनन्या के डेटिंग की अफवाहें शुरू हो गई थीं।

इसके बाद से कई बार कपल को एक साथ स्पॉट किया गया था। हालांकि अब तक दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर पुष्टि नहीं की।

जिम में पसीना बहाती दिखीं दंगल गर्ल: सान्या मल्होत्रा शाहरुख के साथ जवान में आएंगी नजर

सान्या मल्होत्रा बॉलीवुड में दंगल गर्ल के नाम से जानी जाती हैं। सान्या अपनी फिटनेस का काफी ख्याल रखती है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना एक वर्कआउट वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह जिम में एक्सरसाइज करती हुई नजर आ रही हैं। सान्या के इस वीडियो को सोशल मीडिया पर फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

सान्या के इस वर्कआउट वीडियो पर फैंस से लेकर सेलेब्स तक सब अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। फिल्म प्रोडूसर गुनीत मोंगा ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'वॉव'। सान्या के एक फैन ने कमेंट करते हुए लिखा, 'ये करना वाकई कठिन है, 'आपने कर दिखाया'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'इम्प्रेसिव'। अब वह जल्द ही शाहरुख खान की फिल्म जवान में नजर आएंगी। शाहरुख, विजय सेतुपति, नयनतारा और सान्या मल्होत्रा स्टारर यह फिल्म 7 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सुशांत पर बनी फिल्म 'न्याय' अब रिलीज होगी दिल्ली एचसी ने बैन वाली याचिका खारिज की

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत पर तीन साल पहले एक फिल्म 'न्याय' बनी थी। पिछले दो साल से फिल्म की रिलीज को लेकर कोर्ट में केस चल रहा था। सुशांत के पिता केके सिंह ने फिल्म की रिलीज को रोकने के लिए याचिका डाली थी। अब बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने केस पर सुनवाई करते हुए ये याचिका खारिज कर दी है।

कोर्ट का कहना है कि फिल्म पर किसी भी तरीके का बैन लगाना सही नहीं है। सुशांत के पिता ने फिल्म के मेकर्स पर बेटे की प्राइवेसी हर्ट करने का मामला दाखिल किया था। कोर्ट ने केके सिंह की याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सुशांत के निधन के साथ ही उनके निजता का अधिकार भी खत्म हो गया।

'फिल्म को बनाने में लगे ढाई से तीन करोड़'

फिल्म 'न्याय' को बनाने वाले मेकर्स के लीगल एडवाइजर अशोक सरावगी का कहना है कि उन्होंने फिल्म बनाने के पहले गहरा रिसर्च किया है। उन्होंने कहा- सुशांत पर जो चीजें पब्लिक डोमेन में हैं, हमने उसी आधार पर फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग तैयार किया है।

हमने उन सोर्सेज का इस्तेमाल नहीं किया, जिसकी विश्वसनीयता पर शक था। फिल्म को बनाने में ढाई से तीन करोड़ रुपए खर्च हुए। इसके अलावा कानूनी लड़ाई लड़ने में 60 लाख रुपए और खर्च हुए हैं। अब फाइनली हमारी फिल्म के साथ जस्टिस हुआ है। फिल्म के राइट्स जी 5 के पास हैं, अब हम जी 5 के साथ मिलकर फिल्म को रिलीज करने में जुटेंगे

कोर्ट ने कहा- फिल्म से जुड़े तथ्य मीडिया में पहले से ही मौजूद

दिल्ली हाईकोर्ट ने अपनी जजमेंट में कहा- फिल्म से जुड़े तथ्य मीडिया में पहले से ही मौजूद हैं। अगर इन तथ्यों के आधार पर फिल्म बनी है, तो इस पर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। फिल्म के मेकर्स ने सुशांत के अधिकार का उल्लंघन नहीं किया है। सुशांत की मौत से जुड़ी रिपोर्ट्स जब पब्लिक डोमेन में आई तो उनके पिता केके सिंह ने इसे चैलेंज नहीं किया। इसलिए ये भी किसी भी तरह से अधिकारों का उल्लंघन नहीं है, खास तौर से उनके पिता के अधिकारों का तो बिल्कुल नहीं। कोर्ट ने कहा कि ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म 'लपालप' पर ऑलरेडी स्ट्रीम हो रही है। इसे अब तक हजारों लोगों ने देख भी लिया है। फिर इस पर बैन लगाने का कोई मतलब नहीं है।

सुशांत इस दुनिया में नहीं रहे, उनके अधिकारों का पिता से कोई संबंध नहीं

जस्टिस सी. हरिशंकर ने अपनी जजमेंट में कहा- अगर ये फिल्म सुशांत सिंह राजपूत के निजता के अधिकार का उल्लंघन करती भी है तो ये उनका पर्सनल मामला है। अब चूंकि वे इस दुनिया में नहीं है, इसलिए ये नहीं कहा जा सकता कि उनके ये अधिकार उनके पिता को विरासत में मिले हैं।

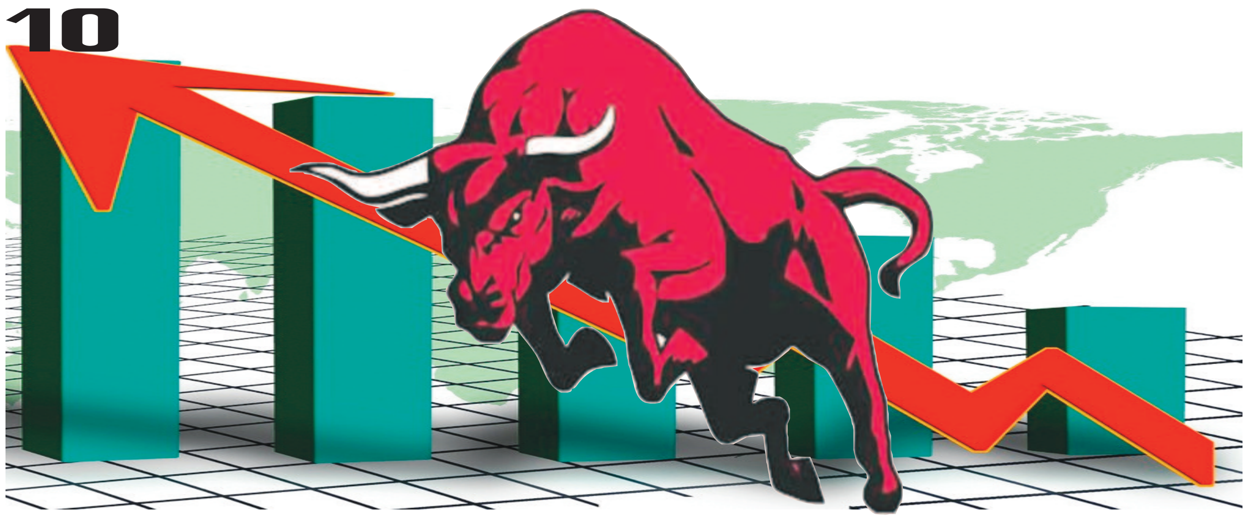

भारत में 20 लाख में टेस्ला की कार लाएंगे मस्क

प्लांट लगाना चाहती है कंपनी, हर साल 5 लाख इलेक्ट्रिक व्हीकल तैयार होंगे

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। एलन मस्क की ईवी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी इंडियन मार्केट में 20 लाख रुपए की कीमत में इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) लेकर आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कंपनी भारत में ईवी बनाने के लिए प्लांट लगाएगी।

कंपनी का टारगेट यहां हर साल 5 लाख इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने का है। हालांकि, अभी तक टेस्ला ने इसके बारे में कोई भी ऑफिशियल जानकारी नहीं दी है।

भारत में अपनी सप्लाई चेन स्थापित करना चाहती है टेस्ला

टेस्ला ने भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने के लिए सरकार से चर्चा शुरू कर दी है।

टाइम्स (ईटी) के अनुसार, कंपनी ने सरकार से देश में खुद की इलेक्ट्रॉनिक सप्लाई चेन स्थापित करने और टैक्स में छूट को लेकर चर्चा की है। एक गवर्नमेंट ऑफिसर ने बताया कि टेस्ला ने भारत में अपनी सप्लाई चेन इको सिस्टम लाने की इच्छा जताई है, जबकि सरकार ने कंपनी से देश की मौजूदा ऑटो कॉम्पोनेंट सप्लाई चेन का मूल्यांकन करने के लिए कहा है।

भारतीय इको सिस्टम से अपनी जरूरतें पूरा करने की अपील

पहचान न बताने की शर्त पर अधिकारी ने ईटी को बताया कि हमने टेस्ला से उनकी जरूरतों के बारे में पूछा है और उनसे भारतीय इको सिस्टम से अपनी जरूरतों को पूरा करने की अपील की है।

हालांकि, कंपनी के पास खुद के सप्लायर्स हैं। यह शुरुआती बातचीत है, इसलिए हमें उम्मीद है कि कंपनी इसके बारे में विचार करेगी और कुछ प्रोग्रेस होगी।

सरकार से मिलने वाले प्रोत्साहन के बारे में टेस्ला के अधिकारियों ने जानकारी ली

हाल ही में दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) की बैठक में टेस्ला ने कहा था कि वह खुद के सप्लायर्स को भारत लाना चाहेगी।

इसके साथ ही बैठक में टेस्ला इंडिया के अधिकारियों ने भारत में अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित के लिए सरकार से मिलने वाले प्रोत्साहन के बारे में जानकारी ली है।

पिछले महीने प्रधानमंत्री मोदी से मिले थे एलन मस्क

इससे पहले पिछले महीने एलन मस्क ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। इसके बाद मस्क ने कहा था, 'सस्टेनेबल एनर्जी के भविष्य के लिए भारत में सौर-पवन ऊर्जा की अच्छी संभावनाएं हैं।

मैं मोदी का फैन हूं, जल्द टेस्ला भारत में होगी। हम भारत में सौर और पवन ऊर्जा के माध्यम से टिकाऊ बिजली उत्पादन और बैटरी में ऊर्जा भंडारण के लिए क्षमता भी देख रहे हैं। हम भारत में स्टारलिंक ले जाने के बारे में भी सोच रहे हैं जो कि भारत के दूरदराज इलाकों में इंटरनेट पहुंचाने में मदद कर सकती है।'

'फिसड्डी अर्थव्यवस्था वाले इतिहास से बाहर निकला भारत'

आईसीएआई के यूके चैप्टर में बोले पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन में इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) यूके चैप्टर के सदस्यों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, लगभग 10 साल पहले हमें एक नाजुक अर्थव्यवस्था माना जाता था और आज हम मजबूत बुनियादी बातों, उच्च विदेशी मुद्रा भंडार, कम मुद्रास्फीति के साथ दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, अपेक्षाकृत हमारी मुद्रा स्थिर रही है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। लोग अब भारत से विकसित देशों में आने वाले निवेश, प्रतिभा और प्रौद्योगिकी की ओर देख रहे हैं। तो आप कल्पना कर सकते हैं, यह नया भारत है जिस पर हम सभी गर्व कर सकते हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि ईएसजी (पर्यावरण, समाज और शासन) महत्वपूर्ण है और हम एक राष्ट्र के रूप में इसके लिए बहुत प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, भारत, आज अतीत का रक्षात्मक भारत नहीं है।

हम आज उस इतिहास से बाहर निकलें हैं जहां हम हमेशा दुनिया के साथ लड़ रहे थे और हर उस चीज का विरोध कर रहे थे जो पश्चिमी दुनिया या विकसित दुनिया कर रही थी। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि हर भारतीय की मानसिकता एक विकसित राष्ट्र के बारे में सोचने की हो।

पहली बार 66 हजार के पार निकला सेंसेक्स

कारोबार के दौरान 66,064 का हाई बनाया, लेकिन 65,558 पर बंद हुआ

मुंबई, 13 जुलाई (एजेंसियां)।शेयर बाजार में आज यानी गुरुवार (13 जुलाई) को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है। बाजार ने नया ऑल टाइम हाई बनाया है। सेंसेक्स ने कारोबार के दौरान 66,064 का लेवल छुआ।

हालांकि बाद में इसमें थोड़ी गिरावट देखने को मिली और ये 164 अंको की बढ़त के साथ 65,558 पर बंद हुआ। इसी तरह आज निफ्टी ने 19,567 का लेवल छुआ। निफ्टी में 29 अंकों की तेजी रही। ये 19,413. के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में तेजी और 14 में गिरावट देखने को मिली।

सोना फिर साढ़े 59 हजार के पार, चांदी भी 73 हजार रुपए के ऊपर निकली

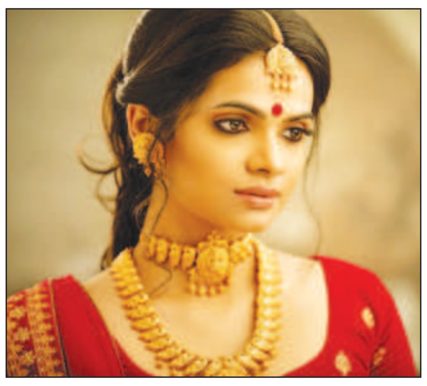

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आज यानी गुरुवार (13 जुलाई) को सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक, आज सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 543 रुपए चढ़कर 59,329 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 54,345 रुपए हो गई है।

69 हजार के पार हुई चांदी

आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार आज चांदी की कीमत में भी बड़ी बढ़त देखने को मिली है। ये 2,519 रुपए महंगी होकर 73,296 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले बुधवार को ये 70,777 रुपए पर थी।

इस महीने सोने में रही तेजी

इस महीने यानी जुलाई में अब तक सोने में बढ़त देखने को मिली है। इस महीने की शुरुआत यानी 3 जुलाई (1 और 2 जुलाई को मार्केट बंद था) को ये 58,139 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 59,329 रुपए पर है। यानी इसके दाम में 1,190 रुपए की गिरावट आई है।

सरकार ने कुछ गोल्ड ज्वैलरी के इम्पोर्ट पर लगाई रोक, इंपोर्ट पॉलिसी में भी किया संशोधन

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सरकार ने सोने के कुछ आभूषणों और अन्य सामान के आयात पर बुधवार को 'अंकुश' लगाने की घोषणा की. इस कदम से कुछ गैर-जरूरी वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने में मदद मिलेगी. अब आयातक को इन स्वर्ण उत्पादों के आयात के लिए सरकार से लाइसेंस की अनुमति लेनी होगी.

हालांकि विदेश व्यापार महानिदेशालय ने स्पष्ट किया है कि ये अंकुश भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच लागू मुक्त व्यापार करार के तहत होने वाले आयात पर लागू नहीं होंगे. डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में कहा कि इन उत्पादों के आयात की नीति को तत्काल प्रभाव से संशोधित कर 'मुक्त' से 'अंकुश' की श्रेणी में डाल दिया गया है. भारत सोने का सबसे बड़ा आयातक है. सोने के आयात से देश के आभूषण उद्योग की मांग को पूरा किया जाता है.

जल्द इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू करेगा अकासा एयर

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। आकाश एयर के सीईओ विनय दुबे ने कहा है कि एयरलाइन 'अच्छी तरह पूंजीकृत' है. उनके पास इस साल के अंत तक तीन अंक में विमानों का ऑर्डर देने के लिए पर्याप्त पैसा है. उन्होंने कहा कि एयरलाइन में काफी तेजी से बढ़ने की की क्षमता है. आपको बता दें आकाश एयर अगले महीने परिचालन का एक साल पूरा करने जा रही है. इस बारे में दुबे ने कहा, 'हमने अपनी अपेक्षाओं को पूरा किया है.' इस समय विमानन कंपनी के पास 19 विमान हैं और 20वां विमान उसके बेड़े में इस महीने शामिल हो सकता है.

कंपनी जल्द ही इंटरनेशनल रूट पर उड़ान शुरू करने के लिए तैयार है. दुबे ने एक इंटरव्यू में कहा कि एयरलाइन 'अच्छी तरह से पूंजीकृत' है. आकाश एयर के संस्थापक और सीईओ ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे पास पर्याप्त फाइनेंसिंग है. हमारे पास 72 विमानों और चार अतिरिक्त विमानों का ऑर्डर देने के लिए पर्याप्त पैसे थे. इसके अलावा इस साल के अंत तक 3 अंक में विमान का ऑर्डर देने के लिए पर्याप्त पूंजी है.' हालांकि, उन्होंने इस बारे में कोई विशेष वित्तीय विवरण नहीं दिया.

हम तेजी से बढ़ेंगे या धीमी गति से

एयरलाइन ने 76 बोइंग विमानों का ऑर्डर दिया है. दुबे ने एयरलाइन के बारे में कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम इस बात में उलझे हुए हैं कि हम थोड़ा तेजी से बढ़ेंगे या धीमी गति से. हम स्थिरता चाहते हैं. हम एक ऐसी एयरलाइन बनाना चाहते हैं जो समय की कसौटी पर खरी उतरेगी.' आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मई में आकाश एयर की घरेलू बाजार हिस्सेदारी 4.8 प्रतिशत थी.

उन्होंने कहा कि अगले 20 साल 'विमानन क्षेत्र के लिए स्वर्ण युग' होने जा रहे हैं और देश में अगले 15 से 20 साल में करीब 2,000 विमान होंगे और अधिक संख्या में हवाई अड्डे होंगे.

यूट्यूब पर भ्रामक वीडियो डालकर गुमराह करने वाली नौ कंपनियों से नहीं हटेगी पाबंदी

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी ने यूट्यूब के कई चैनलों पर भ्रामक वीडियो डालकर शार्पलाइन ब्रॉडकास्ट लि. की शेयर की कीमतों में हेराफेरी के मामले में 9 कंपनियों पर लगाई पाबंदी हटाने से इनकार कर दिया है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रथम दृष्टया जांच के आधार पर 2 मार्च, 2023 के अपने अंतरिम आदेश में 24 इकाइयों को शेयर बाजारों में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया था। इनमें से 9 कंपनियों पर लगाए प्रतिबंध की अब नियामक ने पुष्टि कर दी है। सेबी ने मंगलवार को आदेश में कहा, ये कंपनियां फर्जी एवं अनुचित व्यापार व्यवहार निषेध (पीएफयूटीपी) नियमों के तहत प्रथम दृष्टया संलिप्त पाई गई थीं।

दुबई और ऑस्ट्रेलिया के बराबर भाव में बिक रहा है भारत में टमाटर

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में टमाटर के भाव में नरमी के लिए लोगों का इंतजार बढ़ता ही जा रहा है. टमाटर के उत्पादन के लिहाज से दुनिया में दूसरे नंबर पर आने वाले देश में इसकी कीमतें महीनेभर में ही इतनी बढ़ गई हैं, कि लोगों की रसोई से ये आउट हो गया है. भारत में जिस भाव पर ये रिटेल में बेचा जा रहा है, वो दाम दुबई, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका जैसे देशों के लगभग बराबर हैं.

सरकार ने चेताया : आईटीआर फाइल करने से पहले चेक करें ये चीजें; वरना परेशान हो जाएंगे

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। वत्ति वर्ष 2022-23 का इनकम टैक्स रटिर्न फाइल करने की आखरिी तारीख 31 जुलाई 2023 है. अगर आपने अंतमि तथि तक आईटीआर फाइल नहीं कयिा तो आपको पेनाल्टी देनी पड़ सकती है. आईटीआर दाखलि करने में आपकी सबसे ज्यादा मदद फॉर्म-16 करता है. वित्त मंत्रालय की तरफ से बार-बार फॉर्म-16 को लेकर चेताया जाता है. बताया जाता है कि इसे आपको भली प्रकार चेक कर लेना चाहिए, अगर ऐसा नहीं कयिा तो आप परेशानी में पड़ सकते हैं.

फॉर्म 16 से आपको सैलरी और जमा से जुड़ी वभिन्नि जानकारी मलिती है. आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए फॉर्म-16 को अच्छा शुरुआती बिंदु माना जाता है. आईटीआर दाखिल करने से पहले फॉर्म-16 में नम्निलखिति मुख्य बातों का ध्यान रखना जरूरी है. सबसे पहले कर्मचारियों को देखना चाहिए कि फॉर्म-16 पर दर्शायी गई कटौती खाता संख्या और स्थायी खाता संख्या (पैन) संख्या के संदर्भ में सही है या नहीं. टीएएन उन सभी लोगों (इस मामले में नियोक्ता) की तरफ से प्राप्त किया जाता है जो स्रोत पर टैक्स (टीडीएस) काटने के लिए जिम्मेदार हैं या जिन्हें स्रोत पर कर (टीसीएस) एकत्र करने की जरूरत होती है.

टैक्‍स कटौती की राशि

कसिी भी एम्पलाई को फॉर्म-16 में दर्शायी गई टैक्स कटौती की कुल राशि का मिलान मासिक वेतन पर्ची से जमा किए गए टैक्स की वास्तविक राशि से करना चाहिए. साथ ही यह सुनिश्चति करना चाहिए कि सभी कटौतियां जैसे कि मकान किराया भत्ता (एचआरए) और मानक कटौती पर विधिवत विचार किया जाए. न्यू टैक्स रजिीम के तहत लाइफ इंश्योरेंस प्रीमयिम, पीएफ में योगदान और मेडकिल इंश्योरेंस प्रीमियम आदि की कटौती की अनुमति नहीं है. इस बारे में फॉर्म-16 में ही जानकारी दी गई है कि किसी कर्मचारी ने न्यू टैक्स रजिीम का ऑप्शन चुना या नहीं.

राहत की खबर! गेहूं और अरहर दाल की कीमत में आएगी गिरावट

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जून महीने में खुदरा महंगाई दर में एक बार फरि से इजाफा देखने को मलिा है. खाद्य उत्पादों की कीमत बढ़ने के बाद जून में रटिल इंफलेशन बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 4.81 प्रतिशत पर पहुंच गया.

मई में यह 4.31 प्रतिशत पर थी. इस बीच तमिलनाडु सरकार ने केंद्र सरकार से केंद्रीय स्टॉक से हर महीने 10,000 टन गेहूं और अरहर दाल आवंटित करने का आग्रह किया. इससे कीमतों को कम करने के लिए सहकारी दुकानों के माध्यम से इनकी बिक्री की जा सके.

10 जुलाई को हुई समीक्षा बैठक का जिक्र किया

केंद्रीय खाद्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 'खाद्य मुद्रास्फीति में चिंताजनक रुझान' पर फोकस कयिा है. उन्होंने ग्राहकों पर महंगाई दर के असर को कम करने में राज्य सरकारों की मदद करने के लिए कदम उठाने की गुजारशि भी की. कई जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमत में इजाफा होने से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों पर भारी बोझ पड़ा है. हाल ही में 10 जुलाई को हुई समीक्षा बैठक का जिक्र करते हुए स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार ने घरेलू या विदेशी उत्पादकों से जरूरी वस्तुओं की खरीद के लिए बोलियां मंगाई हैं.

गेहूं और दाल आवंटित करने का अनुरोध

मुख्यमंत्री ने गोयल से घरेलू उत्पादन में कमी को देखते हुए ऐसे उत्पादों के आयात के लिए केंद्र सरकार के प्रयासों में तेजी लाने का अनुरोध किया. उन्होंने कहा, इस बीच, केंद्रीय स्टॉक से आपूर्ति करने से स्थिति संभल सकती है. इसलिए, मैं आपसे केंद्रीय स्टॉक से प्रति माह 10,000 टन गेहूं और अरहर दाल आवंटित करने का अनुरोध करता हूं. कीमत को कम करने के लिए इन वस्तुओं को सहकारी दुकानों के माध्यम से बेचा जाएगा. तमिलनाडु सरकार सहकारी दुकानों और किसान बाजार के माध्यम से खुले बाजार मूल्य से काफी नीचे सब्जियों, खाद्यान्न और दालों की आपूर्ति जैसे विभिन्न अल्पकालिक और दीर्घकालिक मूल्य हस्तक्षेप उपाय कर रही थी.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मिथुन	में
चंद्र-	वृषभ	में
मंगल	सिंह	में
बुध-	कर्क	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	सिंह	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
मेष--	00-07	बजे
वृष--	01-52	बजे
मिथुन..	03-53	बजे
कर्क...	06-05	बजे
सिंह...	08-17	बजे
कन्या..	10-24	बजे
तुला...	12-29	बजे
वृश्चिक.	14-39	बजे
धनु......	16-52	बजे
मकर..	18-59	बजे
कुंभ...	20-50	बजे
मीन ..	22-28	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु-वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय- 05-52
सूर्य अस्त- 18-50
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी - 19 -17 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास - प्र.श्रावण कृष्ण पक्ष , शुक्रवार July 14
नक्षत्र - रोहिणी - 22- 26 - तक उपरान्त मृगशिरा
योग - गण्ड - 08 - 26 - तक उप वृध्दि
करण- कौलव - 06 -48 - तक उप- तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - कल शनि प्रदोष व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 10:44 से 12:22 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05:52 - 07:29	शुभ	रोग.	18:50 - 20:15	अशुभ
लाभ	07:29 - 09:06	शुभ	काल.	20:15 - 21:38	अशुभ
अमृत	09:06 - 10:44	शुभ	लाभ.	21:38 - 22:59	शुभ
काल.	10:44 - 12:22	अशुभ	उत्पात	22:59 - 00:22	अशुभ
शुभ.	12:22 - 13:59	शुभ	शुभ	00:22 - 01:44	शुभ
रोग	13:59 - 15:38	अशुभ	अमृत.	01:44 - 03:07	शुभ
उत्पात	15:38 - 17:15	अशुभ	चंचल.	03:07 - 04:29	शुभ
चंचल	17:15 - 18:50	शुभ	रोग.	04:29 - 05:52	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

हालाँकि धन की स्थिति और वित्तीय समस्याएँ तनाव का एक स्रोत हैं। आज आपके माता-पिता आपकी फिजूलखर्ची और खर्चीलेपन की वजह से चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। पिता का कठोर व्यवहार आपको परेशान कर सकता है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज अपनी सेहत को लेकर चिंता करने की जरूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपका मनोबल और उत्साह बढ़ाएंगे। आज आपका आर्थिक जीवन समृद्ध होगा। साथ ही आप अपने कर्ज या चल रहे कर्ज से भी छुटकारा पा सकते हैं। कुछ अप्रत्याशित समस्याओं से पारिवारिक शांति भंग हो सकती है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

कुछ मनोरंजन के लिए अपने कार्यालय से जल्दी निकलने का प्रयास करें। व्यापार में मुनाफ़ा आज कई व्यापारियों और व्यवसायियों के चेहरे पर ख़ुशी ला सकता है। आपका बच्चों जैसा और मासूम व्यवहार पारिवारिक समस्या को सुलझाने में अहम भूमिका निभाएगा।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए अपना आहार बदलें। आपके माता-पिता आपसे किसी महत्वपूर्ण चीज़ के लिए भुगतान करने के लिए कह सकते हैं, लेकिन इससे आपकी वित्तीय स्थिति खराब होने की संभावना है। बच्चे आपकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरकर निराश हो सकते हैं।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपका भरपूर आत्मविश्वास और आसान कार्यसूची आज आपको आराम करने के लिए पर्याप्त समय देगी। पैसों से जुड़े मुद्दे को लेकर जीवनसाथी के साथ आपकी बहस होने की संभावना है। वह आपको आपके अनावश्यक खर्च और शाही जीवनशैली पर व्याख्यान दे सकता है।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

अपना संतुलन बनाए रखें क्योंकि आपको कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, अन्यथा यह आपको किसी गंभीर संकट में डाल सकता है। ख़ास तौर पर अपने गुस्से पर क़ाबू रखें, जो एक छोटे से पागलपन के अलावा और कुछ नहीं है। धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

दूसरों की आलोचना करने में अपना समय बर्बाद न करें क्योंकि इसका असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। इस राशि के कारोबारियों को आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे आर्थिक मदद मांगते हैं और बाद में लौटाते नहीं हैं। आप अपने घरेलू वातावरण में अनुकूल परिवर्तन करेंगे।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

हाल की घटनाओं से आपका मन परेशान रहेगा। आध्यात्मिक और शारीरिक लाभ के लिए ध्यान और योग फ़ायदेमंद साबित होंगे। जिन लोगों ने जमीन खरीदी थी और अब उसे बेचना चाहते हैं, उन्हें आज कोई अच्छा खरीदार मिल सकता है और उसके बदले उन्हें अच्छी रकम मिल सकती है।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

अच्छा लाभ प्राप्त करने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने की आवश्यकता है। आर्थिक रूप से आप मजबूत रहेंगे। ग्रहों और नक्षत्रों की शुभ स्थिति के कारण आज आपको पैसा कमाने के कई मौके मिलेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ शांतिपूर्ण और शांत दिन का आनंद लें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

स्वास्थ्य को निश्चित रूप से देखभाल की आवश्यकता है। आपका पैसा कहां खर्च हो रहा है इस पर आपको नजर रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार की स्थिति सामान्य नहीं रहेगी जैसा आप सोच रहे हैं।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

मुस्कुराएँ क्योंकि यह आपकी सभी समस्याओं का सबसे अच्छा इलाज है। अपने ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें- और आज केवल ज़रूरी चीज़ें ही खरीदें। परिवार के सदस्य सहयोगी लेकिन अत्यधिक मांग करने वाले होंगे। आज अपने प्रिय की भावनाओं को समझें।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज किया गया दान-पुण्य कार्य मानसिक शांति और सुकून देगा। अनियोजित स्रोतों से धन लाभ आपका दिन ख़ुशनुमा बना देगा। अपने परिवार के कल्याण के लिए कड़ी मेहनत करें। आपके कार्य प्रेम और सकारात्मक दृष्टि से निर्धारित होने चाहिए न कि लालच से।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पहले मां-बाप को लालची बताया, अब पति को दुश्मन

पाकिस्तान से आई सीमा ने पति से लिए 3 लाख, प्रेमी पर खर्च किए

नोएडा, 13 जुलाई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। पाकिस्तान से अपने 4 बच्चों के साथ भागकर आईं सीमा हैदर और ग्रेटर नोएडा के सचिन की लव स्टोरी खूब सुर्खियां बंटोर रही हैं, लेकिन एक कहानी उस पति गुलाम हैदर की भी है, जिसे सीमा पीछे छोड़ आई हैं। गुलाम का दावा है कि सीमा ने कुछ महीने पहले उससे 3 लाख रुपए लिए थे। भारत आने से पहले उधार में 70 हजार का फोन भी लिया। उस पर पाकिस्तान के बैंक में लाखों रुपए का लोन है।

गुलाम हैदर ने सीमा से अपनी शादी की न सिर्फ कहानी सुनाई, बल्कि कानूनी दस्तावेज भी शेयर किए। कोर्ट के मैरिज सर्टिफिकेट के अलावा एक एफिडेविट भी है। इस एफिडेविट में सीमा ने घर से भागकर गुलाम से शादी करने की बात कबूली है। साथ ही अपने अब्बू-अम्मी को लालची बताया है।

एफिडेविट में लिखा है- 'मैं सीमा रजा, गुलाम रजा की बेटी। मेरी जाति रिंद हैं। उम्र 19-20 साल। मैं मूल रूप से जिला खैरपुर, तालुका कोट दिजी गांव रिंद की रहने वाली हूं। 10 दिन पहले मैंने अपने अब्बू-अम्मी का घर छोड़ दिया। वजह, मेरे मां-बाप बेहद लालची हैं। जबरदस्ती मेरा निकाह ऐसे लड़के से करना चाहते थे, जो बिगड़ा हुआ और लोफर है।

अब्बू अम्मी का घर छोड़कर 10 दिन पहले मैं जिला जैकोबाबाद, तालुका गढ़ी खैरो के अमीर जान जाखरानी के घर आ गई। यहां मैंने अमीर जान के बेटे गुलाम हैदर से कॉन्ट्रैक्ट मैरिज की है। मैं कसम खाती हूं कि ये एफिडेविट मैंने बिना किसी दबाव या डर में लिखा है।' इस पर गुलाम हैदर और सीमा रजा दोनों के साइन हैं।

गुलाम हैदर ने कहा, 'मैं अपने बच्चे और बीवी वापस लेकर रहूंगा। इसके लिए पाकिस्तान के वजीर-ए-आजम से गुहार लगाऊंगा। जरूरत पड़ी तो भारत जाऊंगा।' गुलाम अपनी लव स्टोरी सुनाते हुए बताते हैं, 'हम दोनों बलोच थे, लेकिन सीमा रिंद कबीले की है और मैं जाखरानी कबीले का। हमारे परिवार लव मैरिज को लेकर सख्त हैं।' 'सीमा कहने लगी पहले कोर्ट मैरिज कर लें, फिर घर वालों को मनाएंगे। मैं इश्क में था, मैंने पहले निकाह किया, फिर कोर्ट मैरिज की। निकाह के 2-3 महीने बाद ही सीमा ने मुझसे कराची में रहने के लिए कहा। मैं अपना परिवार छोड़ कराची आ गया। मैं वहां रिक्शा चलाता था। हमारे 3 बच्चे हो गए। चौथा होने वाला था। सीमा ने कहा- इन बच्चों की तालीम के लिए और कमाना पड़ेगा। मैंने बंदोबस्त किया और 3 साल पहले मैं सऊदी आ गया। यहां भी मैं मेहनत-मजूरी करता हूं।'

उदास होते हुए गुलाम आगे बताते हैं, 'हर महीने सीमा को 70-80 हजार रुपए भेजता था। डेढ़ साल पहले सीमा ने घर मांगा, तो मैंने 16 लाख रुपए भेजे। हमने एक कमरे का घर खरीद लिया। फिर उसने कहा, घर बहुत छोटा है। मैं किराए के घर में रहूंगी। इस घर को किराए में उठा देंगे। मैं उसमें भी राजी हो गया। मैं सारा पैसा अपने परिवार को भेजता था, मैं यहां तीन-तीन काम करता हूं। गरीब आदमी क्या करे, यहां भी उसी की मर्जी से आया था। आप मेरी बैंक डिटेल निकालकर देख लो।'

गुलाम हैदर का आरोप है कि सीमा ने उनसे 10 मार्च को ही 3 लाख रुपए लिए थे। सीमा का अकाउंट उस वक्त चल नहीं रहा था, इसलिए ये उन्होंने किसी जानने वाले को भेजे थे। उसने कहा था कि उसका मक्का आने का मन है। कहा था कि कुछ दिन सऊदी में रहना चाहती है। मैंने दोस्तों से पैसे उधार लेकर उसे भेजे थे।

सीमा के मुताबिक 10 मार्च को ही वो सचिन से मिलने के लिए नेपाल आई थी। ताकि तसल्ली कर ले कि दोनों एक दूसरे को पसंद हैं। सीमा ने यह भी कहा था कि उस वक्त 3 लाख रु. सचिन पर खर्च किए थे। यानी इस मुलाकात के लिए पैसे खर्च हुए थे। सिर्फ इतना ही नहीं, गुलाम हैदर ने यह भी बताया कि सीमा ने 8 मई को 70 हजार का एक मोबाइल भी खरीदा था। उसने 5,000 रुपए चुकाए थे और बाकी किश्तों में देने के लिए कहा था। वो इंडिया चली गई तो दुकानवाले ने मुझे फोन किया। अब दुकानदार गुलाम से पैसे मांग रहा है। सीमा ने कराची में एक बैंक से लोन भी लिया हुआ है। हमने पूछा कितने का लोन है, तो गुलाम ने कहा कि अभी नहीं पता है, लेकिन जल्दी पता चल जाएगा।

> गुलाम हैदर से मेरा तलाक हो चुका है। वो अब मेरा पति है ही नहीं। वो कुछ भी कहता रहे। हमारे यहां अगर 6 महीने तक पति से संबंध न रहे, तो अपने आप तलाक हो जाता है।
>
> **सीमा हैदर**

गुलाम हैदर ने भारत सरकार, मोदी-योगी सरकार से भी सीमा और चारों बच्चों को उसके पास भेजने की गुहार लगाई है। गुलाम का कहना है कि जब तक कानूनी जांच पूरी नहीं होती, सरकार मेरे बच्चों और बीवी को अपनी कस्टडी में रखे।

गुलाम कहते हैं, 'उसने मेरे बच्चों के नाम बदल दिए। मेरे बच्चों को गंगा नहाने ले जाने वाली है। हम मुसलमान हैं। उसे ऐसा करने से रोका जाए। बच्चों को तो कुछ भी पता नहीं। हिंदू-मुसलमान उन्हें क्या पता। मेरी मदद करें।' गुलाम आगे कहते हैं, 'सीमा एक बार माफी मांगकर वापस आएगी, तो हम फिर साथ रहेंगे। उसे कोई भी कुछ नहीं कहेगा।' ये सच है कि सीमा ने बच्चों के नाम बदलकर प्रियंका, मुन्नी और परी रख दिया है। बेटे का नाम राज रख दिया है। पहले सबसे बड़ी बेटी प्रियंका का नाम फेरिया था। उससे छोटी बेटी का नाम फरीदा था उसका नाम अब मुन्नी हो गया है। फरहा का नाम परी हो गया। बेटे का नाम फरहान था, अब उसका नाम राज हो गया है।

गुलाम हैदर से हजारों किमी दूर ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा गांव में इन दिनों जैसे मेला लगा है। दूर-दूर से आए लोग सीमा को देखना चाहते हैं। कोई इसे फिल्मी प्रेम कहानी कह रहा, तो कोई दुश्मन देश की साजिश। रबूपुरा की मीणा मोहल्ले की संकरी गली में हरे रंग से पुते एक छोटे से मकान में भीड़ जुटी है। सचिन से पूछा कि 23 साल की उम्र में आप 4 बच्चों के बाप बनने को तैयार हैं? तो जवाब मिला- '4 बच्चों को ही नहीं, 5 को पालूंगा। 5वीं मेरी पत्नी है, सीमा हैदर।' बगल में बैठी सीमा हैदर उनके इस जवाब पर इतना रीझीं कि उनकी बलाए ले लीं। उधर सचिन की मां 3 पोतियों और एक पोते पर प्यार उड़ेल रही हैं। बत्ती गुल हुई तो सोते हुए बच्चों पर पंखा झलना शुरू कर दिया।

सीमा ने पहले पति का नाम हटाकर अब नाम सीमा सचिन रख लिया है। 2 महीने से भी कम समय में उन पर हिंदुस्तानी रंग चढ़ चुका है। वे मोहल्ले की औरतों से पाकिस्तानी तहजीब के साथ नहीं, बल्कि हिंदुस्तानी संस्कारों के साथ मिल रही हैं। आदाब या सलाम नहीं, बल्कि पैर छू-छूकर प्रणाम कर रही हैं। मोहल्ले की औरतें भी खुश हैं।

मांग में सिंदूर, हाथों में चूड़ी और रहन-सहन में हिंदुस्तानी संस्कार देखकर पहली नजर में सीमा को पाकिस्तानी कहना मुश्किल होगा। हमने उनसे हिंदुस्तान के तौर-तरीकों की ट्रेनिंग के बारे में पूछा तो उन्होंने सचिन की तरफ इशारा कर कहा- 'यही हैं मेरे उस्ताद। सब इनसे सीखा।' सचिन ने सीमा को छेड़ते हुए कहा, उस्ताद नहीं पति परमेश्वर। सीमा से पूछा कि अगर सचिन ने उन्हें छोड़ दिया तो क्या करेंगी? उनका जवाब था, 'सचिन दिल के बहुत अच्छे हैं। वह ऐसा नहीं करेंगे। अगर किया तो मैं इन्हें मार डालूंगी।' सचिन शर्मीले हैं तो सीमा बेबाक। सचिन परचून की दुकान में काम करते हैं। उनकी तनख्वाह 8-10 हजार रुपए है। देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि घर की माली हालत ठीक नहीं।

सीमा ने प्यार में खुद को कई बार दिए जख्म

सीमा से बात करते-करते नजर उनके हाथ पर पड़ी, तो कई जख्म नजर आए। पूछा तो जवाब मिला- 'सचिन मुझसे बात नहीं करते थे तो मैं खुद को दर्द देती थी। उन्हें 300-300 कॉल करती थी। फोन न उठाएं, तो मैं कभी चूड़ी से हाथ काट लेती तो कभी बीड़ी से खुद को जला लेती।'

फिर आप ये सारे जख्म सचिन को दिखातीं थीं, जवाब मिला- 'हां, दिखाने के लिए ही तो ऐसा करती थी। मैं इन्हें बीड़ी पीने से मना करती थी, लेकिन फिर भी ये पीते थे, तो तब भी मैं खुद को जख्म देती थी।' सीमा कहती हैं, 'जल्द ही सीमा-सचिन नाम से सोशल मीडिया अकाउंट बनाऊंगी और पब्लिक करूंगी।'

सीमा बताती हैं, 'मैंने मन बना लिया था कि मैं भारत आऊंगी और शादी करूंगी। मैंने पहले भारत का वीजा ट्राई किया। फिर दूसरा रास्ता तलाशा, नेपाल से होकर भारत पहुंचने का। वहां का दो दिन में वीजा मिल गया। नेपाल पहुंचकर काठमांडू तक वैन ली और वहां से दिल्ली के लिए बस। नेपाल में सिर्फ एक अधिकारी ने मुझसे पूछताछ की, लेकिन इंडिया में दाखिल होने के बाद मुझसे कोई पूछताछ नहीं हुई।'

सीमा आगे कहती हैं, 'मैंने अपना घर बेचा। भारत के लिए निकलने से पहले वहां लोगों से कहा कि मैं गांव में घर लेकर रहूंगी। मैंने 12 लाख में घर बेच दिया था। इसमें से 3 लाख तो मैंने 10 मार्च को ही खर्च कर दिए थे, जब मैं नेपाल सचिन से मिलने पहली बार आई थी।'

सीमा पाकिस्तान लौटने के सवाल पर कहती हैं, 'अब मैं कभी पाकिस्तान नहीं जाऊंगी। वहां गई तो वे मुझे मार देंगे। वहां ऐसा ही होता है।' सीमा से पूछने पर कि क्या आपके पति ने आपको तलाक दिया, जवाब मिला- 'फोन पर कई बार तलाक दिया। वह मुझसे कभी कहते भाई को बुलाओ, कभी कुछ- कभी कुछ।'

पाकिस्तान की सीमा आखिर ग्रेटर नोएडा में कैसे रह रही

सीमा हैदर, उनके प्रेमी सचिन मीणा और सचिन के पिता नेत्रपाल को पुलिस ने 4 जुलाई को गिरफ्तार किया था। उनके वकील हेमंत कृष्ण पाराशर ने बताया, 'सीमा हैदर और उनके परिवार को लेकर जांच करना भारत की खुफिया एजेंसी का काम है। फिलहाल हुई छानबीन के मुताबिक, सीमा हैदर का पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से कोई संबंध नहीं है।'

उधर, सीमा हैदर पर आपराधिक षड्यंत्र की धारा लगाई गई। अभी कुछ भी ठोस उनके खिलाफ नहीं मिला है। इसलिए सशर्त बेल हो गई है। बचे सचिन तो उनके खिलाफ आपराधिक षड्यंत्र और सीमा को संरक्षण देने का आरोप है। अब तक कुछ भी संदेहास्पद नहीं मिला है। इसलिए उनकी भी बेल हो गई। जब तक जांच चल रही है, तब तक तीनों में से कोई भी कस्बे से बाहर नहीं जाएगा। घर का पता अगर बदला गया तो उसकी पुलिस में सूचना देनी होगी। सीमा हैदर अब दोबारा ऐसा कदम नहीं उठाएंगी।

निगम की टीम के साथ जमकर झूमाझटकी

पुजारी ने कहा- मवेशियों को नहीं मुझे बांध कर ले जाओ, बीच सड़क मचाया बवाल

बिलासपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बिलासपुर में आवारा मवेशियों को पकड़ने निकली अतिक्रमण विभाग की टीम के साथ एक पुजारी ने जमकर विवाद कर धक्कामुक्की कर दी। जीडीसी कॉलेज स्थित शीतला मंदिर के पुजारी ने गायों को बांध कर ले जाने का विरोध किया। वो कहने लगा कि निगम वाले गायों को फांसी लगा देते हैं। इस पर टीम को वहां पुलिस बुलानी पड़ी। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण विभाग ने 85 मवेशियों को पकड़ा। आयुक्त कुणाल दुदावत के निर्देश पर शहर की सड़कों पर आवारा घूम रहे मवेशी पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया गया है। बुधवार को अतिक्रमण विभाग की टीम हाईकोर्ट रोड के साथ शहर के अलग-अलग जगहों पर घूम रहे मवेशियों को पकड़कर गोठान में शिफ्ट किया। टीम जब जीडीसी कॉलेज स्थित शीतला मंदिर के

पास पहुंची, तब वहां मंदिर के पुजारी ने गायों को सड़क पर छोड़ दिया था। टीम ने गायों को वाहन में डालने के लिए बांधा तो उन्हें देखकर पुजारी मनीष पांडेय आ गया और विवाद करने लगा। उन्होंने निगम कर्मियों को रोकते हुए धक्कामुक्की और झूमाझटकी शुरू कर दी। विवाद को देखते हुए निगमकर्मियों को पुलिस बुलाना पड़ा, जिसके बाद मवेशियों को बांधकर गौठान भेजा गया।

निगम के अफसरों ने बताया कि इससे पहले भी पुजारी मनीष पांडेय को मंदिर परिसर से मवेशी नहीं रखने की चेतावनी दी गई थी। इसके लिए उन्हें नोटिस देकर मवेशियों को हटाने के लिए कहा गया था। लेकिन, इसके बाद भी पुजारी नहीं माना और मवेशियों को रखा रहा।

इस कार्रवाई के दौरान मंदिर का पुजारी मनीष पांडेय गौ सेवकों को बुला लिया। फिर निगम की टीम और पुजारी के बीच खींचतान भी हुई। इसके बाद पुलिस टीम को बुलाकर कार्रवाई की गई। उस समय तक पुजारी के साथ अन्य गौ सेवक भी मौके पर पहुंच गए और जमकर हंगामा मचाने लगे।

सिकंदराबाद ट्रेन में चोरों का धावा, 5 लाख के गहने पार

महिला बोली- नशीली चीज का छिड़काव कर काटकर ले गए ट्रॉली-बैग

बिलासपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ से होकर चलने वाली रक्सौल-सिकंदराबाद एक्सप्रेस के एसी कोच समेत तीन बोगियों से चोरों ने यात्रियों का बैग पार कर दिया। कोरबा की एक महिला यात्री के पांच लाख रुपए कीमती सोने-चांदी के गहनों से भरे बैग को भी निशाना बनाया। रिपोर्ट पर जीआरपी ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना बीते मंगलवार देर रात की है।

कोरबा निवासी चंदन पति नारायण लाल रक्सौल-सिकंदराबाद में सफर कर रहीं थीं। वह ट्रेन के बी-1 कोच में सवार थी। उनका रिजर्वेशन बोकारो सिटी से बिलासपुर स्टेशन तक था। गाड़ी अपने तय समय पर रात करीब 1 बजकर 30 मिनट पर बिलासपुर के लिए रवाना हुई। अपनी जगह पर पहुंचने के बाद उन्होंने बैग को सीट के नीचे रख दी और सीट पर लेट गईं। फिर रात करीब 2 बजकर 30 मिनट पर उनकी आंख लग गई। सुबह छह से सात बजे उनकी नींद खुली, तो कोच में हड़कंप मचा हुआ था। बोगी से कई यात्रियों की बैग चोरी हो गई थी। महिला ने अपनी सीट के नीचे झांककर देखी, तब उसके होश उड़ गए। उनका लगेज समेत बैग पार हो गया था। बैग में पांच लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के गहने रखे थे। ट्रेन में आरपीएफ को लोगों ने इस घटना की जानकारी दी थी। इस घटना से परेशान महिला बेचैन थी। जैसे ही ट्रेन बिलासपुर स्टेशन पहुंची, वह उतर कर सीधे जीआरपी थाने पहुंच गईं। उन्होंने चोरी की जानकारी पुलिस को दी। बताया कि ट्रेन रांची से राउरकेला के बीच आउटर में रुकी थी।

4 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

उमस भरी गर्मी से मिलेगी राहत, पूरे प्रदेश में 16 जुलाई से फिर बरसेंगे बादल

रायपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 6 दिनों तक मानसून पर ब्रेक लगने के बाद फिर से बारिश की संभावना जताई गई है। प्रदेश के कुछ जिलों में पिछले तीन दिनों से उमस वाली गर्मी से अब राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग ने राजनांदगांव, कांकेर, नारायणपुर, बीजापुर में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जबकि प्रदेश के बाकी हिस्सों में 16 जुलाई से अच्छी बारिश के आसार हैं।

मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि पश्चिमी हवाएं लगातार पर्याप्त गहराई से आ रही हैं और बादल बन रहे हैं, जिससे प्रदेश में बारिश हो रही है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक गौरेला पेंड्रा मरवाही, बिलासपुर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, बस्तर में आने वाले 24 घंटों के दौरान बारिश हो सकती है। आज कोरिया, गौरला पेंड्रा मरवाही, बिलासपुर, मुंगेली, कबीरधाम, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, बस्तर में बारिश की

संभावना जताई गई है। बुधवार को प्रदेश के ज्यादातर जिलों में आसमान साफ रहा और तेज धूप रही, हालांकि कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश जरूर हुई है। लेकिन बारिश के बाद फिर से धूप निकल गया। जिससे लोगों को उमस परेशान करने लगी। 12 जुलाई को प्रदेश में सबसे गर्म बलरामपुर जिला रहा यहां 34.9 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया है। रायगढ़ 34.3, जांजगीर में 33.9, मुंगेली 33, बिलासपुर 32.4 और राजधानी रायपुर में 32.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून द्रोणिका मध्य समुद्र तल पर बीकानेर, ग्वालियर, सीधी, गया, बालुरघाट और उसके बाद उत्तर-पूर्व की ओर अरुणाचल प्रदेश तक स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर 311 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित है। प्रदेश में आज कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश होने या फिर गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

सीएम सोरेन ने नीति आयोग के साथ की बैठक

कोयला रॉयल्टी और अतिरिक्त खाद्यान्न में बढ़ोतरी की मांग की

रांची, 13 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नीति आयोग की एक टीम के साथ बैठक में कोयले पर रॉयल्टी बढ़ाने की मांग की। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बैठक में उन्होंने भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजा जारी करने का मुद्दा भी उठाया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह विभिन्न कोयला कंपनियों के पास लंबित है।

नीति आयोग के सदस्य विनोद कुमार पॉल के नेतृत्व में नीति आयोग की आठ सदस्यीय टीम विभिन्न पहलुओं पर प्रगति की समीक्षा करने के लिए झारखंड के दौरे पर है। इस दौरान बुधवार को राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री के साथ बैठक हुई। सोरेन ने कहा कि भूमि अधिग्रहण के एवज में विभिन्न कोयला कंपनियों का लगभग 80,000 करोड़ रुपये का मुआवजा बकाया है और केवल 2,532 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

कोयले पर रॉयल्टी बढ़ाने और अतिरिक्त खाद्यान्न की भी मांग

उन्होंने कहा, कोयला कंपनियों को अपनी अधिग्रहीत जमीन के लिए मुआवजा देना चाहिए, भले ही उस पर खनन कार्य शुरू नहीं हुआ हो। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि कोयला कंपनियां इस बात पर रिपोर्ट सौंपेंगी कि कितनी जमीन अधिग्रहित की गई और कितना मुआवजा दिया गया। सोरेन ने कोयले पर रॉयल्टी बढ़ाने की भी मांग की। मुख्यमंत्री ने केंद्र से अतिरिक्त खाद्यान्न की भी मांग की।

उन्होंने कहा कि केंद्र के पास राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के हिस्से के रूप में लाभार्थियों के लिए एक निश्चित कोटा है, लेकिन राज्य में अधिक लाभार्थियों को सब्सिडी वाले राशन की आवश्यकता है। राज्य सरकार ग्रीन कार्ड श्रेणी के तहत अतिरिक्त 20 लाख लाभार्थियों को सब्सिडी वाला राशन दे रही है।

सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार को अतिरिक्त लाभार्थियों के लिए बाजार से अनाज खरीदना पड़ता है क्योंकि एफसीआई उनके लिए अनाज उपलब्ध नहीं करा रहा है। उन्होंने कहा, नीति आयोग को केंद्र सरकार के समक्ष झारखंड की मांग रखनी चाहिए कि एफसीआई को राज्य सरकार के राशन कार्ड धारकों के लिए भी अनाज उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने राज्य के लोगों के लिए पीएम आवास योजना के तहत 8.5 लाख घरों की भी मांग की।

पॉल ने कहा कि नीति आयोग केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एक सेतु का काम करता है। उन्होंने बताया कि झारखंड के विकास के लिए केंद्र से जो भी सहयोग की जरूरत होगी आयोग उस पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि बैठक सफल रही।

चप्पल पर थूक लगाकर आदिवासी युवक को पीटा

पूर्व गृहमंत्री बोले- क्या गरीबों को सूली पर चढ़ा देंगे, ये कांग्रेस राज में हो रहा

रायपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। सरगुजा में एक आदिवासी युवक की पिटाई के मामले ने तूल पकड़ लिया है। अब पूर्व गृहमंत्री राम विचार नेताम ने इसपर कांग्रेस को घेरा है। उन्होंने रायपुर में मीडिया से कहा- वो काम करके लौट रहा था, सड़क बना रहे ठेकेदार के गुंडों ने उसे जेसीबी में बांधकर पीटा, ये तो अत्याचार की पराकाष्ठा है, इस तरह की घटना कांग्रेस राज में हो रही। मैं दुखी हूं, आज भी ऐसी वारदातें हो रहीं, क्या सूली पर टांग देंगे किसी गरीब को। इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। नेताम ने आगे कहा- कांग्रेस राज में आदिवासी दमन की पराकाष्ठा हो रही है। कांग्रेस सरकार के मंत्री डॉ प्रेमसाय सिंह के निर्वाचन क्षेत्र मुख्यालय प्रतापपुर में आदिवासी युवक कलिंद्र गोंड को ठेकेदार के गुंडों द्वारा जेसीबी मशीन से बांधकर पीटना कांग्रेस सरकार के गुंडाराज का ताजा उदाहरण है। छत्तीसगढ़ में आदिवासी सुरक्षित नहीं हैं।जहाँ एक ओर सरकार के संरक्षण में धर्मांतरण का कुचक्र चल रहा है, वही आदिवासी अस्मिता पर भी आघात हो रहा है।

मोहन मरकाम, धनेंद्र साहू बनाए जा सकते हैं मंत्री

दिल्ली में छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेताओं की बड़ी बैठक, मंत्रिमंडल में हो सकता है बड़ा फेरबदल

रायपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन के बाद मंत्रिमंडल में भी बदलाव के आसार दिखाई दे रहे हैं। मोहन मरकाम को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के पद से हटाए जाने के बाद उन्हें कैबिनेट में जगह दी जा सकती है। साथ ही धनेन्द्र साहू को भी मंत्री बनाया जा सकता है। इस बारे में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी संकेत दिए हैं।

सीएम ने कहा है कि देखते रहिए और इंतजार कीजिए। इसके अलावा आज दिल्ली में कांग्रेस की अहम बैठक रखी गई है। सूत्रों के मुताबिक दो मंत्रियों का इस्तीफा लिया जा सकता है और चुनाव से पहले मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल हो सकता है।

सियासी गलियारों में चर्चा है कि मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है। मरकाम और धनेन्द्र साहू के अलावा भी एक और नेता को मंत्री बनाए जाने की चर्चा है, जो सत्यनारायण शर्मा हो सकते हैं हालांकि अभी ये केवल चर्चाएं ही हैं।

चुनाव के 4 महीने पहले इस तरह के फेरबदल और प्रदेश

धनेन्द्र साहू

मोहन मरकाम

अध्यक्ष बदलने को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि संगठन में लोगों को अलग-अलग जिम्मेदारी मिलती रहती है। मोहन मरकाम का कार्यकाल समाप्त हो चुका था। सभी प्रदेशों में बदलाव हो रहे हैं और रायपुर महाअधिवेशन में पारित हुआ था कि 50% जो सीटे हैं, वह 50 साल के कम उम्र वालों को मिलनी चाहिए। हमारे यहां शुरुआत हो रही है दीपक बैज अभी मुश्किल से 42 के हैं।

नौजवान को प्रदेश कांग्रेस कमेटी का कमान सौंपा गया है उनको बधाई शुभकामनाएं सभी कांग्रेसियों में हर्ष का माहौल है। सीएम भूपेश ने कहा कि आगामी चुनाव में इसका अच्छा प्रभाव पड़ेगा। बता दें कि टीएस सिंहदेव को डिप्टी सीएम बनाने और मोहन मरकाम को प्रदेश अध्यक्ष के पद की जगह दूसरी जिम्मेदारी देने का फैसला दिल्ली में हुई बैठक में लिया गया था हालांकि ये फैसले बारी-बारी से जारी किए जा रहे हैं और अब संगठन से हटाने के बाद मरकाम को सत्ता में जगह देने की तैयारी चल रही है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस नेताओं की दिल्ली में होने वाली बैठक एआईसीसी के महासचिव केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश लेंगे। शाम 4 बजे एआईसीसी दफ्तर में बैठक होगी, जिसमें मीडिया और संचार माध्यमों को लेकर चर्चा होगी। बैठक में पीसीसी चीफ दीपक बैज, प्रदेश प्रभारी कुमारी सेलजा शामिल होंगी। साथ ही संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला, सीएम के राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा और आईटी सेल प्रमुख जयवर्धन बिस्सा भी मौजूद रहेंगे। अभनपुर विधानसभा सीट से विधायक धनेन्द्र साहू कांग्रेस के वरिष्ठ नेता है। उन्होंने अभनपुर विधानसभा सीट से पांच बार (1993, 1998, 2003, 2013 और 2018) जीत दर्ज कर चुके हैं। धनेन्द्र साहू (2008 से 2011) कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की भी जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। अविभाजित मध्यप्रदेश में 1998 में धनेन्द्र साहू राज्य मंत्री जल संसाधन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग (स्वतंत्र प्रभार) रह चुके हैं। वर्ष 2000 में राज्य गठन के समय कांग्रेस सरकार में भी राज्य मंत्री संस्कृति पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग (स्वतंत्र प्रभार) बने।

रूस के विदेश मंत्री लावरोव से मिले जयशंकर

यूक्रेन संकट-आर्थिक मामलों पर हुई चर्चा

जकार्ता, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर गुरुवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव से इंडोनेशिया के जकार्ता में मिले। दोनों नेताओं की यह मुलाकात यहां होने वाली आसियान बैठक से इतर हुई। जयशंकर ने ट्वीट में कहा कि उनके और लावरोव के बीच द्विपक्षीय आर्थिक मुद्दों और यूक्रेन संकट से जुड़े मामलों को लेकर रहा।

जयशंकर ने गुरुवार को ही आसियान देशों के अपने समकक्षों के साथ भी बैठकें कीं और फिनटेक से लेकर खाद्य क्षेत्र में सहयोग और नौसैनिक मामलों को लेकर प्रगति पर चर्चा की।

क्या अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने करवाई प्लास्टिक सर्जरी?

विपक्षी नेता ने किया अजीब दावा

वाशिंगटन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। एक रिपब्लिकन सांसद और डॉक्टर ने मौजूदा राष्ट्रपति की फिर से चुनाव लड़ने की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन बहुत अधिक बोटोक्स का उपयोग कर रहे हैं। उत्तरी कैरोलिना का प्रतिनिधित्व करने वाले ग्रेग मर्फी, ईस्ट कैरोलिना यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में सर्जरी के पूर्व प्रोफेसर और यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख ने राष्ट्रपति के स्वास्थ्य के बारे में बात करते हुए कहा कि बाइडन ने बहुत ज्यादा प्लास्टिक सर्जरी और बहुत ज्यादा फिलर कराया है।

स्वास्थ्य को लेकर सवालों के घेरे में बाइडन

दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने के इरादे की घोषणा करने के बाद से जो बाइडन को अपने स्वास्थ्य को लेकर सवालों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में, बाइडन अमेरिकी इतिहास में सबसे ज्यादा उम्र के राष्ट्रपति हैं और व्हाइट हाउस में अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करने तक वह 86 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने अपने

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बारे में चिंताओं को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उनका दिमाग सही तरीके से काम कर रहा है।

उन्होंने पहले कहा था, मैं अभी अपने आप को बुजुर्ग नहीं समझता। ऐसी कोई चीज नहीं है जो मैं अब नहीं कर सकता, जो मैं पहले करता था, चाहे वह शारीरिक हो या मानसिक-या कुछ और। रिपब्लिकन सांसद ग्रेग मर्फी ने एक निजी समाचार चैनल से कहा, आइए जो बाइडन को देखें, उन्होंने बहुत ज्यादा प्लास्टिक सर्जरी कराई, बहुत ज्यादा बोटोक्स और बहुत ज्यादाना फिलर कराया है। वह अब बाहर होने वाले हैं। मैं एक सर्जिकल क्षेत्र में काम करता हूं जिसमें बहुत सारे बुजुर्ग मरीज हैं और इसलिए मैंने पूरे साल मरीजो को मानसिक रूप से कमजोर होते हुए देखा है - यह सिर्फ एक वास्तविकता है, ऐसा ही होता है।

रिपब्लिकन नेता ने आरोप लगाया कि कर्मचारियो पर जो बाइडन के कथित क्रोध उनके मनोभ्रंश के एक रूप को दर्शाता है। क्योंकि राष्ट्रपति संवाद करने में असमर्थता से निराश हो जाते हैं।

पहले भी किए गए हैं बाइडन की प्लास्टिक सर्जरी के दावे

2019 में कई कॉस्मेटिक सर्जनों ने वाशिंगटन एग्जामिनर में कहा था कि बाइडन के गालों के किनारों पर निशान एक नए बदलाव के स्पष्ट संकेत देते हैं। प्लास्टिक सर्जन और कोलंबिया विश्वविद्यालय में सर्जरी के एसोसिएट प्रोफेसर आर्थर पेरी ने मीडिया को बताया, ओह, उनके चेहरे ने नया रूप ले लिया है, इसमें कोई संदेह नहीं है। वहीं, न्यूयॉर्क स्थित कॉस्मेटिक सर्जन कैप लेसेन ने एक लेख में कहा, "बाइन की सर्जरी के साथ समस्या यह है कि यह स्पष्ट रूप से दिख रहा है। मैंने कई हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों की सर्जरी की है और मैं उन्हें कभी भी इस तरह दिखने नहीं दूंगा। ये क्लासिक फेसलिफ्ट के निशान हैं। शायद एक साल से ज्यादा हो गया है। मुझे उनके लिए कुछ बुरा लग रहा है। उन्हें उन दागों को हटा देना चाहिए था।

यूएन में भारत ने दिया पाकिस्तान का साथ

स्वीडन में कुरान जलाने पर पाक के प्रस्ताव का समर्थन किया, अमेरिका ने किया विरोध

न्यूयॉर्क, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ यानी यूएन की ह्यूमन राइट्स काउंसिल में बुधवार को पाकिस्तान का समर्थन किया। दरअसल, स्वीडन में बार-बार कुरान जलाए जाने के खिलाफ पाकिस्तान ने यूएनएचआरसी में एक प्रस्ताव रखा था। इस पर भारत ने भी पाकिस्तान के समर्थन में वोट किया है। सभी इस्लामिक देशों के साथ यूरोपीय संघ, पोप फ्रांसिस और खुद स्वीडन की सरकार ने इस घटना की निंदा की थी। पाकिस्तान ने अपने प्रस्ताव में कुरान जलाने जैसी घटनाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की थी। हालांकि, अमेरिका और यूरोपियन यूनियन समेत कई पश्चिमी देशों ने फ्रीडम ऑफ स्पीच का हवाला देते हुए इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया।

यूएनएचआरसी में कुल 47 सदस्य हैं। इसमें ओआईसी यानी ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन के सिर्फ 19 देश शामिल हैं। इन सभी ने पाक के प्रस्ताव का समर्थन किया। पाकिस्तान ने यूएनएचआरसी में ये

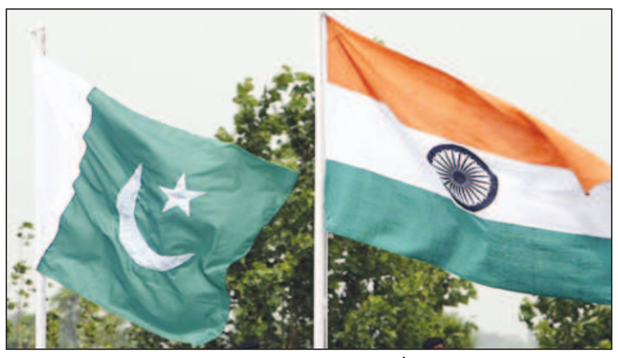

प्रस्ताव ओआईसी देशों के कहने पर ही लाया था। उइगर मुस्लमानों के मुद्दे पर घिरे रहने वाले चीन ने भी पाक के समर्थन में वोट किया। वहीं, नेपाल समेत 7 देशों ने किसी का समर्थन नहीं करते हुए वोटिंग ही नहीं की। यूएनएचआरसी में प्रस्ताव पर बहस के दौरान मुस्लिम देशों का कहना था कि कुरान जलाने जैसी घटनाएं नफरत को बढ़ाने का काम करती हैं। फ्रीडम ऑफ स्पीच के नाम पर इस तरह की घटनाओं को बढ़ने नहीं दिया जा सकता है। प्रस्ताव के खिलाफ वोट करने वालों में ब्रिटेन, बेल्जियम, जर्मनी, रोमानिया, लिथुआनिया, कोस्टारिका और फिनलैंड भी शामिल रहे। स्वीडन में ईद-अल-अजहा के मौके पर स्टॉकहोम की एक मस्जिद के बाहर एक शख्स ने कुरान जलाकर प्रदर्शन किया था। इसके लिए उसे स्वीडिश सरकार से परमिशन मिली थी। सीएनएन के मुताबिक, अभिव्यक्ति की आजादी के तहत एक दिन के प्रदर्शन के लिए ये इजाजत दी गई थी।

रूस को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने को भारत तैयार

इसमें नाटो समेत कई देशों की दिलचस्पी, इसके आगे चीन में तैनात एस-400 डिफेंस सिस्टम भी फेल

मास्को, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल को देश का ब्रह्मास्त्र कहा जाता है। यह किसी भी सशस्त्र बल में शामिल इकलौती सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। ये मिसाइल इतनी खास है कि चीन में तैनात एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भी इसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। और तो और पश्चिमी देशों के साथ कई नाटो देश भी इस मिसाइल को खरीदने में अपनी दिलचस्पी दिखा चुके हैं। ये कहना है कि ब्रह्मोस एरोस्पेस के सीईओ और एमडी अतुल दिनकर का। अतुल ने हाल ही में द वीक मैगजीन से इस मिसाइल की खूबियों और क्षमताओं पर बाच की।

इंटरव्यू के दौरान अतुल ने बताया कि जब उन्होंने ब्रह्मोस मिसाइल बनाने की शुरुआत की थी, तब दुनिया में ऐसी कोई डिफेंस प्रणाली नहीं थी जो इसका सामना कर सके। हालांकि, अब उन्होंने कुछ ऐसे एंटी-मिसाइल सिस्टम्स के बारे में सुना है जो काफी एडवांस्ड हैं, लेकिन ब्रह्मोस के ऑपरेशन पर ये कितना असर डाल सकते हैं, इसे लेकर ज्यादा साक्ष्य नहीं मिले हैं।

चीन ने रूसी एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किया है। यह ब्रह्मोस के खिलाफ कितना प्रभावी होगा?

फिलहाल बहुत कम देशों के पास एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम है। ब्रह्मोस के लॉन्च होने के बाद टारगेट लोकेशन पर इसके प्रभाव के बीच बहुत कम समय होता है, इसलिए किसी भी जमीन से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम के लिए इसे रोक पाना मुश्किल है। सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल को रोकना नामुमकिन है।

अगर कोई डिफेंस सिस्टम ऐसा करने में कामयाब हो भी गया तो वो सिर्फ 1,2 या 3 को रोक पाएगा। एक साथ 5-6 के सैल्वो को रोकना संभव नहीं है। ये मिसाइल किसी न किसी तरह अपने टारगेट तक पहुंच ही जाएंगी।

कमला हैरिस ने 191 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

सीनेट में टाई-ब्रेकिंग वोट के साथ रचा इतिहास

वॉशिंगटन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कैलिफोर्निया डेमोक्रेट पार्टी की नेता कमला हैरिस ने अमेरिका के इतिहास में एक और रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने उपराष्ट्रपति के रूप में टाई ब्रेकिंग वोट डालने के 191 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की है।

हैरिस ने एक संघीय एजेंसी के सदस्य के रूप में भारतीय मूल की कल्पना कोटागल के नामांकन का समर्थन किया है। हैरिस ने सीनेटर जॉन सी कैलहौन के रिकॉर्ड की बराबरी की जो डेमोक्रेटिक-रिपब्लिकन थे और जिन्होंने 1825 से 1832 तक जॉन क्विंसी एडम्स और एंड्रयू जैक्सन के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया था।

घातक दुर्घटना के बाद नेपाल ने हेलीकॉप्टरों की गैर-जरूरी उड़ानों पर लगाया प्रतिबंध

सितंबर तक रहेगा लागू

काठमांडू, 13 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल के विमानन नियामक ने एवरेस्ट क्षेत्र में एक घातक दुर्घटना के बाद दो महीने के लिए हेलीकॉप्टरों के गैर-आवश्यक उड़ानों के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध दर्शनीय स्थलों की यात्रा पर भी लागू होगा। दरअसल, पूर्वी नेपाल में माउंट एवरेस्ट के पास एक निजी वाणिज्यिक हेलीकॉप्टर के मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार मैक्सिको के एक परिवार के पांच सदस्यों और पायलट की मौत हो गई थी।

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) के प्रबंधक ज्ञानेंद्र भुल ने बताया कि मनांग एअर के हेलीकॉप्टर 9एन-एएमवी ने मंगलवार सुबह 10 बजकर चार मिनट पर सोलुखुंबु जिले के सुरकी हवाई अड्डे से काठमांडू के लिए उड़ान भरी थी और सुबह 10 बजकर 13 मिनट पर 12,000 फुट की ऊंचाई पर अचानक

संपर्क टूट गया। हेलीकॉप्टर सुदूर पहाड़ी इलाके सोलुखुंबु जिले के लिखुपिके ग्रामीण नगरपालिका के लामजुरा इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टीआईए के प्रवक्ता टेकनाथ सितौला ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान दुर्घटनास्थल पर सभी छह लोगों के शव बरामद किए गए। ये लोग पर्वतीय क्षेत्र की हवाई यात्रा करने के बाद सुरकी से काठमांडू लौट रहे थे।

सितंबर तक लागू रहेगा प्रतिबंध

नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएन) ने बुधवार देर रात एक ट्विटर पोस्ट में कहा, पर्वतीय उड़ानें, बाहरी भार संचालन (स्लिंग उड़ानें) और हेलीकॉप्टरों द्वारा फूलों की वर्षा जैसी गैर-जरूरी उड़ानें सितंबर तक प्रतिबंधित रहेंगी। नेपाल ने मंगलवार को हुई दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच समिति का गठन किया है। नेपाल में पर्यटकों और पर्वतारोहियों के लिए घूमने का मौसम मई में समाप्त हो जाता है। इस वक्त पर्यटकों को पर्वतीय इलाकों में ले जाने वाली बहुत कम उड़ानें होती है क्योंकि दृश्यता खराब होती है और मौसम की स्थिति भी अनिश्चित होती है।

माउंट एवरेस्ट सहित दुनिया की 14 सबसे ऊंची पर्वत चोटियों में से आठ नेपाल में है और यहां हवाई दुर्घटनाओं का इतिहास रहा है, क्योंकि कई एयरलाइंस सुदूर पहाड़ियों में छोटे हवाई अड्डों और अक्सर बादलों से घिरी चोटियों के पास उड़ान भरती हैं। बता दें कि नेपाल में 30 वर्षों में सबसे भीषण हवाई दुर्घटना में इस साल जनवरी में हुई थी, जिसमें 71 लोगों की मौत हो गई थी। दरअसल, पर्यटक शहर पोखरा के पास एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

शीत युद्ध के हथकंडों को अपना रहे नाटो देश

रूस बोला- हर तरह के खतरों से निपटने को तैयार, स्वीडन बनेगा 32वां सदस्य

विलिनियस, 13 जुलाई (एजेंसियां)। यूरोपीय देश लिथुएनिया में 2 दिन तक चली नाटो समिट यूक्रेन की सदस्यता पर बिना कोई अहम स्टैंड लिए ही खत्म हो गई। यूक्रेन को समिट में नाटो की सदस्यता पर बड़ी घोषणा होने की उम्मीद थी। इसके बदले उसे सुरक्षा के सहयोग का आश्वासन मिला।

वहीं, रूस ने नाटो समिट के दौरान पुतिन के खिलाफ हुई बयानबाजी पर पलटवार किया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि नाटो देश शीतयुद्ध के हथकंडों को अपना रहे हैं। इसे पैदा होने वाले खतरे का जवाब हम हर तरह से देने के लिए तैयार हैं।

बाइडेन ने पुतिन को सत्ता का लालची बताया

नाटो की बैठक में यूक्रेन को लंबी रेंज वाले हथियार देने की भी घोषणा हुई है। इस पर रूस ने कहा है कि अमेरिका के नेतृत्व में चंद देश जंग को लंबा खींचने के लिए ऐसा कर रहे हैं। वहीं, समिट के आखिरी दिन अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पुतिन के खिलाफ बयानबाजी की।

उन्होंने कहा- पुतिन जमीन और सत्ता के लालची हैं, यूक्रेन पर हमला करते हुए उन्हें लगा था कि वो नाटो को तोड़ देंगे। पर वो गलत थे। नाटो अब और भी ताकतवर और एकजुट है। इसके जवाब में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा है कि यूक्रेन को F-16 फाइटर जेट्स देकर नाटो देश रूस को परमाणु खतरे की तरफ धकेल रहे हैं। उन्होंने कहा- नाटो और अमेरिका की सैटेलाइट्स सीधे रूस से जंग का खतरा पैदा कर रही हैं, इसका अंजाम खतरनाक हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की मध्यस्थता से आखिरकार तुर्किये ने नाटो में स्वीडन के शामिल होने का रास्ता साफ कर दिया है। यूक्रेन पर रूस के हमले के 16 महीनों बाद नाटो का विस्तार बड़ी सफलता है। एक साल में नाटो में 2 नॉर्डिक देशों (फिनलैंड और स्वीडन) की सदस्यता से उसे उत्तरी यूरोप में रूस के खिलाफ नया रक्षा कवच मिलेगा। मार्च 2022 में यूक्रेन में रूस के हमले के बाद स्वीडन और फिनलैंड दोनों अपनी बरसों पुरानी तटस्थता की नीति को छोड़ते हुए अप्रैल 2022 में नाटो की सदस्यता के लिए आवेदन किया था। फिनलैंड नाटो में 31वां सदस्य बन गया, लेकिन नाटो के मौजूदा सदस्यों तुर्किये और हंगरी के विरोध के चलते स्वीडन की सदस्यता अटक गई थी।

अब वह नाटो का 32वां साथी बनने जा रहा है। स्वीडन के इस फैसले से न सिर्फ नाटो की ताकत बढ़ेगी, बल्कि रूस को रोकने में मदद मिलेगी। फिनलैंड के बाद स्वीडन के नाटो में आने से यूरोप को उत्तर में रूस खिलाफ मजबूत सेफ्टी वॉल मिलेगी। स्वीडन ने 200 साल में कोई भी बड़ा युद्ध नहीं लड़ा है। आखिरी बार 1814 में स्वीडन-नॉर्वे युद्ध हुआ था। दोनों विश्व युद्ध में भी स्वीडन तटस्थ रहा था। स्वीडन नाटो सक्रिय सहयोगी रहा है। उसने इराक, अफगानिस्तान में शांति सेना भेजी थी, लेकिन रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद स्वीडन अपनी निर्गुट विचारधारा छोड़ने को मजबूर हो गया।

20 साल बाद रेप-मर्डर का आरोपी गिरफ्तार

तेल अवीव, 13 जुलाई (एजेंसियां)। इजराइली पुलिस ने 2003 में हुए रेप और मर्डर के एक केस को सॉल्व किया है। इसके लिए बिल्कुल लेटेस्ट और हाईटेक फोरेंसिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, इजराइल ने अब तक इस टेक्नोलॉजी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है। पुलिस ने इसी मेथड का इस्तेमाल करके घटनास्थल से 20 साल बाद आरोपी का डीएनए भी जुटाया और क्राइम सीन भी रीक्रिएट किया।

यह केस ऐलात शहर में हुआ था। विक्टिम 21 साल की मारग्रिटा लेवी थी। तब इस केस के सिलसिले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया था। सबूत न मिलने पर उसे छोड़ दिया गया था।

'टाइम्स ऑफ इजराइल' और कुछ दूसरी मीडिया रिपोर्ट्स में गुरुवार को इस मर्डर और रेप केस के सॉल्व होने की जानकारी दी गई। इनके मुताबिक- ऐलात शहर की पुलिस ने उस स्पॉट पर डेड बॉडी मिलने का सीए रिक्रिएट किया जहां 20 साल पहले मारग्रिटा की लाश मिली थी।

डिस्पोजेबल ई-सिगरेट पर्यावरण के लिए खतरनाक

यूएस में हर महीने 1.19 करोड़ ई-सिगरेट बिकती हैं, 8% ही रिसाइकिल हो पाती हैं

न्यूयॉर्क, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दुनियाभर में डिस्पोजेबल ई-सिगरेट और इलेक्ट्रिक वेप का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही इसके ई-वेस्ट को लेकर भी कई देशों में चिंता बढ़ गई है। सिंगल यूज होने और रिफिल करने के जरूरत नहीं होने के कारण लोग इनका ज्यादा उपयोग कर रहे हैं।

अमेरिकी सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के सहयोगी सीडीएस फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में हर महीने करीब 1.19 करोड़ डिस्पोजेबल ई-सिगरेट की बिक्री होती है। मार्च 2023 में बेची गईं ई-सिगरेट में से आधी से ज्यादा 53% से ज्यादा डिस्पोजेबल ई-सिगरेट थीं, लेकिन गार्बोलॉजी रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में सिर्फ 8% ई-सिगरेट ही रिसाइकलिंग फैसिलिटी तक पहुंचती हैं।

पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों ने इस पर कड़े प्रतिबंधों की मांग की है। यूएस पीआईआरजी एजुकेशन फंड की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में सालभर में बिकने वाले डिस्पोजेबल वेप्स की लाइन बनाई जाए तो वह

11,265 किमी लंबी होगी, जो अमेरिका महाद्वीप की चौड़ाई से दोगुनी होगी।

बनावट के कारण ई-सिगरेट को डिस्पोज करना मुश्किल

बनावट के कारण डिस्पोजेबल ई-सिगरेट को डिस्पोज करना मुश्किल है, क्योंकि इसका एक हिस्सा प्लास्टिक का होता है जिसमें इलेक्ट्रिक सर्किट्स और लिथियम बैटरी होती है, जिससे यह ई-वेस्ट की श्रेणी में आता है। वहीं, इसमें होने वाले निकोटिन की वजह से यह खतरनाक अपशिष्ट में आता है। इसी कारण कई जगहों पर इसे रिसाइकल किए बिना छोड़ा जाता है।

कई अमेरिकी राज्यों में ई-सिगरेट के नियमन की तैयारी

कैलिफोर्निया और न्यूयॉर्क के कई सांसदों ने सिंगल यूज वेप्स और ई-सिगरेट की बिक्री को नियंत्रित करने के लिए बिल पेश किया है। ट्रूथ इनिशिएटीव के एक रिसर्च में सामने आया है कि 51% लोग ई-सिगरेट को उपयोग के बाद सामान्य कचरे में फेंक देते हैं।

युवाओं के बीच ई-सिगरेट का चलन तेजी से बढ़ा

ई-सिगरेट्स दरअसल गैर-लाइसेंस वाले प्रोडक्ट्स हैं। इसे एक ऐसे प्रोडक्ट के रूप में बेचा जाता है जो लोगों को स्मोकिंग छोड़ने में मदद करते हैं। यही वजह है कि युवाओं के बीच ई-सिगरेट का चलन तेजी से बढ़ रहा है। ये तंबाकू को नहीं जलाती है, बल्कि लिक्विड निकोटीन सॉल्यूशन से धुआं उड़ाने के लिए हीटिंग डिवाइस का इस्तेमाल करती है। इस धुएं को सिगरेट पीने वाला सांस के साथ अंदर लेता है।

ऑस्ट्रेलिया में मांस खाने वाली बीमारी फैला रहे मच्छर

इनके बैक्टीरिया से हो रहा बुरुली अल्सर, पिछले साल 11 देशों में 2100 मामले मिले

कैनबरा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। साइंटिस्ट्स का कहना है कि ऑस्ट्रेलिया के कुछ इलाकों में मच्छर और पोसम्स (ऑस्ट्रेलिया में पाया जाने वाला नेवले की तरह दिखने वाला जानवर) मांस खाने वाला बैक्टीरिया फैला रहे हैं। दरअसल, पिछले कुछ सालों में ऑस्ट्रेलिया में मांस खाने वाली बीमारी बुरुली अल्सर के मामले बढ़े हैं। लेकिन ये कैसे फैली रही थी इस सवाल साइंटिस्ट्स को परेशान कर रखा था। अब साइंटिस्ट्स का कहना है कि बुरुली अल्सर सिर्फ इंसान को ही नहीं बल्कि पोसम्स को

भी होता है। साइंस न्यूज के मुताबिक, मायकोबैक्टेरियम अल्सरन्स नाम के बैक्टीरिया से बुरुली अल्सर होता है। ये बैक्टीरिया पोसम्स को इंफेक्ट करने के बाद उनके मल के जरिए बाहर निकाल जाता है। दूसरी तरफ हैं मच्छर, जो गंदगी में पनपते हैं। ऐसे में हमारा मानना है कि मच्छर और पोसम्स आसानी से मांस खाने वाला ये बैक्टीरिया फैला सकते हैं। साइंटिस्ट्स ने साउथ-ईस्ट ऑस्ट्रेलिया में मच्छरों पर एक सर्वे किया था। इससे मांस खाने वाले बैक्टीरिया और मच्छरों के बीच कनेक्शन मिला। इसके बाद रिसर्च शुरू की गई। स्टडी में पाया गया कि मच्छरों, पोसम्स और इंसानों में एक जैसा ही मायकोबैक्टेरियम अल्सरन्स नाम का बैक्टीरिया मिला है। रिसर्च में ये भी सामने आया कि बैक्टीरिया का डीएनए भी एक जैसा ही था। साइंटिस्ट्स ने मेल्बर्न के मॉर्निंगटन पेनिनसुला से 72 हजार मच्छरों को पकड़ा। इस इलाके से बुरुली अल्सर के कई मामले सामने आ चुके हैं। 18 हजार लोग जिन्हें ये बीमारी थी, उन्हें भी स्टडी किया गया। स्टडी में सामने आया कि इन सभी को एडीस नोटोस्क्रीप्टस प्रजाति के मच्छर ने काटा था।

तलाक प्रक्रिया से गुजर रहे कर्मचारियों को पेड लीव

अमेरिका, ब्रिटेन समेत यूरोपीय देशों में कंपनियां अदालती सुनवाई के लिए छुट्टी दे रहीं

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कंपनियां कर्मचारियों को फर्टिलिटी ट्रीटमेंट, मेंस्ट्रुअल लीव जैसी सुविधाएं देती रही हैं। अब कंपनियों ने तलाक की प्रक्रिया से गुजर रहे कर्मचारियों को भी सहारा देना शुरू किया है। कर्मचारियों को अदालती सुनवाई के लिए जाना होता है। इसके लिए उन्हें छुट्टी दी जा रही है। साथ ही उन्हें सुविधाजनक समय में दफ्तर का काम करने की आजादी दी गई है। एक्सपर्ट्स कहते हैं तलाक और मानसिक स्वास्थ्य काम करने की क्षमता पर काफी असर करता है। ऐसे समय

में उन्हें हर तरह के सहयोगी की जरूरत होती है। पार्टनर से अलगाव के दौरान कर्मचारी नकारात्मक भावनाओं से घिर जाते हैं। इन कार्यक्रमों का मकसद कर्मचारियों को अलगाव की पीड़ा से उबारना है। उनके जीवन को फिर से पटरी पर लाना है। 2022 में अमेरिका की एक कंपनी ने तलाक प्रक्रिया से गुजर रहे 12,000 कर्मचारी के लिए सहायता का कार्यक्रम शुरू किया था। इसमें थैरेपी और कानूनी सहायता शामिल थी। वहीं, ब्रिटेन में इस साल की शुरुआत में तलाक के दौरान बच्चों के लिए काम करने वाले संगठनों ने परिवार-अनुकूल नीतियों की पहल की थी। अन्य यूरोपीय देशों की कंपनियां भी अपने ऐसे कर्मचारियों की मानसिक और वित्तीय मदद की सुविधाएं दे रही हैं। उनकी काउंसलिंग भी करा रही हैं। अमेरिका के यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस के अनुसार 2006 में तलाक के बाद 33% महिलाओं को सेक्शुअल असॉल्ट का शिकार होना पड़ा। यह कहानी केवल अमेरिका की ही नहीं भारत की भी है। रिलेशनशिप काउंसलर्स का कहना है कि तलाकशुदा महिला को चरित्रहीन समझ लिया जाता है।

खड़गे की टीम में पायलट के अलावा 4 राजस्थानी सांसद

इसी महीने होंगी यूआईटी-बोर्ड में नियुक्तियां; टिकट के दावेदारों को कम करने की कोशिश

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव में जातिगत वोटबैंक को साधने और टिकटों को लेकर होने वाली मारामारी कम करने के लिए 2 मास्टर स्ट्रोक प्लान किए हैं।

जातिगत वोट बैंक साधने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की नेशनल टीम में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के अलावा राजस्थान के 4 और बड़े नेताओं का शामिल किया जाएगा। यह चारों राजस्थान से राज्यसभा सांसद हैं।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी), जिसका पुनर्गठन किया जा रहा है। इस कमेटी में पायलट महासचिव होंगे। उनके अलावा केसी वेणुगोपाल, रणदीप सिंह सुरजेवाला, मुकुल वासनिक, प्रमोद तिवारी भी खड़गे की नेशनल टीम में शामिल होंगे। इसके अलावा नीरज डांगी एआईसीसी में शामिल किए जाएंगे। इनके नामों की घोषणा इसी महीने में कर दी जाएगी।

इन मौजूदा राज्यसभा सांसदों के अलावा दो पूर्व सांसदों भंवर जितेंद्र सिंह और रघुवीर मीणा व दो पूर्व विधायकों मोहन प्रकाश और धीरज गुर्जर को भी खड़गे की नेशनल टीम में जगह मिलने की संभावना है।

इसके अलावा कांग्रेस ने चुनावों से पहले टिकटों की मारामारी कम करने के लिए भी प्लान बनाया है। वर्तमान कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्युसी) के सदस्य रघुवीर मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे नई टीम बनाने की कवायद कर रहे हैं।

जल्द ही सीडब्ल्यूसी और एआईसीसी की नई टीम सामने आ जाएगी। किसे क्या जिम्मेदारी दी जाएगी यह राष्ट्रीय अध्यक्ष का विवेकाधिकार है। साथ ही प्रदेश की स्क्रीनिंग कमेटी, चुनाव अभियान समिति, चुनाव घोषणा पत्र समिति सहित राष्ट्रीय टीमों की घोषणा भी जल्द होगी।

कौन और क्यों शामिल होंगे खड़गे की टीम में

खड़गे ऐसी टीम बनाना चाहते हैं, जिसमें राजस्थान की राजनीति को प्रभावित करने वाले जाट, ब्राह्मण, गुर्जर, दलित, मीणा जैसे बड़े वोट बैंक को साधने में मदद मिले। साथ ही ऐसे नेता आगे आ सकें, जो लंबे समय से कांग्रेस के अच्छे-बुरे दौर में साथ रहे हैं और किसी तरह की गुटबाजी से भी दूर हों।

बोर्ड में राजनीतिक नियुक्तियों से समाजों के वोट बैंक को साधा जाएगा

कुछ पुराने सामाजिक कल्याण बोर्ड जैसे देवस्थान बोर्ड, धरोहर प्रन्नोति प्राधिकरण पहले से ही रिक्त चल रहे हैं। अब उनके चेयरमैन नियुक्त किए जाएंगे। साथ ही महाराणा प्रताप बोर्ड, वीर तेजाजी बोर्ड, स्वर्ण रजत कला बोर्ड, राज्य रजक कला बोर्ड, महात्मा ज्योतिबा फुले बोर्ड, राज्य चर्म शिल्प कला जैसे बोर्ड गठित किए हैं।

इन बोर्ड को गठित करने के लिए लंबे समय से जाट, राजपूत, धोबी, माली, दलित, सुनार आदि समाजों के लोग मांग कर रहे थे। बोर्ड गठित होने पर इन समाजों के लोगों ने सीएम हाउस पहुंचकर सीएम गहलोत का आभार भी प्रकट किया था। अब इन बोर्ड में कांग्रेस सरकार अध्यक्ष-उपाध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति करने वाली है, ताकि चुनावों से पहले इनसे संबंधित समाजों तक सरकार व पार्टी का संदेश पहुंच सके।

नियुक्तियों से होंगे दो बड़े फायदे

कांग्रेस इस बार चुनावों से दो-ढाई महीने पहले ही विधायक बनने के उम्मीदवारों की घोषणा करना चाहती है। ऐसे में पार्टी टिकट मांगने वाले प्रभावशाली नेताओं में करीब 60-70 नेताओं-पदाधिकारियों को इन यूआईटीज और बोर्ड में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष बनाकर खुश करना चाहती है।

हाल ही में इसी तरह 25-30 नेताओं को जिलाध्यक्ष बना दिया है। इससे न केवल वे लोग चुनाव में ज्यादा मेहनत के साथ जुटेंगे बल्कि पार्टी के समक्ष टिकट मांगने वालों की भीड़ भी स्वतः ही कम होगी तो टिकट देने के चयन में आसानी रहेगी। ऐसे में यह नियुक्तियां जल्द करने पर काम चल रहा है।

विधायक मेवाराम भूमाफिया के आगे असहाय क्यों हैं

प्रियंका बोली-साढ़े चार साल भ्रष्टाचार करते हैं, फिर ठिकरा किसी और पर फोड़ देते हैं

बाड़मेर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बाड़मेर का बहुचर्चित रीको जमीन पर फर्जी पट्टे मामले को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे है। कुछ दिन विधायक मेवाराम जैन ने प्रेस वार्ता कर बीजेपी के नेताओं पर आरोप लगाए थे। बुधवार को बीजेपी नेत्री डॉ. प्रियंका चौधरी ने प्रेस वार्ता कर पलटवार किया है। चौधरी ने कहा विधायक मेवाराम जैन ने स्वयं ने माना है कि भूमाफिया सरकारी जमीन पर कब्जा कर रहे है। सरकार से लेकर बोर्ड खुद का है। इसके बावजूद भूमाफिया के आगे असहाय क्यों नजर आ रहे है। विधायक या तो खुद भ्रष्टाचार में लिप्त है या फिर भूमाफिया के दबाव में काम कर रहे है।

डॉ. प्रियंका चौधरी ने प्रेसवार्ता में कहा कि रीको को रेवन्यू बोर्ड ने जमीन आवंटित की थी। इसमें कुछ जमीन पर रीको ने औद्योगिक इकाई के लिए जमीन आवंटित कर दी। शेष जमीन पर रीको चार दीवारी करने के दौरान खातेदारों ने विरोध कर कोर्ट में गए वहां पर स्टे मिल लग गया था। आज भी स्टे यथावत है। चौधरी का आरोप है कि रीको को भनक लगी की रीको की जमीन पर फर्जी पट्टे

जारी कर रही है। रीको ने नगर परिषद को चिट्ठी भी लिखी। उसमें लिखा कि जमीन पर स्टे ऑर्डर है इसलिए जमीन पर पट्टे जारी नहीं करें। नगर परिषद ने जानकारी में होने के बावजूद झानबूझकर स्टे वाली जमीन पर पट्टे जारी कर दिए। 7 पट्टे जारी कर दिए। जानकारी में आने पर जिला कलेक्टर से मिलकर पट्टे निरस्त करने की मांग की और जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

प्रियंका ने कहा- विधायक भूमाफिया के आगे असहाय क्यों है

प्रियंका चौधरी ने विधायक पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि मेवाराम जैन 15 साल से विधायक है। नगरपरिषद सभापति रह चुके है। बोर्ड आपका, मंत्री और सरकार आपकी है। इसके बावजूद भू-माफिया के आगे असहाय क्यों नजर आ रहे है। सरकारी जमीन पर दिन-ब-दिन कब्जे हो रहे है। विधायक ने भ्रष्टाचार, सरकारी जमीन पर कब्जा हो रहा है यह सब माना है। विधायक ने अपने भाई का जिक्र भी अपने बयान में किया। इसका मतलब है सारी चीजें उनको मालूम है। विधायक को पता है कि खसरा संख्या 1606 है उसमें 30 पट्टे फर्जी बनाए गए। अब विधायक यह बयान देते है कि मेरा उस भाई से 40 साल से कोई लेना-देना नहीं है। इस प्रकरण की क्यूं नहीं जांच करवाई गई।

भाजपा नेत्री ने कहा- विधायक भ्रष्टाचार में लिप्त है या भूमाफिया के दबाव में है।

चौधरी ने विधायक मेवाराम जैन पर आरोप लगाया कि विधायक सरकारी जमीन के आरक्षित जमीन को नहीं बचा पाए। यहां तो विधायक भ्रष्टाचार में लिप्त है या भूमाफिया के दबाव में है। विधायक भूमाफिया के दबाव में काम कर रहे है। बीजेपी द्वारा समय-समय पर भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया गया। लेकिन एक पर अभी तक कार्रवाई नहीं हुई है। इन सभी पर जांच होनी चाहिए। भूमाफिया पहाड़ों को लगातार काट रहे है। उस पर पट्टे दिए जा रहे है। चौधरी ने कहा- विधायक साढे चार भ्रष्टाचार करने के बाद ठिकरा किसी और पर फोड़ देते है।

प्रियंका चौधरी ने कहा कि बाड़मेर में कोई भी काम विधायम मेवाराम जैन के इशारे के बिना नहीं होता है। बाड़मेर के सीएम, मंत्री भी वहीं है। छोटे-छोटे कर्मचारी के हाथ में नहीं काम करना, उनकी इजाजत के बिना एक काम नहीं होता है। उनकी नाक के नीचे भूमाफिया इतना बड़ा काम कर जाते है अपनी जिम्मेदारी छोड़कर सभी विभागों को भ्रष्ट बता देते है। साढ़े चार साल तक भ्रष्टाचार करते है और जब चुनाव नजदीक आते है या उनकी पोल खुलती है तो अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए और अपने सुरक्षित रखने के लिए ठिकरा किसी और पर फोड़ देते है।

राजेन्द्र राठौड़ बोले- सदन में बिल पास कराने के लिए बुलाया छोटा सत्र, जनता में भ्रम फैलाने की कोशिश

जयपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार केवल घोषणा करने का काम कर रही। धरातल पर इनका कोई असर नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पता चल गया कि वह सत्ता से जाने वाली है।

राजस्थान विधानसभा का सत्र 14 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने इसे लेकर कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आनन फानन में छोटा सत्र बुलाया है, ताकि

ताकि कुछ बिल सदन में पास कराए जा सकें। सरकार जनता में

भ्रम फैलाने के लिए इस तरह के बिल ला रही है। भाजपा इस छोटे सत्र में सरकार की पोल खोलने का काम करेगी।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सरकार केवल घोषणा करने का काम कर रही। धरातल पर इनका कोई असर नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पता चल गया कि वह सत्ता से जाने वाली है, इसलिए आनन फानन में घोषणा की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार विधानसभा में जो भी बिल पेश करेगी उस पर चर्चा करने के लिए हम तैयार हैं। विधानसभा में सवाल इसलिए खड़े किए जाते है, ताकि जवाब मिले, लेकिन कांग्रेस जवाब ही नही देती है।

एसीबी केस में फंसे बीजीपी पूर्व जिलाध्यक्ष ने दी सफाई

बोले- 7 साल बाद षड्यंत्र के तहत फंसाया; एनओसी का था प्रकरण

दौसा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा जिलाध्यक्ष रहते नर्सिंग कॉलेज की एनओसी प्रकरण में एसीबी केस में फंसे डॉ. रतन तिवाड़ी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई दी। उन्होंने पार्टी जिलाध्यक्ष डॉ. प्रभुदयाल शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यनारायण सहारा, अभयशंकर शर्मा, जिला महामंत्री रवि पालीवाल व लाखन गुर्जर की मौजूदगी में प्रकरण की जानकारी देते हुए अपना पक्ष रखा।

भाजपा नेता ने कहा साल 2015 के प्रकरण में उन्हें अचानक साल 2022 में ACB का नोटिस मिला, इसके पीछे राजनीतिक षड्यंत्र से

भी इनकार नहीं किया जा सकता है। प्रकरण के चलते उस वक्त डॉ. तिवाड़ी ने भाजपा जिलाध्यक्ष के पद से भी इस्तीफा दे दिया था। हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ी। उन्होंने इसे सत्य की जीत बताया। अधिवक्ता दुर्गाप्रसाद सैनी ने बताया कि डॉ. रतन तिवाडी ने साल 2012 में अंब्रोसिया कॉलेज ऑफ नर्सिंग के लिए आवेदन कर राज्य सरकार से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया। जिसके बाद उक्त कॉलेज को 2 वर्ष के लिए सभी आवश्यक जरूरतें पूरी कर इंडियन नर्सिंग काउंसिल व राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त करनी थी, लेकिन अनापत्ति प्रमाण पत्र के प्राप्ति के 16 दिन बाद ही एसीबी द्वारा सभी प्रक्रियाधीन कॉलेजों पर एक साथ छापामार कर जांच शुरू की। जिनमें करीब 50 कॉलेजों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई।

उन्होंने बताया कि एसीबी द्वारा की गई जांच में पाया गया कि इन सभी कॉलेज संचालकों को 2 वर्ष का समय सरकार द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र में दिया गया, जिसमें इनको कॉलेज चालू करने से पूर्व सभी आवश्यक संबंधता लेनी थी, लेकिन मुकदमों के दर्ज होने के कारण इन सभी ने आगे की प्रक्रिया नहीं अपनाई, जिसके कारण इनमें से अधिकांश केस में एफआर लगा दी गई। क्योंकि इन कॉलेजों में कोई प्रवेश नहीं लिया गया था, ना ही किसी प्रकार की कोई फीस ली गई। साथ ही कॉलेज भी शुरू नहीं हुए थे और न ही राज्य सरकार को किसी प्रकार की राजस्व हानि व भ्रष्टाचार हुआ। इन फैक्ट के आधार पर एफआर लगा दी गई। मामले की प्रारंभिक एफआइआर में डॉ. रतन तिवाड़ी को आरोपी भी नहीं बनाया गया लेकिन बाद में एसीबी ने पीसी एक्ट की धाराओं को छोड़कर भारतीय दंड संहिता की धारा में भी जांच की।

स्कूल में इंग्लिश सब्जेक्ट का टीचर नहीं परेशान स्टूडेंट ने शुरू किया प्रदर्शन, ग्रामीण भी हुए शामिल

जोधपुर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जोधपुर शहर के निकटवर्ती राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल बिरामी के स्टूडेंट ने इंग्लिश सब्जेक्ट का टीचर नहीं होने पर पढ़ाई का बहिष्कार करते हुए स्कूल के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्रदर्शन में गांव वाले भी शामिल हो गए। सभी की मांग है कि स्कूल में इंग्लिश सब्जेक्ट के टीचर को लगाया जाए। इसके बाद यहां पर पढ़ाई शुरू करवाई जाएगी। जब तक यहां नया टीचर नहीं लगाया जाता प्रदर्शन जारी रहेगा।

बड़ी संख्या में स्कूल के स्टूडेंट और ग्रामीण स्कूल के बाहर मौके पर मौजूद है। सामाजिक कार्यकर्ता

हीराराम जोया ने बताया इंग्लिश सब्जेक्ट टीचर को कलेक्टर ऑफिस में लगा दिया है। 4 साल से यहां पर अंग्रेजी सब्जेक्ट का टीचर नहीं है। जब तक टीचर को वापस यहां नहीं लगा दिया जाता सभी गांववाले धरना देंगे।

अन्य ग्रामीणों ने बताया यहां पूर्व में लगी टीचर को कलेक्टर ऑफिस लगा दिया है। उसकी ट्रांसफर कैंसिल किया जाए। हम 3 दिन से कलेक्टर के चक्कर लगा रहे हैं। लेकिन कोई सुन नहीं रहा। इसके चलते स्टूडेंट की पढ़ाई खराब हो रही है।

स्कूल स्टूडेंट रीना विश्नोई ने बताया स्कूल में इंग्लिश का टीचर नहीं होने की वजह से परेशानी आ रही है। उनकी पढ़ाई भी पूरी नहीं हो रही है इसलिए जब तक इंग्लिश के टीचर यहां नहीं आएंगे हम पढ़ाई नहीं करेंगे।

अन्य स्टूडेंट ने बताया कई महीने हो गए यहां पर कोई टीचर नहीं है। इसके चलते हमारी पढ़ाई भी डिस्टर्ब हो रही है। जब तक नया टीचर नहीं आ जाता प्रदर्शन जारी रहेगा।

टक्कर के बाद टैंकर में फंसे तीन लोग, 2 की मौत

हादसे के बाद कैबिन अलग होकर सड़क पर गिरा, कटर से काट शव निकालने पड़े

दौसा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। दौसा में हुए एक सड़क हादसे में तीन दो लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना दर्दनाक था टक्कर के बाद कैबिन टैंकर से अलग होकर सड़क पर गिर गया।

घटना जिले के सदर थाना क्षेत्र के जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे 21 स्थित जीरोता मोड़ की है। हादसे के बाद ड्राइवर समेत उसके दो साथी अंदर बुरी तरह से फंस गए थे।

घटना के बाद हाईवे पर जाम लग गया और जब शवों को निकालने का प्रयास किया तो निकल नहीं पाए। इस पर कटर से कैबिन को काटा शव को निकालना पड़ा।

जीरोता मोड़ पर देर रात हादसा

सदर थाने के एएसआई प्रह्लाद ने बताया कि जीरोता मोड़ के पास दूध के टैंकर ने अज्ञात वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दूध टैंकर का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सूचना पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने टैंकर के कैबिन में फंसे लोगों को निकालने का प्रयास किया तो एक जने को गंभीर हालत में बाहर निकाल लिया गया, लेकिन 2 लोग कैबिन में ही फंस गए।

हादसे की सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो वहीं डिप्टी एसपी कालूराम मीणा व प्रशिक्षु आरपीएस श्वेता पाठक भी मौके पर पहुंच गए। हालांकि टैंकर ने किस वाहन को टक्कर मारी, उसका पता नहीं चला है।

काफी देर मशक्कत करने के बावजूद सफलता नहीं मिली तो देर रात क्रेन मंगवाई गई व क्रेन से क्षतिग्रस्त केबिन को कटवाकर 2 घंटे की मशक्कत के बाद चालक का शव बाहर निकाल जिला अस्पताल पहुंचाया।

मृतक व घायल बनासकांठा गुजरात के निवासी

पुलिस ने बताया कि हादसे में टैंकर चालक जयंती भाई ठाकुर (31), ठाकुरवास देवोदर व खलासी वरदा भाई भील (38) गोलप, बनासकांठा गुजरात की मौत हो गई।

जबकि कैबिन में ही सवार भावसिंह वाघेला (30) सनेसना बनासकांठा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका दौसा जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। परिजनों के पहुंचने पर पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव सुपुर्द किए जाएंगे।

कोटा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में आग से मरीज की मौत

ऑक्सीजन मास्क चेहरे से चिपका, गर्दन तक का हिस्सा जला, स्टाफ छोड़कर भागा

कोटा, 13 जुलाई (एजेंसियां)। कोटा के मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में भर्ती मरीज की चेहरा जलने से मौत हो गई। ट्रीटमेंट के दौरान कार्डियो शॉक दिया जा रहा था, लेकिन स्टाफ की लापरवाही के चलते उसमें से निकली चिंगारी मरीज के मास्क तक पहुंच गई। मास्क में लगी आग से मरीज का चेहरा और गर्दन का हिस्सा जलने से मौत हो गई।

घटना बुधवार रात करीब दस बजे की है। मौत की जानकारी मिलने के बाद गुरुवार को परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। डॉक्टर्स का कहना है कि पहले ही धड़कनें बंद हो गई थीं और उसे डायरेक्ट कार्डियोवर्जन शॉक दिया जा रहा था। दरअसल, अनंतपुरा तालाब गांव निवासी वैभव शर्मा (30) को कई दिनों से पेट दर्द की शिकायत थी। वैभव के छोटे भाई लक्की ने बताया कि जब उसका पेट दर्द सही नहीं हुआ तो मेडिकल कॉलेज में ही दो तीन बार दिखाया था। इसके बाद उसकी सोनोग्राफी कराई गई तो डॉक्टरों ने कहा कि उसकी आंतों में छेद है और भर्ती करना पडे़गा।

इस पर 6 जुलाई को वैभव को न्यू हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती करवा गया। चार दिन बाद 10 जुलाई को उसका ऑपरेशन किया गया और इसके बाद वार्ड में शिफ्ट किया गया। बताया जा रहा है कि वार्ड में शिफ्ट करने के दौरान उसकी तबीयत ठीक थी, लेकिन बुधवार दोपहर 3 बजे अचानक तबीयत बिगड़ने लगी और घबराहट होने लगी। इस पर वैभव को दोबारा आईसीयू में शिफ्ट किया गया। रात करीब दस बजे दोबारा घबराहट होने लगी तो ऑक्सीजन दी गई। इधर, वैभव की धड़कनें भी कम होने लगी थीं। इस पर स्टाफ को बुलाया गया और वैभव को डीसी शॉक दिया गया। वैभव के भाई ने आरोप लगाया कि डीसी शॉक देने के बाद भाई नॉर्मल था और डॉक्टर व स्टाफ रूम में जाकर बैठ गए थे। इतने में ही अचानक ऑक्सीजन मास्क में चिंगारी उठी और आग लग गई। आग तेजी से फैली तो यह देख स्टाफ वहां से भाग गया। वहां मौजूद छोटे भाई गौरव ने आग को बुझाया। इस हादसे में उसका भी हाथ झुलस गया। वहीं वैभव का चेहरा, गर्दन और गर्दन से नीचे का हिस्सा भी झुलस गया और इस हादसे के बाद उसकी मौत हो गई।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत

गर्दन और पीठ बुरी तरह से झुलसी, खेत में काम कर रही थी विवाहिता

झालावाड़, 13 जुलाई (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले के मंडावर थाना क्षेत्र के राजपुरा गांव में आकाशीय बिजली गिरने से महिला की मौत हो गई। महिला खेत में काम कर रही थी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। संदिग्ध मौत का मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

महिला के परिजनों ने बताया कि मंडावर थाना क्षेत्र के राजपुरा गांव में चावल की फसल खेत पर लगी हुई है। इसी बीच बुधवार को खेत पर काम चल रहा था। तभी बारिश शुरू हो गई। इस दौरान बिजली गिरने से खेत पर काम कर रही महिला भूली बाई (50) पत्नी बालमुकन्द गुर्जर गंभीर रूप से झुलस गई और बेहोश हो गई। आवाज सुनकर पास के खेत में काम कर रहे किसान मौके पर पहुंचे और महिला को संभाला। इसके बाद उसे लेकर झालावाड़ जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसको मृत घोषित कर दिया। हेड कॉन्स्टेबल देवलाल ने बताया कि संदिग्ध मौत का मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव

परिजन बोलेः सुसाइड से पहले थाने में दी थी शिकायत, कहा था-ससुरालवाले मार डालेंगे

बाड़मेर, 13 जुलाई (एजेंसियां)। शादी के 3 साल बाद विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत का मामला सामने आया है। विवाहिता का शव घर के कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। पीहर पक्ष के आने के बाद शव को सिणधरी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। घटना बाड़मेर सिणधरी कौशलू गांव बुधवार की है।

पीहर पक्ष ने विवाहिता के पति, सास, ससुर सहित 6 लोगों के खिलाफ दहेज के लिए मर्डर करने की रिपोर्ट दी है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। परिजन व समाज के लोगों ने सिणधरी मॉर्च्युरी के आगे धरना देकर नामजद आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे है।

सिणधरी पुलिस को बायतु कोलु निवासी लखाराम पुत्र पूराराम ने रिपोर्ट देकर बताया कि बेटी मूमल की शादी 3 साल पहले जसराज पुत्र खेताराम के साथ की थी। शादी के बाद से उसका पति जसराज, सास जेठीदेवी, ससुर खेताराम, जेठ भैराराम, देवर धनाराम, देवरानी चुकी पत्नी सवाईराम दहेज के लिए परेशान करते थे। सामाजिक स्तर पर कई बार पंचायती हुई लेकिन ससुराल वाले लगातार परेशान कर रहे थे। प्रताड़ना से परेशान होकर 3 जुलाई को विवाहिता मूमल सिणधरी थाना पहुंचकर रिपोर्ट दी। ससुराल वाले मुझे जाने से खत्म किए बिना नहीं छोड़ेगे। पुलिस पर आरोप लगाया है कि रिपोर्ट के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

विवाहिता के पीहर पक्ष का आरोप है कि बुधवार को मूमल के पति, सास, ससुर सहित ससुराल के लोगों ने जान से मारकर फांसी के फंदे पर लटकाकर सुसाइड का रूप देने की कोशिश की गई। जानकारी मिलने पर सिणधरी पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं बालोतरा डीएसपी नीरज शर्मा पहुंची। पुलिस ने विवाहिता के शव को सिणधरी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पीहर पक्ष की मांग पर डीएसपी नीरज शर्मा की उपस्थिति में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया।

एससीबीईयू ने अपनी मांगों को लेकर सीईओ को ज्ञापन सौंपा

सिकंदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी परिषद कर्मचारी संघ (एससीबीईयू) के पदाधिकारियों ने अपनी विभिन्न मांगों लेकर छावनी परिषद के साईओ मधुकर नायक को एक ज्ञापन सौंपा। कर्मचारी संघ ने छावनी परिषद के ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के विलय के मामले पर संघ के अध्यक्ष ए. महेन्दर के साथ कर्मचारी सीईओ के कक्ष में पहुंचकर अपनी मांगों से अवगत कराया। सीईओ को दिए गए ज्ञापन में कर्मचारी संघ ने कहा है कि सिकंदराबाद छावनी बोर्ड के कर्मचारियों को पता चला कि सैद्धांतिक रूप से सहमति के अनुसार छावनी को आसपास के नगरपालिका क्षेत्र के साथ अन्य छावनियों के समान विलय किया जाना है। हम सिकदराबाद छावनी बोर्ड के कर्मचारी आपको सूचित करना चाहते हैं कि सिकंदराबाद छावनी बोर्ड के हमारे कर्मचारी भारत सरकार की नीति यानी ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के साथ विलय और विलय के प्रस्ताव पर आपत्ति नहीं कर रहे हैं। हमारा इस मामले पर कहना है कि हमारे कर्मचारियों के अधिकारों को रक्षा मंत्रालय के नियंत्रण में छावनी बोर्ड द्वारा बनाए गए मौजूदा सेवा नियमों (छावनी बोर्ड कर्मचारी सेवा नियम, 2021) के अनुसार संरक्षित किया जाना है। इस प्रकरण में गठित रक्षा मंत्रालय की समिति में छावनी बोर्ड के कर्मचारियों के किसी भी प्रतिनिधि को शामिल किए बिना केवल केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारी शामिल हैं। ऐसे में समिति में हमारे कर्मचारियों को नामांकन प्रदान करने के लिए कदम उठाएं। रक्षा मंत्रालय के बाद से भारत सरकार ने नागरिक क्षेत्रों की आबादी को जीएचएमसी में शामिल करने का प्रस्तावित निर्णय लिया। यह प्रस्तुत किया गया है कि छावनी सीमा में 5 लाख आबादी को जीएचएमसी में विलय के तहत केवल छावनी क्षेत्र के रूप में प्रशासन करने का प्रस्ताव है। छावनी सीमा का क्षेत्र नगर निगम के जीएचएमसी प्रबंधन के तहत एक क्षेत्र के रूप में प्रसारित किया ज़ा सकता है। इसके कारण, सिकंदराबाद छावनी बोर्ड के इस नागरिक क्षेत्र की आबादी का गठन करने वाले सभी वर्तमान कर्मचारी इस छावनी क्षेत्र में केवल मौजूदा छावनी बोर्ड कार्यालय के आश्रय में समाहित किए जाएंगे।

संघ के पदाधिकारियों ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी से अनुरोध किया कि आप सिकंदराबाद छावनी बोर्ड के कर्मचारियों की व्यक्तिगत रूप से सेवाओं की रक्षा करें। प्रमुख रूप से सिकंदराबाद छावनी बोर्ड के कर्मचारियों की तैनाती केवल ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) को स्थानांतरित करने तक ही सीमित रहेगा, कर्मचारी की वरिष्ठता नगर निगम (जीएचएमसी) के अन्य कर्मचारियों के बराबर रखी जाए, सेवा नियमों और विनियमों के मानदंडों के अनुसार वेतन सुरक्षा को नगर निगम कर्मचारियों के बराबर बनाए रखा जाना चाहिए, छावनी परिषद में प्रचलित पेंशन नियमों को कायम रखा जाए, पड़ोसी नगर निगम के साथ छावनी बोर्ड के विलय से पहले मृत कर्मचारियों के रिश्तेदारों की नियुक्ति आदि की जानी चाहिए। इस अवसर पर सिकंदराबाद छावनी परिषद के नामित सदस्य रामाकृष्णा, डॉ. रामकृष्णा, डॉ. सत्यशील, छावनी परिषद के अधिकारी व कर्मचारी नरसिंह राव, रमणा, बालकृष्णा, उमाशंकर, गोपाल कृष्णा दास, राजेश, नरसिम्हा राजू, एमआर राजू, शेखर, चिरंजीवी, आशुतोष, पुष्पेंदर, उमानंद, प्रज्जवला, स्वाती आदि उपस्थित रहे। ज्ञापन मिलने पर सीईओ मधुकर नायक ने कर्मचारियों संघ के पदाधिकारियों को वरिष्ठ अधिकारियों तक उनकी बात पहुंचाने तथा समुचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में 3 लोगों को गोली मारी गई

अस्पताल में भर्ती किया गया

जम्मू, 13 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में गुरुवार को एक बार फिर आतंकियों ने बाहरी लोगों को अपना निशाना बनाया। तीन लोगों की गोली मार दी गई। दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घायलों की पहचान अनवर, हीरालाल और पिंटो के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस इलाके की घेराबंदी करके मामले की जांच कर रही है।

30 लाख के टमाटर बेचने वाले किसान की हत्या

शव गांव की सड़क पर मिला, परिजन बोले-व्यापारी ने कराई हत्या

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में बुधवार को एक किसान नरेम राजशेखर रेड्डी (62 साल) की हत्या कर दी गई। नरेम ने जुलाई के पहले हफ्ते में 30 लाख रुपए के टमाटर बेचे थे। हालांकि, पैसे अभी व्यापारी के ही पास हैं। उसने मंगलवार को भी 70 क्रेट टमाटर अंगल्लू मार्केट पहुंचाए थे। परिवार के लोगों ने टमाटर खरीदने वाले व्यापारी पर हत्या का आरोप लगाया है। मामला मदनपल्ले मंडल के बोडिमल्लादिने गांव का है। नरेम अपनी पत्नी के साथ गांव के बाहर खेत में घर बनाकर रहते थे। परिवार में दो बेटियां भी हैं, जो शादी के बाद से बेंगलुरु में रहती हैं।

नरेम की पत्नी ने बताया कि मंगलवार शाम को वे दूध लेकर गांव वाले घर के लिए निकले थे। उनके जाने के बाद कुछ लोग टमाटर खरीदने के बहाने नरेम की तलाश में खेत पर आए थे। मैंने उन्हें बताया कि वो गांव वाले घर गए हैं। इस पर वे लोग खेत से चले गए। उधर, जब नरेम काफी देर तक खेत वाले घर पर नहीं लौटे तो पत्नी को चिंता होने लगी। उसने अपनी दोनों बेटियों को फोन कर मामले की जानकारी दी। बेटियों ने पिता को फोन किया, लेकिन फोन नहीं लगा। इसके बाद रिश्तेदारों ने नरेम की तलाश शुरू की तो सड़क के बीच में दोपहिया वाहन और फोन पड़ा मिला। वहीं, सड़क के किनारे नरेम का शव भी पड़ा था। फिर उन्होंने पुलिस को मामले की खबर दी। किसान की पत्नी ने कहा कि जिस व्यापारी ने नरेम से टमाटर खरीदे थे, उसने ही कुछ लोगों के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी।

गला घोंटकर हत्या करने की आशंका

डीएसपी केशप्पा का कहना है कि शुरुआती जांच के मुताबिक जब नरेम दूध लेकर गांव जा रहे थे, तो रास्ते में तीन से चार लोगों ने उन्हें पकड़ लिया। हमलावरों ने उनके हाथ-पैर बांधे और तौलिए से गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी। आशंका है कि हमलावर टमाटर बेचकर कमाए गए पैसे लूटने के मकसद से आए थे। अभी तक यह पता नहीं चल सका है कि घटना के दौरान नरेम के पास पैसे थे या नहीं। डीएसपी ने कहा कि मामले की जांच के लिए चार टीमें बनाई हैं, जल्द ही आरोपी गिरफ्तार होंगे।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की प्रथम कार्यकारिणी बैठक आयोजित

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की 2023-25 की प्रथम कार्यकारिणी बैठक आयोजित की गई। अध्यक्ष पंकज कुमार संघी ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया तथा मानद मंत्री प्रदीप बंसल ने गत सभा का कार्य विवरण प्रस्तुत कर स्वीकृत करवाया। 16 जुलाई को अग्रसेन चौक बंजारा हिल्स पर अग्रसेन महाराज की पूजा व अर्चना करने का निर्णय लिया गया और समस्त सदस्यों से निवेदन किया गया कि इस पूजा में पधार कर भगवान अग्रसेन जी का आशीर्वाद एवं प्रसाद लाभ लेवे। कार्यक्रम के संयोजक निश्चिंत अग्रवाल एवं नितिन अग्रवाल है। 15 अगस्त को मलकपेट गंज स्थित अग्रसेन हॉल में झंडा वंदन करने का निर्णय लिया गया इस कार्यक्रम का भार युवा मोर्चा को दिया गया। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में झंडावंदन के पश्चात हनुमान मंदिर मलकपेट से युवा मोर्चा द्वारा बाइक रैली निकाली जाएगी तथा अग्रसेन चौक तक पहुंचेगी। नितिन अग्रवाल को शाखा कार्यकारिणी की ओर से युवा मोर्चा को प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी दी गई। संजय गुप्ता, ओमप्रकाश पचेरिया, जितेश सिंघानिया को कार्यकारणी सदस्य मनोनित किया गया। रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल के मानद मंत्री चुने जाने पर शाखा अध्यक्ष पंकज कुमार संघी को सभी सदस्यों द्वारा बधाई दी गई। 6 अगस्त 2023 को सावन की सैर करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए शैलेश अग्रवाल एवं अशोक कुमार अग्रवाल को संयोजक नियुक्त किया गया। सह मंत्री सैलेष अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन एवं सहभोज से सभा को विराम दिया गया। अवसर पर अध्यक्ष पंकज संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सचिव प्रदीप बंसल, उपसचिव शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सतनारायण मोदी,परामर्शदाता सुरेश चंद्र गुप्ता, महावीर प्रसाद अग्रवाल, गोविंद नारायण मोदी, श्याम सुंदर अग्रवाल, ओमप्रकाश पंचारिया, श्याम लाल गोयल,सतीश बंसल,दीपक अग्रवाल, हरिश्चंद्र बजाज, सुरेश गोयल, जितेश सिंघानिया, नितिन अग्रवाल और युवा मोर्चा से निश्चिंत अग्रवाल उपस्थित थे।

श्री राजेश्वर भगवान का जागरण 15 को

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। फीलखाना स्थित श्रृंगऋषि भवन दालमंडी में संत श्री राजारामजी कलबी समाज ट्रस्ट हैदराबाद सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान में गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान की 80 वीं पुण्यतिथि के पावन अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम शनिवार 15 जुलाई रात्रि 8.30 बजे से भव्य जागरण व रविवार 16 जुलाई प्रात: पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा। प्रेस विज्ञप्ति में सचिव अशोक चौधरी ने बताया कि गुरुदेव श्री राजेश्वर भगवान की पुण्यतिथि पर हर वर्ष की भांति दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शनिवार 15 जुलाई रात्रि 8.30 बजे से भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। इसमें जबरारामजी बोका कलबी वागावास गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। रविवार 16 जुलाई प्रात: 11 बजे से 3 बजे तक समाज बन्धु 80वीं पुण्यतिथि के पावन अवसर पर पूजा-अर्चनाकर गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के चरणों मे श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर सपरिवार लाभ लेंगे। अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि 16 जुलाई अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे। कार्यक्रम मे समाज बन्धु एवं आमंत्रित सम्मानित अतिथिगण सपरिवार सादर आमंत्रित है।

डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने किया भाकृअनुप का दौरा

सहयोगी कार्य-योजनाओं पर चर्चा

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में आज एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ), चेन्नई की अध्यक्ष डॉ. सौम्या स्वामीनाथन ने गमन हुआ। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के द्वारा श्री अन्न मूल्य शृंखला पर विकसित दक्षताओं एवं प्रौद्योगिकियों की जानकारी प्राप्त करना था। डॉ. सौम्या ने प्रक्षेत्रों का दौरा किया एवं उत्सुकतापूर्वक सभी नौ श्री अन्न फसलों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। आगंतुक दल ने श्री अन्न उत्कृष्टता केंद्र, अन्य प्रसंस्करण सुविधाओं, पोषण केंद्र एवं जीन संग्रह का भी दौरा किया। तत्पश्चात डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं एवं डॉ. सौम्या, अध्यक्ष, एमएसएसआरएफ के द्वारा परस्पर भावी सहयोगी संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की गई तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और एमएसएसआरएफ के बीच सहयोगी क्षेत्रों पर समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. सौम्या ने संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ भी चर्चा की तथा इस बात पर बल दिया कि कृषि, पोषण व स्वास्थ्य परस्पर घनिष्ठता से जुड़े हुए हैं और इन्हें समग्र रूप से निपटाया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि भोजन स्वास्थ्य प्रबंधन का एक अभिन्न अंग बन सकता है और श्री अन्न जीवनशैली से जुड़े रोगों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दौरे के अलावा, प्रो. एमएस स्वामीनाथन, संस्थापक, एमएसएसआरएफ के द्वारा म्यांमार में कार्यान्वित राइस बायोपार्क की अवधारणा पर ओडिशा व तमिलनाडु के आदिवासी क्षेत्रों में श्री अन्न के लिए फंडिंग प्रस्तुत करने हेतु एक सामान्य परियोजना प्रस्ताव भी था। बायोपार्क एक एकीकृत सुविधा होगी, जहां खाद्य उत्पादों के अलावा, भूसी, पुआल तथा चोकर सहित श्री अन्न के उपोत्पादों को पशु चारा, कागज एवं खाद जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है। जैवभार, अर्थात पुआल, भूसी तथा चोकर से मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार करने पर किसानों को आर्थिक लाभ ज्यादा मिलेगा।

शिव शक्ति सेवा मंडल, किशनगंज, गौलीगुडा ने बोनालू मनाया। इसमें भाग लेते हुए एन.आर.लक्ष्मण राव, रमेश यादव, गणेश यादव, बंडारू जगदीश, अनुप, शास्त्री, पपैया, नरसिंग व अन्य।

सनातन धर्म सर्व पंथ समिति द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा आज

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सनातन धर्म सर्व पंथ समिति द्वारा सामूहिक हनुमान चालीसा कार्यक्रम 14 जुलाई शुक्रवार को शाम 5.30 बजे चित्रा लेआऊट वेलफेयर भवन, एलबी नगर में आयोजित किया जा रहा है। सनातन धर्म सर्व पंथ समिति जिस तरह त्यौहार मिलन व एकता दिवस कार्यक्रम सभी पंथों के साथ मनाया जाता रहा। उसी तरह सभी पंथों को निमंत्रित करते हुये इस बार सामूहिक हनुमान चालीसा भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। सभी सनातनी संस्थाओं से और सनातनी भक्तों से निवेदन है कि आप कार्यक्रम में भाग लें।

अग्रवाल समाज अग्र अध्या नारी संगठन पैराडाइज की सावन की सैर संम्पन्न

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज अग्र अध्या नारी संगठन पैराडाइज की सावन की सैर का आयोजन यादगीरी गुट्टा, गोल्डन मंदिर और केषरगुट्टा में भगवान का अभीषेक पूजा-अर्चना कर के की गई। भोजन के पश्चात वहां पर तम्बोला गेम आदि का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने भाग लिया। इस अवसर पर अध्यक्ष सरोज अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, दिपा अग्रवाल, सकिता अग्रवाल शाशि सिगल, ललीता अग्रवाल, प्रिती अग्रवाल, निर्मला चौखानी, ऊषा अग्रवाल, मंजु अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल, सुनिता गोयल, किरण अग्रवाल, सिमा अग्रवाल, आदि सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष सरोज अग्रवाल ने सभी का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया।

सुल्तान बाजार के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस देवेंद्र का 4 साल की सेवा के पश्चात डीजीपी ऑफिस में स्थानांतरित किए जाने पर उनका सम्मान करते हुए भाजपा नेता गोविंद राठी, मनोज जायसवाल एवं सुमित राठी।

मतदान जागरूकता के लिए स्थापित किया गयी है ईवीएम : कलेक्टर

कुमरम भीम आसिफाबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि मतदान प्रणाली के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए जिला केंद्र में एकीकृत कलेक्टोरेट भवन परिसर में एक ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) स्थापित की गई है। गुरुवार को आरडीओ राजेश्वर के साथ ईवीएम खोला गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि कलक्ट्रेट में आने वाले लोगों, कर्मचारियों एवं आगंतुकों को इस वीएम का लाभ उठाना चाहिए, जिसे इस तरह से स्थापित किया गया है कि उन्हें अपने मत का प्रयोग करने की प्रक्रिया मालूम हो। इस कार्यक्रम में समाहरणालय पर्यवेक्षकों, संबंधित अधिकारियों एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

स्वच्छ भारत अभियान एवं वृक्षारोपण

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश तेलंगाना प्रांत के स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा द्वारा स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन रालागुड़ा स्थित सरकारी विद्यालयों में संपन्न हुआ। युवा मंच के अध्यक्ष भाखरराम कुमावत ने बताया कि अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच आंध्र प्रदेश तेलंगाना प्रांत द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के तहत युवा मंच के साथियों द्वारा रालागुडा स्थित सरकारी स्कूल में साफ सफाई की गई एवं प्रथम चरण व द्वितीय चरण में 81 पौधे लगाएं गए। युवा मंच के सचिव ने सभी भामाशाह दानदाताओं का आभार प्रकट किया। इस सेवा कार्य में युवा मंच के साथियों ने बड़ चढ़ कर भाग लिया।

गौलीगुड़ा महाकाली मंदिर से निकाले गये माता के घटम जुलूस में बतौर अतिथि भाग लिये गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ का सम्मान किया गया। साथ में हैं मंदिर ट्रस्ट की गणपति, बालकिशन, लक्ष्मण, पी. नरेंद्र चारी, श्रीनिवास गौड़, शैलेश व अन्य।

नागौर, मारवाड़-मूंडवा, भढाना स्थित श्री बढवासन माता की पूजा-अर्चना करते हुए ए. गौतम जैन लोढा, पी. प्रथम लोढा, शांता देवी लोढा व अन्य।

रंगनायक सागर में एक व्यक्ति मृत पाया गया

सिद्दीपेट, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को सिद्दीपेट के रंगनायक सागर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता हुआ पाया गया। उनकी उम्र करीब 35 से 40 साल थी. युवक ने नीले रंग की शर्ट पहन रखी थी। चिन्ना कोडुरु पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल सिद्दीपेट में स्थानांतरित कर दिया है। एक मामला दर्ज किया गया है।

अश्विन 700+ इंटरनेशनल विकेट लेने वाले तीसरे इंडियन

33वीं बार 5 विकेट लिए, एंडरसन से ज्यादा; सबसे ज्यादा बोल्ड करने वाले भारतीय भी बने

डोमिनिका, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-वेस्टइंडीज में पहले टेस्ट का पहला दिन टीम इंडिया के ऑफ स्पिन रविचंद्रन अश्विन के नाम रहा। उन्होंने टेस्ट करियर में 33वीं बार 5 विकेट लिए, जिसके चलते विंडीज टीम 150 रन पर ही ऑलआउट हो गई। पारी में सबसे ज्यादा 5 या उससे ज्यादा विकेट लेने गेंदबाजों में अश्विन ने जेम्स एंडरसन को पीछे छोड़ा।

अश्विन ने अपने इंटरनेशनल करियर में 700 विकेट पूरे किए। इसी के साथ वह सबसे ज्यादा 96वे बोल्ड करने वाले भारतीय भी बने। उन्होंने अनिल कुंबले का रिकॉर्ड तोड़ा। मैच के पहले दिन ऐसे ही और भी कई रिकॉड्र्स बने, जिन्हें आगे स्टोरी में हम जानेंगे...

अश्विन के 702 इंटरनेशनल विकेट, डेल स्टेन से आगे निकले

रविचंद्रन अश्विन ने पहली पारी में 5 विकेट लिए। उनके नाम 702 इंटरनेशनल विकेट हो गए। तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में अश्विन 16वें नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने साउथ अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन (699 विकेट) को पीछे छोड़ा। वे 700+ विकेट लेने वाले तीसरे ही भारतीय गेंदबाज बने। उनसे पहले अनिल कुंबले (956 विकेट) और हरभजन सिंह (711 विकेट) ही ऐसा कर सके हैं।

बॉलर	देश	मैच	5/विकेट
मुथैया मुरलीधरन	श्रीलंका	133	67
शेन वॉर्न	ऑस्ट्रेलिया	145	37
रिचर्ड हैडली	न्यूजीलैंड	86	36
अनिल कुंबले	भारत	132	35
रंगना हेराथ	श्रीलंका	93	34
आर अश्विन	भारत	93	33

33वीं बार पारी में 5 विकेट लिए, एंडरसन को पीछे छोड़ा

अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने वाले गेंदबाजों में छठे छठे नंबर पहुंच गए। उनके 93 टेस्ट की 33 पारियों में 5 या उससे ज्यादा विकेट हैं। उन्होंने इंग्लैंड के तेद गेंदबाज जेम्स एंडरसन (32) को पीछे छोड़ा। सबसे ज्यादा बार पारी में 5+ विकेट लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 67 बार यह कारनामा किया है।

अश्विन पिता-पुत्र का विकेट लेने वाले पहले भारतीय

रविचंद्रन अश्विन टेस्ट में पिता-पुत्र का विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने। उन्होंने वेस्टइंडीज के ओपनर तेजनारायण चंद्रपॉल को बोल्ड किया। अश्विन ने 2011 में तेजनारायण के पिता शिवनारायण चंद्रपॉल का विकेट भी लिया था। उन्होंने साल 2011 में नई दिल्ली में खेले गए टेस्ट में शिवनारायण को एलबीडब्ल्यू किया था।

सबसे ज्यादा बोल्ड करने वाले भारतीय बने अश्विन

रविचंद्रन अश्विन ने तेजनारायण चंद्रपॉल को बोल्ड कर पारी में अपना पहला विकेट लिए। इस विकेट से वह टेस्ट क्रिकेट में बोल्ड से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए। उनके 95 विकेट हो गए। उन्होंने लेग स्पिनर अनिल कुंबले के 94 बोल्ड करने का रिकॉर्ड तोड़ा।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा बोल्ड करने का रिकॉर्ड श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के नाम है। उन्होंने 133 मैच में 167 विकेट बोल्ड कर लिए हैं। ओवरऑल खिलाड़ियों में अश्विन 11वें नंबर पर हैं।

अश्विन ने विंडीज के 65 विकेट चटकाए, बेदी का रिकॉर्ड तोड़ा

रविचंद्रन अश्विन ने वेस्टइंडीज के 65 बैटर्स के विकेट लिए। वेस्टइंडीज के खिलाफ टॉप विकेट टेकर लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों में अश्विन चौथे नंबर पर आ गए। उन्होंने बिशन सिंह बेदी को पीछे छोड़ा। अश्विन ने भगवत चंद्रशेखर की बराबरी कर ली। अश्विन कैरेबियाई टीम के खिलाफ खेले 12 मैचों में 65 विकेट ले चुके हैं, जबकि बेदी के नाम 18 मैचों में 62 विकेट हैं। चंद्रशेखर ने भी 65 कैरेबियाई विकेट लिए हैं।

ईशान किशन भारत के लिए टेस्ट खेलने वाले 307वें खिलाड़ी बने

भारत के यंग बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और ईशान किशन को वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच से पहले डेब्यू कैप मिली। जायसवाल को कप्तान रोहित शर्मा ने डेब्यू कैप दी। वहीं, किशन को विराट कोहली ने डेब्यू कैप दी। जायसवाल भारत के लिए टेस्ट खेलने वाले 306 और किशन 307वें खिलाड़ी बने। इनसे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सूर्यकुमार यादव को डेब्यू कैप मिली थी। वह भारत के लिए 305वें टेस्ट खिलाड़ी बने थे।

विम्बलडन में भारत के रोहन बोपन्ना सेमीफाइनल में पहुंचे

जोड़ीदार एबडेन के साथ ग्रिक्सपुर और स्टीवंस की डच जोड़ी को हराया; जोकोविच-अलकारेज सेमीफाइनल में

लंदन, 13 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय मेंस डबल्स प्लेयर रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन ने विम्बलडन में अपना सफर जारी रखते हुए बुधवार को सेमीफाइनल में जगह बनाई। डबल्स पेयर ने टालोन ग्रिक्सपुर और स्टीवंस की डच जोड़ी को मुश्किल मुकाबले में 6-7 (6-3) 7-5 6-2 से हराया।

दूसरी ओर जेंटलमेंस सिंगल्स में डिफेंडिंग चैंपियन नोवाक जोकोविच और टॉप सीड कार्लोस अलकारेज ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

रोहन बोपन्ना तीसरी बार विम्बलडन का सेमीफाइनल खेलेंगे। इससे पहले आखिरी बार 2015 में बोपन्ना सेमीफाइनल में पहुंचे थे। 2010 में यूएस ओपन रनरअप सहित बोपन्ना ने मेंस डबल्स में चार ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई है। छठी रैंक वाली इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी अब फाइनल में जगह बनाने के लिए टॉप रैंक डच-ब्रिटिश जोड़ी वेस्ले कूलहोफ और नील स्कुपस्की के खिलाफ सेमीफाइनल में खेलेंगे।

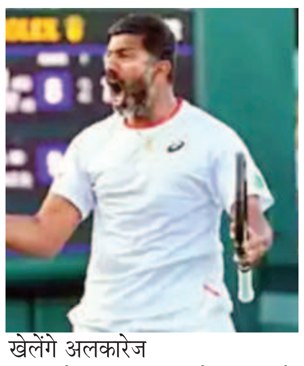

मेदवेदेव के खिलाफ सेमीफाइनल खेलेंगे अलकारेज

कार्लोस अलकारेज ने क्वार्टरफाइनल में होल्गर रून को सीधे सेटों में हरा दिया और गत चैंपियन नोवाक जोकोविच के खिलाफ विंबलडन खिताब की दौड़ में बने रहे। टॉप सीड ने सेंटर कोर्ट पर क्वार्टर फाइनल के दौरान इम्पोर्टेन्ट टाइम में जीत हासिल की और 7-6 (7/3), 6-4, 6-4 से जीत हासिल की। अलकारेज सेमीफाइनल में रूस के वर्ल्ड रैंकिंग में तीसरे नंबर के खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव से भिड़ेंगे।

क्वार्टरफाइनल में डेनियल मेदवेदेव ने क्रिस्टोफर यूबैंक्स को पांच सेटों में हराने के लिए संघर्ष किया और अपने पहले विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचे। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी ने 6-4, 1-6, 4-6, 7-6 (7/4), 6-1 से जीत दर्ज की। सर्बिया के स्टार टेनिस प्लेयर नोवाक जोकोविच ने एंड्री रुबलेव पर चार सेट की जीत के साथ अपने 12वें विंबलडन सेमीफाइनल में जगह बनाई। ऑल इंग्लैंड क्लब में आठवें और करियर के 24वें बड़े खिताब का पीछा कर रहे जोकोविच ने 4-6, 6-1, 6-4, 6-3 से जीत हासिल की। फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना इटली के जानिक सिनर से होगा।

ओन्स जाबेउर ने पिछले साल के विंबलडन फाइनल में अपनी हार का बदला लिया, जाबेउर चैंपियन एलेना रयबाकिना को हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। 2022 के विम्बलडन के फाइनल में रयबाकिना ने जाबेउर को हराया था। जाबेउर ने सेंटर कोर्ट पर रयबाकिना को 6-7 (5/7), 6-4, 6-1 से हराया। ऑल इंग्लैंड क्लब में शनिवार को होने वाले फाइनल में जगह बनाने के लिए जाबेउर का सामना बेलारूस की आर्यना सबालेंका से होगा।

कोवई किंग्स ने जीता टीएनपीएल-2023 का टाइटल

रॉयल किंग्स को 104 रन से हराया; अजितेश ने ऑरेंज और शाहरुख ने पर्पल कैप जीती

चेन्नई, 13 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2023 के फाइनल मुकाबले में लाइका कोवई किंग्स ने नेल्लई रॉयल किंग्स को 104 रन से हराकर खिताब जीत लिया है। तिरुनेलवेली में खेले गए फाइनल मुकाबले में कोवई किंग्स ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 205 रन बनाए

लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल किंग्स की टीम महज 15 ओवर में 101 रन पर ही ऑल आउट हो गई। एलकेके के कप्तान शाहरुख खान ने पर्पल कैप और NLR के अजितेश गुरुस्वामी ने ऑरेंज कैप जीती।

सुरेश, मुकिलेश और अतीक उर रहमान ने खेली अर्धशतकीय पारी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोवई किंग्स को पहला झटका 9 रन पर लगा, टीम ने 31 रन तक अपने 2 विकेट खो दिए। खराब शुरुआत के बाद सुरेश कुमार (57), यू मुकिलेश (51*) और अतीक उर रहमान (50) ने अर्धशतक लगाए और टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। रॉयल किंग्स के लिए संदीप वॉरियर और एनएस हरीश ने 2-2 विकेट लिए। वहीं मोहन प्रसाद को 1 विकेट मिला।

रॉयल किंग्स से कोई खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल सका

लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल किंग्स टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 57 रन के स्कोर पर ही 4 विकेट खो दिए थे। रॉयल किंग्स के लिए कप्तान अरुण कार्तिक ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। उनके अलावा लक्ष्मेश सूर्यप्रकाश ने 22 और एम पोइयामोझी ने 19 रन बनाए।

कोवई किंग्स की ओर से जे सुब्रमण्यन ने चार, शाहरुख खान ने तीन विकेट लिए। वहीं गौतम थमराई कन्नन, मणिमरन सिद्धार्थ, एम मोहम्मद का एक-एक विकेट मिला।

अजितेश को ऑरेंज और शाहरुख खान को पर्पल कैप मिला

टीएनपीएल 2023 सीजन में अजितेश गुरुस्वामी सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्हें इसके लिए ऑरेंज मिली। उन्होंने 10 पारियों में 64.17 की औसत के साथ 385 रन बनाए। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' भी चुना गया। वहीं शाहरुख खान को पर्पल कैप मिली। शाहरुख ने 9 मैचों में 10.59 की औसत से 17 विकेट लिए। वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे।

राष्ट्रमंडल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप : ज्ञानेश्वरी ने जीते दो स्वर्ण, पहले दिन भारत ने सभी भार वर्गों में जीते स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 13 जुलाई (एजेंसियां)। बीते वर्ष जूनियर विश्व चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली ज्ञानेश्वरी ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क की सभी छह लिफ्ट सफलता पूर्वक उठाईं। उन्होंने स्नैच में 78 और क्लीन एंड जर्क में 98 किलो समेत कुल 176 किलो भार भार उठाया।

राष्ट्रमंडल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के पहले दिन का आकर्षण छत्तीसगढ़ के भोंडिया इलाके की ज्ञानेश्वरी यादव रहीं। बेहद विपरीत परिस्थितियों में वेटलिफ्टिंग शुरू करने वाली बिजली मैकेनिक की बेटी ज्ञानेश्वरी ने मीराबाई चानू के भार वर्ग 49 किलो में स्वर्ण की दावेदार झिल्ली डालबेहरा को पराजित कर सीनियर वर्ग में जीतीं, साथ में वह जूनियर वर्ग में भी विजेता बनीं। गौतमबुद्ध नगर यूनिवर्सिटी में खेली जा रही इस चैंपियनशिप के पहले दिन भारत ने दांव पर लगे सभी स्वर्ण पदक जीते। दिन का उलटफेर जूनियर विश्व चैंपियन सेनापति गुरुनायडू की हार रही। उन्हें 55 भार वर्ग में मुकुंद अहीर ने पराजित किया।

ज्ञानेश्वरी ने 176 किलो भार उठाया

बीते वर्ष जूनियर विश्व चैंपियनशिप में रजत जीतने वाली ज्ञानेश्वरी ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क की सभी छह लिफ्ट सफलता पूर्वक उठाईं। उन्होंने स्नैच में 78 और क्लीन एंड जर्क में 98 किलो समेत कुल 176 किलो भार भार उठाया। वहीं, झिल्ली 169 किलो भार उठा सकीं। उन्होंने रजत जीता। इस भार में यूथ वर्ग का स्वर्ण कोयल बार ने 152 किलो भार उठाकर जीता।

कोमल और मुकुंद ने भी जीते स्वर्ण

लड़कियों के ही 40 भार वर्ग में भारत की ज्योशना साबर ने 116 किलो भार उठाकर स्वर्ण जीता। उन्होंने बांग्लादेश की सुमोना (107 किलो) को परास्त किया। 45 भार वर्ग के यूथ वर्ग में भारत की अश्मिता धोने ने 136 किलो भार के साथ माल्टा की किम लगाना (134 किलो) को पराजित किया। अश्मिता ने जूनियर वर्ग में भी स्वर्ण जीता। इसी भार के सीनियर वर्ग में भारत की कोमल कोहड़ ने 154 किलो वजन के साथ श्रीलंका की श्रीमाली दिविसेकरा को 146 को पराजित किया।

पुरुषों के 55 भार वर्ग के सीनियर वर्ग में मुकुंद अहीर (भारत, 106+133) कुल 239 किलो भार उठाकर बांग्लादेश के मोहम्मद रहमान ताज (207) को पराजित किया। उन्होंने बड़ा उलटफेर जूनियर वर्ग 228 किलो वजन उठाने वाले गुरुनायडू सेनापति को हराकर किया। इसी भार के यूथ वर्ग में भारत के तोमछोउ मितेई ने 229 किलो के साथ स्वर्ण जीता। यहां भी नायडू दूसरे स्थान पर रहे।

एशियाड के लिए कुश्ती के ट्रायल 22 और 23 जुलाई को

बजरंग, विनेश और रवि को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली, 3 जुलाई (एजेंसियां)। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की ओर से एंट्री भेजने की तिथि में और राहत नहीं प्रदान किए जाने के बाद तदर्थ समिति ने ट्रायल की तिथि घोषित कर दी। समिति के सदस्य भूपेंदर सिंह बाजवा के अनुसार 22 जुलाई को ग्रीको रोमन और महिला वर्ग के ट्रायल होंगे, जबकि 23 जुलाई को फ्रीस्टाइल वर्ग के ट्रायल होंगे।

बहांगझोऊ एशियाई खेलों के लिए कुश्ती टीम के चयन को ट्रायल की तिथि घोषित कर दी गई है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की तदर्थ समिति ने 22 और 23 जुलाई को केडी जाधव इंडोर स्टेडियम में ट्रायल आयोजित कराने का फैसला लिया है, लेकिन ट्रायल में कौन से पहलवान खेलेंगे और इसके मानदंड क्या होंगे, इस पर फैसला बृहस्पतिवार या फिर शुक्रवार को लिया जा सकता है। उम्मीद की जा रही है कि आंदोलन पर बैठने वाले पहलवान विनेश, बजरंग के अलावा टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता रवि कुमार को राहत प्रदान की जा सकती है।

पहले दिन ग्रीको रोमन, महिलाओं के होंगे ट्रायल

एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की ओर से एंट्री भेजने की तिथि में और राहत नहीं प्रदान किए जाने के बाद तदर्थ समिति ने ट्रायल की तिथि घोषित कर दी। समिति के सदस्य भूपेंदर सिंह बाजवा के अनुसार 22 को ग्रीको रोमन और महिला वर्ग के ट्रायल होंगे, जबकि 23 को फ्रीस्टाइल वर्ग के ट्रायल होंगे। ट्रायल सभी छह भार वर्गों में होंगे।

खेल मंत्री से की जाएगी मुलाकात

आईओए ने ओसीए से एशियाई खेलों की एंट्री की तिथि 5 अगस्त तक बढ़ाए जाने की मांग की थी, जिसे 23 जुलाई कर दिया गया था। इससे ज्यादा राहत देने से आयोजन समिति ने इन्कार कर दिया था। आंदोलन पर बैठने वाले सभी छह पहलवान इस वक्त विदेश में तैयारियां कर रहे हैं। बजरंग, जितेंदर, संगीता किर्गिस्तान में हैं, विनेश चौथा रैंकिंग टूर्नामेंट खेलने हंगरी गई हैं, जबकि साक्षी मलिक और सत्यव्रत कादियान अमेरिका में तैयारी कर रहे हैं।

विंबलडन: ओंस जेब्यूर ने गत विजेता एलीना रिबाकिना को किया बाहर

आर्यना सबालेंका भी सेमीफाइनल में पहुंचीं

लंदन, 3 जुलाई (एजेंसियां)। रिबाकीना और जेब्यूर के बीच बीते वर्ष विंबलडन का फाइनल खेला गया था, जहां रिबाकिना ने खिताबी जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार ये दोनों क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने थीं। यहां जेब्यूर ने रिबाकिना से बीते वर्ष के फाइनल की हार का बदला बखूबी लिया।

बेलारूस की आर्यना सबालेंका लगातार चौथे ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने बुधवार को 25वीं वरीय अमेरिका की मेडिसन कीज को आसानी से 6-4, 6-2 से पराजित कर उनके पहली बार विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने के सपने को तोड़ दिया। वहीं गत विजेता कजाखस्तान की एलीना रिबाकीना को गत उपविजेता ट्यूनीशिया की ओंस जेब्यूर ने तीन सेंटों के संघर्ष में 6-7 (5), 6-4, 6-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। दूसरी वरीय सबालेंका इस साल जबरदस्त फॉर्म में हैं। उन्होंने साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। फ्रेंच ओपन के वह सेमीफाइनल में पहुंची, जबकि 2022 के अंत में वह यूएस ओपन के सेमीफाइनल में भी पहुंची थीं।

मजबूत ग्राउंड स्ट्रोक बने ताकत

मजबूत कदकाठी की सबालेंका को यहां खिताब जीतने का बड़ा दावेदार माना जा रहा है। उनकी पहली सर्विस पुरुषों से कम नहीं हैं, जबकि उनके ग्राउंड स्ट्रोक बेहद ताकतवर हैं। 2017 के यूएस ओपन की उपविजेता मेडिसन कीज इससे पहले यहां 2015 में क्वार्टर फाइनल में पहुंची थीं, उनकी नजरें यहां पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश पर लगी थीं, लेकिन सबालेंका ने ऐसा नहीं होने दिया। वह शुरू से ही कीज पर हावी होकर खेलीं। उन्होंने पहला सेट आसानी से जीता।

सबालेंका ने जबरदस्त वापसी कर हासिल की जीत

दूसरे सेट में कीज ने संघर्ष किया। वह एक समय 4-2 की बढ़त पर थीं। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला एक-एक सेट की बराबरी पर आ जाएगा, लेकिन यहां से सबालेंका ने जबरदस्त संघर्ष क्षमता का परिचय देते हुए पहले 4-4 की बराबरी की और उसके बाद उन्होंने कीज को बिना कोई मौका दिए बिना यह सेट 6-4 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

चार बार तोड़ी कीज की सर्विस

रूसी और बेलारूसी खिलाडिय़ों पर प्रतिबंध के चलते सबालेंका बीते वर्ष विंबलडन में नहीं खेली थीं, लेकिन 2021 में वह यहां सेमीफाइनल में पहुंची थी। उस दौरान भी उन्होंने अपनी मजबूत सर्विस और ग्राउंड स्ट्रोक से सभी को प्रभावित किया था। हालांकि मैच में सबालेंका के दो के मुकाबले पांच एस कीज ने लगाए। पूरे मैच में सबालेंका ने नौ बार ब्रेक प्वाइंट हासिल किए, जिसमें उन्होंने चार बार सर्विस भी तोड़ी। सबालेंका का सेमीफाइनल में मुकाबला गत विजेता एलीना रिबाकिना और ओंस जेब्यूर के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबले के विजेता से होगा।

जेब्यूर ने बीते वर्ष के फाइनल की हार लिया बदला

रिबाकीना और जेब्यूर के बीच बीते वर्ष विंबलडन का फाइनल खेला गया था, जहां रिबाकिना ने खिताबी जीत हासिल की थी, लेकिन इस बार ये दोनों क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने थीं। यहां जेब्यूर ने रिबाकिना से बीते वर्ष के फाइनल की हार का बदला बखूबी लिया। पहला सेट रिबाकिना ने 6-7 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी वह नियंत्रण में थीं। जेब्यूर दूसरे सेट में 5-4 की बढ़त पर थीं और रिबाकिना सर्विस कर रही थीं। ओंस ने एलीना की सर्विस तोड़कर यह सेट जीत कर मुकाबला बराबरी पर ले आईं। तीसरे सेट के शुरुआत में ही ओंस ने रिबाकिना की सर्विस तोड़ दी। रिबाकिना इस सेट में कुछ नहीं कर पाईं। ओंस ने यह सेट 6-1 से जीत और सेमीफाइनल में सबालेंका से भिडऩे का अधिकार प्राप्त किया।

साउथ बनाम वेस्ट जोन दलीप ट्रॉफी फाइनल

पहले दिन विहारी का अर्धशतक; स्टंप तक साउथ जोन का स्कोर 182/7

बेंगलुरु, 3 जुलाई (एजेंसियां)। दलीप ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला साउथ और वेस्ट जोन के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक साउथ जोन का स्कोर 182/7 रहा। वेस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ जोन की टीम के लिए पहले दिन हनुमा विहारी ने सबसे ज्यादा 63 रन की पारी खेली। उन्होंने 130 गेंदों पर 48.46 की स्ट्राइक रेट से 63 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 9 चौके भी लगाए। वेस्ट जोन के शम्स मुलानी ने विहारी को बोल्ड किया। सेमीफाइनल की दूसरी पारी में उन्होंने 43 रन बनाए थे। वॉशिंगटन सुंदर और विजयकुमार वैशाख अगले दिन का खेल जारी करेंगे।

तिलक वर्मा ने बनाए 40 रन

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ जोन के लिए हनुमा विहारी के अलावा तिलक वर्मा ने 40 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। उन्होंने 87 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 40 रन बनाए। मयंक अग्रवाल ने 47 गेंदों में 28 रन की पारी खेली। वहीं रिकी भुई ने 9, सचिन बेबी और रविकुमार समर्थ 7-7 रन, साई किशोर ने 5 रन बनाए। वॉशिंगटन सुंदर और विजयकुमार वैशाख नाबाद लौटें।

विमेंस ऐशेज : रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से जीता इंग्लैंड

ब्रिस्टल, 3 जुलाई (एजेंसियां)। विमेंस ऐशेज में इंग्लैंड ने वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 2 विकेट से जीत लिया। बुधवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने 264 रन का टारगेट 48.1 ओवर में चेज किया। ये इंग्लैंड का वनडे फॉर्मेट में सबसे बड़ा चेज रहा। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने 75 रन की नॉटआउट पारी खेली और अपनी टीम को जीत दिलाई। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पहले वनडे में जीत के बाद इंग्लैंड ने ऐशेज की मल्टी फॉर्मेट सीरीज में 6-6 की बराबरी हासिल कर ली है। वनडे सीरीज के 2 मैच बाकी हैं। दोनों मैच जीतने वाली टीम ऐशेज जीत जाएगी, वहीं एक-एक मैच जीतने पर सीरीज ड्रॉ पर खत्म होगी।

इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया को 6 साल बाद कोई वनडे मैच हराने में कामयाब रही। टीम को आखिरी जीत 29 अक्टूबर 2017 को कॉफ्स हार्बर मैदान पर मिली। उसके बाद दोनों टीमों में 8 वनडे हुए, सभी में ऑस्ट्रेलिया को ही जीत मिली।

ऑस्ट्रेलिया टीम को वनडे में 2 साल बाद किसी टीम से हार मिली। इससे पहले सितंबर 2021 में भारत ने टीम को 2 विकेट से हराया था। टीम ने उसके बाद 15 वनडे खेले और सभी जीते। उन्हें अब जाकर इंग्लैंड ने भी 2 ही विकेट से हराया।

ब्रिस्टल के काउंटी ग्राउंड पर टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी ऑस्ट्रेलिया विमेंस टीम ने 8 रन के स्कोर पर ही कप्तान एलिसा हीली का विकेट गंवा दिया।

केंद्र तेज व निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध : नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री ने तीन एनएच परियोजनाओं की आधारशिला रखी

तिरूपति, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आज यहां तीन एनएच परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 87 किमी है और इनकी कुल लागत 2,900 करोड़ रुपये है।

पहला उपक्रम एनएच-71 का नायडूपटा-तुरपु कनुपुर खंड है, जो 35 किलोमीटर तक फैला है और इसमें 1,399 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता है। दूसरी परियोजना एनएच-516 डब्ल्यू पर तुरपु कनुपुर के माध्यम से चिलकुरु क्रॉस-कृष्णापट्टनम पोर्ट साउथ गेट सेक्शन है, जो 36 किमी की दूरी तय करती है और इसकी लागत 909 करोड़ रुपये है। अंत में तम्मिनापट्टनम-नारिकेलापल्ले खंड में एनएच-516 डब्ल्यू और एनएच-67 पर यूपुरु से कृष्णापट्टनम बंदरगाह तक समर्पित पोर्ट रोड का विस्तार शामिल है, जिसकी लंबाई 16 किलोमीटर है और इसकी लागत 610 करोड़ रुपये है।

श्री गडकरी ने कहा कि इन प्रयासों का उद्देश्य कृष्णापट्टनम बंदरगाह को निर्बाध और सुरक्षित कनेक्टिविटी होगी, जिससे नेल्लोर में राष्ट्रीय मास्टर प्लान नोड्स, औद्योगिक नोड्स और एसईजेड तक तेजी से पहुंच संभव हो सके। इसके अतिरिक्त, वे तिरूपति में श्री बालाजी मंदिर और श्रीकालहस्ती में श्री शिव मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों की यात्रा करने वाले भक्तों की सुरक्षा और सुविधा बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में हम पूरे देश में तेज, निर्बाध और ऊर्जा-कुशल गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। गडकरी ने कहा कि ये परियोजनाएं श्रीहरिकोटा में नेलपट्टू पक्षी अभयारण्य और एसएचएआर जैसे लोकप्रिय आकर्षणों के साथ संबंध स्थापित करके पर्यटन को बढ़ावा देंगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि उनसे रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा होने की भी उम्मीद है।

एसपीसीएचसी में बाल चिकित्सा के अंतर्राष्ट्रीय मानक : केंद्रीय मंत्री

तिरूपति, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के लिए टीटीडी द्वारा संचालित श्री पद्मावती चिल्ड्रेन्स हार्ट सेंटर हॉस्पिटल की सराहना की और गरीब बच्चों की मुफ्त सर्जरी की सराहना की। गुरुवार को अस्पताल का दौरा करने के बाद मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में हृदय, फेफड़े के प्रत्यारोपण आदि के लिए बुनियादी ढांचा केवल चेन्नई, हैदराबाद आदि प्रमुख शहरों में ही उपलब्ध है। इन सर्जरी की लागत जरूरतमंद गरीब लोगों की पहुंच में नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में हृदय प्रत्यारोपण आदि के लिए प्रशिक्षित डॉक्टरों की कमी है।

उन्होंने कहा कि वह 1600 से अधिक मुफ्त हृदय ऑपरेशन, सर्जरी प्रत्यारोपण आदि करने के लिए टीटीडी प्रबंधन और डॉक्टरों की टीम से प्रभावित हुए और उनकी सराहना की और इसे श्री वेंकटेश्वर स्वामी की सबसे बड़ी सेवा बताया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने अस्पताल का दौरा किया और आईसीयू, ओपी विंग, ऑपरेटिंग थिएटर और सामान्य वार्डों का दौरा किया और गरीब मरीजों के लिए माहौल, सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की सराहना की। टीटीडी के अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी, ईओ एवी धर्म रेड्डी, अस्पताल निदेशक डॉ श्रीनाथ रेड्डी, ईई श्रीकृष्ण रेड्डी, आरएमओ डॉ भरत, एवीएसओ सुरेंद्र और अन्य उपस्थित थे।

पार्क में सैर के दौरान महिला फिल्म निर्माता से छेड़छाड़

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला फिल्म निर्माता को यहां बंजारा हिल्स में केबीआर पार्क के पास जॉगिंग के दौरान कार चला रहे एक व्यक्ति ने कथित तौर पर परेशान किया। 32 वर्षीय महिला ने 9 जुलाई को हुई घटना के बारे में बंजारा हिल्स पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार, उस व्यक्ति ने अश्लील इशारों का सहारा लिया और अपने फोन का कैमरा भी उसकी ओर कर दिया था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह शख्स डेढ़ घंटे में तीन बार उसके सामने आया। जब भी वह उसके सामने आता था, अपनी पैंट घुटनों तक नीचे करके स्पष्ट और अनुचित व्यवहार करता था। फिल्म निर्माता की शिकायत पर, पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 ए (यौन उत्पीड़न), 354 डी (पीछा करना) और 509 (किसी महिला की गरिमा का अपमान करने के इरादे से शब्द, इशारा या कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया। शिकायतकर्ता ने आरोपी के कार का पंजीकरण नंबर भी पुलिस को प्रदान किया।

पुलिस ने कहा कि वे आरोपी की पहचान करने और उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। केबीआर पार्क, वीआईपी सहित सुबह की सैर करने वालों के लिए एक लोकप्रिय स्थान, पिछले दिनों इसी तरह की घटनाओं का गवाह बना। पिछले साल अप्रैल में सुबह की सैर पर निकली एक 45 वर्षीय महिला का दो लोगों ने यौन उत्पीड़न किया था। उसके शोर मचाने पर आरोपी भाग निकले। नवंबर 2021 में, टॉलीवुड अभिनेत्री शालू चौरसिया पर उस समय हमला किया गया और लूटपाट की गई जब वह शाम की सैर पर थीं। हमले का विरोध करने के दौरान उसे चोटें आई थीं। उसी महीने, एक अन्य महिला ने शिकायत दर्ज कराई कि एक अज्ञात व्यक्ति ने उसके साथ छेड़छाड़ की और धन उगाही की।

प्राणहिता नदी के कारण केएलआईएस से जुड़ी परियोजनाओं में जल लबालब

हैदराबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरी की प्रमुख सहायक नदियों में से एक, प्राणहिता बढ़ रही है, जो कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना से पूरक प्राप्त करने वाले प्रमुख सिंचाई स्रोतों की पूरी कमान के लिए बड़ी राहत का संकेत है। प्राणहिता से लक्ष्मी बैराज (मेडिगड्डा) में प्रवाह 1.38 लाख क्यूसेक के क्रम में है और बाढ़ का स्तर और बढ़ने की उम्मीद है। प्राणहिता उप बेसिन, भारत में सातवां सबसे बड़ा, लगभग 1,09,078 वर्ग किमी, केएलआईएस का प्रमुख स्रोत रहा है। परियोजना अधिकारियों ने बुधवार को मेडीगड्डा बैराज के छह बाढ़ द्वार हटा दिए। एक-दो दिन में बाढ़ का स्तर और बढ़ने की स्थिति में और गेट खोले जाने की संभावना है। बैराज का लाइव स्टोरेज 16 टीएमसी के सकल भंडारण के मुकाबले 13 टीएमसी पर बनाए रखा जा रहा है।

पवन कल्याण के खिलाफ मामला दर्ज

विजयवाड़ा, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यहां कृष्ण लंका पुलिस ने फिल्म अभिनेता और जन सेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामला गुरुवार को एक स्वयंसेवक सुरेश की शिकायत पर दर्ज किया गया, जिसमें कहा गया था कि फिल्म अभिनेता ने समाज में उन्हें अपमानित करने के लिए स्वयंसेवक प्रणाली के खिलाफ निराधार आरोप लगाए हैं।

आंप्र में खराब सड़कों के लिए वाईएसआरसीपी जिम्मेदार : पुरंदेश्वरी

विजयवाड़ा, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व केंद्रीय मंत्री दग्गुबाटी पुरंदेश्वरी ने राज्य में सड़कों की खराब स्थिति के लिए वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

गुरुवार को यहां आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के अवसर पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह राज्य में पार्टी को मजबूत करने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाफ झूठा अभियान चल रहा है। वोटों की परवाह किए बिना बीजेपी आंध्र प्रदेश की मदद कर रही है। हम किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत 6,000 रुपये दे रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा दावा किया गया रैतु भरोसा के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण में केवल केंद्रीय निधि है। उसने पूछा कि जगन के उस वादे का क्या हुआ, जिसमें उन्होंने किसानों को 12,500 रुपये देने की बात कही थी।

बीजेपी नेता ने यह भी कहा कि केंद्र ने आवास कार्यक्रमों के लिए पिछले नौ वर्षों के दौरान राज्य को 20,000 करोड़ रुपये दिए हैं। उन्होंने बताया कि अब तक कम से कम 65 प्रतिशत मकान बन जाने चाहिए थे, लेकिन 35 प्रतिशत भी आवास तैयार नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पुरंदेश्वरी ने गठबंधन के मुद्दे पर दी सफाई

विजयवाड़ा, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, पुरंदेश्वरी ने आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। गुरुवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, उन्होंने राज्य में बहुचर्चित गठबंधन मुद्दे को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि इसका आकलन पूरी तरह से पार्टी के आलाकमान द्वारा किया जाएगा। पुरंदेश्वरी ने भाजपा और जन सेना के बीच स्थायी साझेदारी पर जोर दिया और आश्वासन दिया कि उनका सहयोग जारी रहेगा। पुरंदेश्वरी ने कहा कि भाजपा और जन सेना शुरू से ही एक साथ काम कर रहे हैं और उनका गठबंधन जारी रखने का इरादा है। यदि उनकी साझेदारी के दौरान कोई भी मुद्दा उठता है, तो उन्होंने आश्वासन दिया कि उन्हें सौहार्दपूर्ण ढंग से हल किया जाएगा। विशेष रूप से, पूर्व राज्य भाजपा अध्यक्ष सोमू वीरराजू और एपी भाजपा प्रभारी सुनील देवधर जनसेना के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं, जो मजबूत संचार चैनल बनाए रखने के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं।

वैजाग वाईएसआरसी अध्यक्ष पंचकरला रमेश बाबू ने पार्टी छोड़ी

विशाखापत्तनम, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक और सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के विशाखापत्तनम जिला अध्यक्ष पंचकरला रमेश बाबू ने अपना पद छोड़ दिया है। पेंडुर्ती से चुनाव लड़ने के लिए पार्टी का टिकट नहीं दिए जाने से नाखुश पंचकरला रमेश बाबू ने गुरुवार को यहां एक मीडिया सम्मेलन में अध्यक्ष पद के साथ-साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जब वह निचले स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं के मुद्दों को हल करने में असमर्थ हैं, जिन्होंने वाईएसआरसीपी की सफलता के लिए कड़ी मेहनत की है, तो अध्यक्ष बने रहने का कोई मतलब नहीं है। वे सभी दुखी हैं। मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि उनकी शिकायतों पर विचार करें।

पिछले एक साल से कई मुद्दों को जगन के संज्ञान में लाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। इसलिए मैं पद छोड़ रहा हूं। रमेश बाबू ने यह भी स्पष्ट किया कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के अध्यक्ष और क्षेत्रीय समन्वयक वाईवी सुब्बा रेड्डी के साथ उनका कोई मतभेद नहीं है।

पुलिस ने 72 दोपहिया वाहन, 21 ऑटो जब्त किए

निज़ामाबाद, 13 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने गुरुवार को बिना किसी वैध दस्तावेज़ के पाए गए 72 दोपहिया वाहन, 21 ऑटो-रिक्शा और पांच कारों को जब्त कर लिया। पुलिस ने निज़ामाबाद टाउन-वी पुलिस स्टेशन सीमा के अंतर्गत भारती रानी कॉलोनी में एक सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम के दौरान कई वाहनों को बिना वैध दस्तावेजों के चलते पाया और उन्हें जब्त कर लिया। पुलिस ने लोगों से जुर्माने और वाहनों की जब्ती से बचने के लिए वाहनों के आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखने और यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया। पुलिस ने लोगों को किरायेदार के बारे में उचित पूछताछ किए बिना अपने घरों को किराए पर देने के खिलाफ भी आगाह किया। उन्होंने लोगों को अपने क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि इससे अपराध को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.